{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 04 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 103
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### सदानंद दाते बने महाराष्ट्र के नए डीजीपी

मुंबई। 26/11 आतंकी हमले के हीरो और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सदानंद वसंत दाते ने शनिवार को महाराष्ट्र के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने राज्य पुलिस मुख्यालय में रश्मि शुक्ला से चार्ज लिया, जो महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी थीं और शनिवार सेवानिवृत्त हो गईं। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी दाते को 31 दिसंबर को डीजीपी नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। इससे पहले सदानंद दाते राष्ट्रीय जांच एजेंसी के प्रमुख थे। 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमले के दौरान वे मुंबई में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त थे।

### टीएमसी सांसद मौसम नूर कांग्रेस में लौटीं

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद मौसमी नूर ने कांग्रेस में वापसी कर ली है। नई दिल्ली में शनिवार को उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ली। मौसमी नूर का राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है और माना जा रहा है कि वह मालदा से विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। 46 साल की मौसमी नूर पहले भी कांग्रेस की नेता रही हैं। वह 2009 से 2019 तक मालदा से दो बार कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। कांग्रेस मुख्यालय में जयराम रमेश, एआईसीसी महासचिव गुलाम अहमद मीर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी जॉइन की, जहां नेताओं ने उनका स्वागत किया।

### दरभंगा एयरपोर्ट से स्पाइसजेट की फ्लाइट रदद

दरभंगा। दरभंगा एयरपोर्ट से शनिवार को शेड्यूल में 10 विमानों का आवागमन निर्धारित था। प्रतिकूल मौसम की वजह से मुंबई से उड़ान भर कर दरभंगा एयरपोर्ट पर 12 बजे लैंड करने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट रदद की गई है। फ्लाइट रद होने की घोषणा विमानन कंपनी ने 11 बजे की। तब तक 40-50 यात्री दरभंगा एयरपोर्ट पहुंच गए थे, उन्हें वापस लौटना पड़ा। वहीं मुंबई से आने वाली अकासा की फ्लाइट निर्धारित समय 1:20 की जगह विलंब से तीन बजे पहुंचने की जानकारी दी गई है। शेड्यूल में दिल्ली के लिए स्पाइसजेट और इंडिगो की एक-एक जोड़ी तथा हैदराबाद के लिए इंडिगो की एक जोड़ी फ्लाइट शेड्यूल में है। जबकि कोलकाता के बीच आने जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट शेड्यूल से बाहर है। आसमान में कोहरा छाया हुआ है। तापमान 14 डिग्री सेल्सियस है।

## कुछ ना कहना

# वेनेजुएला अमेरिका के कब्जे में, राष्ट्रपति मादुरो अगवा, न्यूयार्क लाया गया

## ट्रंप की घोषणा : सबसे बडा मिलिट्री ऑपरेशन, बदलाव होने तक अमेरिका का शासन होगा

**काराकस। अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने का दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया एडेला अब अमेरिकी सैनिकों के कब्जे में हैं। उन्हें न्यूयॉर्क लाया जा रहा है। छ्छ्ह ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि मादुरो और उनकी पत्नी को सेना ने बेडरूम से घसीटकर बाहर निकाला और अपने कब्जे में लिया। ट्रम्प इस मौके का लाइव ऑपरेशन देख रहे थे। अमेरिका ने बीती रात करीब 2 बजे ( भारतीय समय के मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे ) वेनेजुएला के 4 शहरों पर हमले किए थे। इस दौरान अमेरिकी सैनिकों ने मिलिट्री ठिकानों और खास जगहों को निशाना बनाया।**

### ट्रम्प बोले- वेनेजुएला को अमेरिका चलाएगा

मादुरो के पकड़े जाने के करीब 11 घंटे बाद (भारतीय समय के मुताबिक रात 10 बजे) ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि अब वेनेजुएला पर अमेरिका का कब्जा है। फिलहाल इस देश को अमेरिका ही चलाएगा। ट्रम्प ने अमेरिकी सैनिकों की तारीफ कर कहा कि ऐसी बहादुरी दुनिया का कोई और देश नहीं दिखा सकता। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला की आर्मी अमेरिकी सैनिकों के आगे ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर मादुरो की एक तस्वीर पोस्ट की है। तस्वीर में मादुरो ने ग्रे रंग का नाइकी स्वेटसूट पहना हुआ है। हथकड़ी लगे हाथों में वे पानी की एक बोतल पकड़े हुए हैं। आंखों पर काली पट्टी बंधी है, जबकि कान में हेडफोन लगे हुए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर मादुरो की एक तस्वीर पोस्ट की है। तस्वीर में मादुरो ने ग्रे रंग का नाइकी स्वेटसूट पहना हुआ है। हथकड़ी लगे हाथों में वे पानी की एक बोतल पकड़े हुए हैं। आंखों पर काली पट्टी बंधी है, जबकि कान में हेडफोन लगे हुए हैं।

### वेनेजुएला में इमरजेंसी लागू

अमेरिकी हमले के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो ने बयान जारी कर कहा था कि वे जवाब देंगे। उन्होंने देशभर में इमरजेंसी लगाने का ऐलान किया था। उनके बयान जारी करने के 1 घंटे बाद ट्रम्प ने उन्हें पकड़ने का ऐलान किया।

### वेनेजुएला पर हमले की 3 बड़ी वजह...

1. अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं।

2. ट्रम्प का आरोप है कि वेनेजुएला उनके देश में कोकीन और फेंटेनाइल जैसी खतरनाक ड्रग्स की तस्करी का बड़ा रास्ता बन चुका है। इसे खत्म करने के लिए मादुरो को सत्ता से हटाना जरूरी है।

3. ट्रम्प का आरोप है कि मादुरो की नीतियों से लाखों वेनेजुएलाई लोगों को देश छोड़ अमेरिका भागना पड़ा। उन्होंने जेल और मानसिक अस्पताल से अपराधियों को अमेरिका भेजा।

### आज रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे मादुरो

छ्छ्ह न्यूज के मुताबिक निकोलस मादुरो को लेकर आ रहा अमेरिकी सैन्य विमान न्यूयॉर्क स्टुअर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतर सकता है। यह एयरपोर्ट हडसन वैली में है, जो मैनहैटन से करीब 60 मील उत्तर में स्थित है।

फिलहाल मादुरो अमेरिकी सेना की हिरासत में हैं। विमान के उतरते ही उन्हें अमेरिकी फेडरल अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि मादुरो को अगले हफ्ते न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह मामला साउथर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क की अदालत में चलेगा और इसकी सुनवाई यूएस डिस्ट्रिक्ट जज एल्विन के. हेलरस्टीन करेंगे।

### ट्रम्प बोले- वेनेजुएला को अभी अमेरिका ही चलाएगा

ट्रम्प ने कहा है कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि वेनेजुएला का अगला नेता कौन होगा। जब तक वहां हालात पूरी तरह ठीक नहीं हो जाते और सत्ता का सही तरीके से बदलाव नहीं हो जाता, तब तक वेनेजुएला की जिम्मेदारी अमेरिका अपने हाथ में रखेगा।

ट्रम्प ने साफ शब्दों में कहा कि अमेरिका अभी वेनेजुएला को चलाएगा। उनका कहना था कि वे नहीं चाहते कि मादुरो सरकार किसी दूसरे नेता के जरिए दोबारा सत्ता में बनी रहे। उन्होंने कहा कि पुरानी व्यवस्था को नए चेहरे के साथ जारी रखने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि वेनेजुएला की सेना को पहले से पता था कि अमेरिका हमला करने वाला है। इसके बावजूद वहां की सेना ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और बहुत जल्दी कमजोर पड़ गई। अमेरिकी सेना ने हालात पर तेजी से कंट्रोल कर लिया।

# अवैध और अनाधिकृत वेंडरों पर पुलिस करेगी कार्यवाही, सुप्रीम कोर्ट की डेडलाइन खत्म

चंडीगढ़। अवैध और अनाधिकृत वेंडरों को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम को एक सप्ताह का समय दिया था। पहले यह समय 48 घंटे का था, जिसे निगम के अनुरोध पर बढ़ाकर एक सप्ताह किया था। एक सप्ताह से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी शहर में स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। कई मार्केट, पार्किंग, फुटपाथ और कारीडोर में अवैध वेंडर अब भी मौजूद हैं। इससे निगम की कार्यवाई पर सवाल उठ रहे हैं। नगर निगम ने अब पुलिस विभाग को ऐसे वेंडरों के खिलाफ मामले दर्ज करने के लिए आदेश दिए हैं।

नगर निगम ऐसे वेंडरों की एक सूची तैयार कर रहा है, जिसे पुलिस को सौंपा जाएगा। निगम की योजना है कि यदि वेंडर 24 घंटे के भीतर नहीं हटते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम कमिश्नर ने एंफोर्समेंट विंग को इस सूची को तुरंत तैयार करने के निर्देश दिए हैं। एंफोर्समेंट विंग ही यह तय करेगी कि कौन वेंडर वैध है और कौन अवैध। इस अभियान में अब तक एक हजार से ज्यादा चालान जारी किए जा चुके हैं, लेकिन वेंडर उन स्थानों से नहीं हट रहे हैं। जब सामान जब्त किया गया, तो वेंडर ने दूसरे सामान से अपना काम जारी रखा। सुप्रीम कोर्ट की छुट्टियां 5 जनवरी तक हैं, जिससे निगम को कुछ राहत मिली हुई है। छुट्टियों के बाद निगम को कोर्ट में कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करनी होगी, और यह देखना होगा कि कोर्ट का रुख क्या होगा।

# छत्तीसगढ़ में 14 नक्सली ढेर

## -सुकमा में 12, बीजापुर में 2 मारे गए, सभी के शव-हथियार बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार सुबह दो अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया है। सुकमा के किस्टाराम इलाके में 12 और बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए हैं। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है।

सुकमा के किस्टाराम इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के इनपुट पर डीआरजी की टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। इस दौरान शनिवार सुबह करीब 8 बजे नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में फोर्स ने 12 नक्सलियों को ढेर कर दिया। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। इधर, बीजापुर में माओवादियों की मौजूदगी की इनपुट मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने अभियान शुरू किया। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम नक्सल विरोधी ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान शनिवार तड़के नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुबह करीब 5 बजे से माओवादियों के साथ रुक-रुककर मुठभेड़ चल रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ की पुष्टि एसपी जितेंद्र यादव ने की है। मारा गया एक नक्सली एरिया कमेटी मेंबर है, जिस पर पर 5 लाख का नाम इनाम था, जबकि दूसरा 8 लाख का इनामी था।

इस बीच छत्तीसगढ़ का मोस्ट वांटेड नक्सली स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर देवा बारसे ने हैदराबाद में सरेंडर कर दिया है। देवा के साथ 20 नक्सलियों ने भी हथियार डाल दिए हैं। हैदराबाद में दोपहर 3 बजे पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देगी। देवा अपने साथियों के साथ तेलंगाना के मुलुगु पहुंचा था, जहां से पुलिस उसे हैदराबाद लेकर पहुंची थी।

# अश्लील एआई तस्वीरों पर सरकार सख्त : एक्स को मिला 72 घंटे का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) को अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ग्रोक के दुरुपयोग को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कंपनी को निर्देश दिया है कि वह अपने एआई सिस्टम की तकनीकी, प्रक्रियात्मक और प्रशासनिक स्तर पर व्यापक समीक्षा करे। सरकार ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है जिनमें यह पाया गया कि ग्रोक का उपयोग करके महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक और यौन स्पष्टता वाली तस्वीरें तैयार की जा रही थीं। मंत्रालय ने कंपनी को इन निर्देशों पर की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट अगले 72 घंटों के भीतर प्रस्तुत करने को कहा है। आईटी मंत्रालय के साइबर लॉ विभाग द्वारा भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि एक्स को अपने सेवा नियमों और उपयोगकर्ताओं के लिए निर्धारित एआई उपयोग प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना होगा। सरकार ने निर्देश दिया है कि जो खाते ग्रोक के माध्यम से ऐसी अश्लील सामग्री बना रहे हैं, उन्हें तत्काल निलंबित या बंद किया जाए। इसके अलावा, मंत्रालय ने यह भी कहा है कि ऐसी सामग्री जो पहले ही प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो चुकी है या बनाई जा चुकी है, उसे बिना किसी देरी के हटाया जाए या उसकी पहुंच रोकी जाए। यह कार्रवाई आईटी नियम 2021 के तहत निर्धारित समयसीमा के भीतर होनी चाहिए, और कंपनी को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के डिजिटल साक्ष्य प्रभावित न हों।

सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि एक्स इन निर्देशों का पालन करने में विफल रहता है, तो उसे गंभीर कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत प्राप्त सेफ हार्बर (दायित्व से छूट) का दर्जा खोना शामिल है, जिसके बाद प्लेटफॉर्म पर मौजूद किसी भी अवैध सामग्री के लिए कंपनी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जा सकेगा। इसके अलावा, भारतीय न्याय संहिता और आईटी अधिनियम की अन्य धाराओं के तहत आपराधिक कार्रवाई भी की जा सकती है। इस मुद्दे पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने मंच पर मौजूद सामग्री की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया का समाज पर गहरा प्रभाव है, इसलिए इन प्लेटफॉर्म्स को ऐसी संवेदनशील और अवैध सामग्री पर हस्तक्षेप करना अनिवार्य है।

# झारखंड में सड़क दुर्घटनाओं में 8 की मौत, कई घायल

रांची। झारखंड में पिछले 24 घंटों में कई सड़क दुर्घटनाओं में आठ लोगों की मौत और कई लोग घायल हुए हैं। बरहेट-बड़हरवा मुख्य सड़क पर शुक्रवार को एक ऑटोरिक्शा और तेल टैंकर की आमने-सामने भिड़ंत में चार लोग मारे गए। मृतकों में समरा साह (30), रंदानी सोरेन (30), छह वर्षीय छात्रा शांति हेम्ब्रम और ऑटोरिक्शा चालक अमल कुमार शामिल हैं। एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने बताया कि ऑटोरिक्शा बरहेट से बड़हरवा जा रहा था, तभी विपरीत दिशा से आ रहे टैंकर से टकरा गया। हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को रांगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पलामू जिले के डुमरी गांव में मोटरसाइकिल फिसलने के कारण दो लोगों की मौत और दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान मनोज तुरी (26) और प्रेम भारती (25) के रूप में हुई। लेसलीगंज के एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने बताया कि हादसा सड़क पर फिसलने के कारण हुआ। रांची के बिरसा चौक के पास एक पेट्रोल पंप के नजदीक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी, जिससे 26 वर्षीय विवेक कुमार तिर्की की मौत हो गई। गोड्डा जिले के भाटोंडा राजमार्ग पर कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर में 27 वर्षीय निरंजन मिर्धा की मौत हो गई, जबकि कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। कार में तीसरा व्यक्ति सुरक्षित रहा।

# उत्तराखंड के मंत्री पति पर मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिवाद दर्ज

मुजफ्फरपुर। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू गिरधारी द्वारा बिहार की बेटियों पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी का मामला अब तूल पकड़ चुका है। इस विवादित बयान के खिलाफ बिहार में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भारी आक्रोश है और इस बयान के खिलाफ मुजफ्फरपुर की अदालत में एक परिवाद दायर कराया गया है। दरअसल मुजफ्फरपुर के अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने एडीजे प्रथम की अदालत में यह मामला दर्ज कराया है। परिवाद में गिरधारी लाल साहू को मुख्य अभियुक्त बनाया गया है। अधिवक्ता ओझा ने अभियुक्त पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की विभिन्न गंभीर धाराओं- 192, 298, 352, 351, 328 (संभवत: 828 त्रुटिवश उल्लिखित), 52, 95, 86, 74 और 75 के तहत आरोप लगाए हैं। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई की तिथि 12 जनवरी निर्धारित की है। अब 12 जनवरी को होने वाली सुनवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो अभियुक्त की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

### राजद कार्यकर्ताओं ने बीजेपी नेता पप्पू गिरधारी का पुतला फूंका

इस विवादित बयान को लेकर विपक्ष बीजेपी पर हमलावर हो गयी है। पटना में राजद के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओं ने बीजेपी नेता पप्पू गिरधारी का पुतला फूंका और जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। इस दौरान राजद की महिला नेताओं ने हमला करते हुए कहा कि भाजपा बिहार की बेटियों का अपमान कर रही है, यह हम महिलाएं कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

### टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी बोले ...

# मुख्य चुनाव आयुक्त जादूगर, वोटर गायब कर रहे

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तंज कसते हुए वैनिश कुमार कहा और बीजेपी सांसदों की तुलना सांप से की। अभिषेक ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप ज्ञानेश कुमार को जानते हैं? वे जादूगर हैं। जिंदा लोगों को वोटर लिस्ट से गायब कर देते हैं और मरे हुए लोगों को जिंदा दिखा देते हैं। इसलिए अब उनका नाम 'वैनिश कुमार' है।

बीजेपी पर हमला बोलते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बीजेपी सांसद और सांप एक जैसे हैं। अगर आप अपने घर के पीछे एक-दो सांप पाल लें, तो भी सांप, सांप ही रहेगा। आप उसे दूध पिलाइए, केला खिलाइए, लेकिन वह एक दिन डसेगा ही। अभिषेक ने कहा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल की जनकल्याणकारी योजनाओं, खासकर महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना को कमजोर करना चाहती है। अगर भाजपा को अब जवाब नहीं दिया गया, तो भविष्य में लोगों के वोट देने के अधिकार पर भी हमला हो सकता है।

### भाजपा शासन में जहरीला पानी पीने से लोगों की मौत

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बीजेपी शासित मध्य प्रदेश में जहरीला पानी पीने से लोगों की मौतें हुई हैं। जो सरकार अपने लोगों को पीने का साफ पानी तक नहीं दे पा रही है, क्या वह आपको सिर पर छत देने का वादा पूरा कर पाएगी? जब बुनियादी जरूरतें ही पूरी नहीं हो रहीं, तो बड़े-बड़े दावे किस आधार पर किए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि उत्तर बंगाल में अलीपुरद्वार को बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में यही इलाका तृणमूल की वापसी की शुरुआत बनेगा। अपने कार्यकर्ताओं से कहता हूं कि हमें यहां हर बूथ जीतना है। एक भी बूथ नहीं छोड़ना है।

# बिना एक भी वोट डले नगर निकाय में जीत गए महायुति के 68 पार्षद

## -भाजपा को 44 सीटें, एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना को 22 सीटें और अजित पवार की एनसीपी को 2 सीटें मिली

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले महाराष्ट्र नगर निकाय और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव से पहले भाजपा-नेतृत्व वाली महायुति ने बड़ी बढ़त बना ली है। नामांकन वापसी की अंतिम तारीख के बाद विभिन्न नगर निकायों में महायुति के 68 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इन 68 सीटों में से भाजपा को 44 सीटें, एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना को 22 सीटें और अजित पवार की एनसीपी को 2 सीटें मिली हैं। सबसे ज्यादा निर्विरोध जीत ठाणे जिले की कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में दर्ज हुई। इसके अलावा पुणे, पिंपरी-चिंचवाड, पनवेल, भिवंडी, धुले, जलगांव और अहिल्यानगर से भी सीटें महायुति के खाते में गईं।

पुणे में वार्ड नंबर 35 से भाजपा उम्मीदवार मंजूषा नागपुरे और श्रीकांत जगताप को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने इसे भाजपा के कामकाज पर जनता के भरोसे का परिणाम बताया और दावा किया कि पुणे का अगला मेयर भाजपा का होगा। समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए मोहोल ने कहा कि हमारा लक्ष्य 125 सीटें जीतना है। इनमें से दो सीटें निर्विरोध जीती जा चुकी हैं, अब 123 सीटें शेष हैं।

# जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की जयंती

## 195 वी जयंती पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन, उपस्थितजनों ने माता सावित्रीबाई फुले को किया याद

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 3 जनवरी को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।जहां माता सावित्रीबाई फुले की 195 वी जयंती पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर मानव समाज और स्कूली शिक्षा में दिए गए माता फूले के योगदान को याद किया गया। जहां जगह-जगह जयंती समारोह का आयोजन कर उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

### माल्यापर्ण सहित मंचीय कार्यक्रमों के हुए आयोजन

राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की जयंती का सर्वप्रथम कार्यक्रम कोसमी रोड़ स्थित फूले चौक में आयोजित किया गया। जहा आयोजित इस जयंती समारोह में सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माता सावित्रीबाई फुले, ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, तो वहीं प्रतिमा के चरणों मे पुष्प अर्पित कर मोमबत्ती प्राज्जलित की।जिसके उपरांत माता सावित्री बाई फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला गया।जहां राष्ट्रमाता फुले का महिलाओं के लिए समाज में दिए गए योगदान विषय पर प्रमुख वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। जहां मुख्य वक्ताओं द्वारा राष्ट्रमाता फुले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके दिए गए योगदान का बखान किया गया।तो वहीं माता की जीवनी से प्रेरणा लेने और उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वही मिठाइयों के वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर जयंती समारोह का समापन किया गया।

### जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों की हुए आयोजन

माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर सरेखा चौक के अलावा नगर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जहां जयंती विशेष पर सामाजिक बन्धुओ ने कार्यक्रम स्थल से रैली निकालकर माता सावित्रीबाई फुले के सन्देश को आम किया।तो वही विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मंचीय कार्यक्रमों के आयोजन कर समाज में दिए गए माता सावित्रीबाई फुले के योगदान को याद किया। तो वही उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर उनकी जीवनी से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।इसी दरमियान सरेखा स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले मिडिल स्कूल में मंचीय कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहा समाज के वरिष्ठों व बुजुर्गों को पुष्पगुच्छ ,शाल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।जहां आयोजित मंचीय कार्यक्रम में मुख्य बक्ताओ में माता सावित्रीबाई फुले की जीवनी को याद कर उनके संघर्षो के बखान किया। जहां बारी-बारी से समाज के पदाधिकारी और महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त किए तो वही उपस्थितजनों ने माता सावित्रीबाई फुले के संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

### महिलाओ को माता ने दिया शिक्षा का अधिकार

आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने बताया कि महिलाओं को पुरूषों के बराबर अधिकार दिलाने की शुरूआत माता सावित्री फुले ने की।उन्होने महिला शिक्षा की शुरूआत की और आज हम अगर शिक्षित होकर समाज में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है तो इसका श्रेय माता सावित्री फुले को जाता है। वहीं ज्यादातर वक्ताओं ने माता सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके संघर्षों को याद किया, तो वही उनके बताए हुए मार्ग पर चलकर उनकी जीवनी से प्रेरणा लेकर समाज का उद्धार किया जाने की बात कही। वही समाज संगठन को मजबूत बनाने ,सभी को साथ लेकर चलने और मिलजुलकर समाज संगठन को मजबूत किए जाने की बात पर जोर दिया।

### महापुरूष नहीं होते तो समाज का उद्धार नही होता

बताया गया कि देश की पहली महिला शिक्षिका और समाज की पूज्यनीय माता सावित्रीबाई फुले की 195 वीं जयंती समाज मना रहा हैं। फुले दंपत्ति ने इस देश के सामाजिक उत्थान के लिए शोषित, पीड़ित समाज के लिए जो संघर्ष किया। उससे आज मानव समाज का स्वरूप बदला है। शायद यह महापुरूष नहीं होते तो आज जो मानव समाज का बदला स्वरूप देखने को मिल रहा है, ऐसा नहीं होता। वही समाज का उद्धार भी नही होता।

---

## जिला अधिवक्ता संघ चुनाव

# 17 पदों के लिए 51 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने लिए नामांकन फार्म

## नामांकन फार्म जमा करने की अंतिम तारीख आज, होगी नामांकन फार्म की जांच

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला अधिवक्ता संघ चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी भी तेज हो चुकी है।जहां जिला अधिवक्ता संघ के दो वर्षीय कार्यकाल के निर्वाचन के लिए चुनावी प्रक्रिया के दौरान कार्यकारिणी के महज 17 पदों के लिए 51 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने निर्वाचन अधिकारी से नामांकन फार्म लिया है, तो वही पहले दिन 51 में से 21 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन भी जमा कर दिया है। बताया गया कि 4 जनवरी रविवार की दोपहर 2ः30 बजे तक नामांकन जमा करने की अंतिम समय तय किया गया है, जिसमें बाकी प्रत्याशियों के आवेदन जमा होने की बात कही जा रही है।उधर रविवार को 2ः30 तक प्रत्याशियों के नामांकन फार्म जमा करने के तुरंत बाद शाम 5 बजे तक नामांकन फार्म की जांच कर, 5 जनवरी सोमवार को नामांकन पत्र वापसी का मौका प्रत्याशियों को दिया जाएगा। इसके अगले ही दिन शेष उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित कर दी जाएगी।जिसके उपरांत पूर्व से निर्धारित नियमों के तहत 17 जनवरी को जिला अधिवक्ता संघ के निर्वाचन के लिए मतदान कराया जाएगा।उसी दिन प्राप्त मतों की गणना के उपरांत देर से रात नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी।

### 17 पदों के लिए 51 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने लिए फॉर्म, 21 ने जमा किया नामांकन

जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यो के 17 पदो के लिए 51 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म लिया है। अब तक 1 अध्यक्ष पद के लिए 4 प्रत्याशियों ने नामांकन लिया है, जिसमें से 1 प्रत्याशी ने अपना नामांकन जमा कराया है। जबकि उपाध्यक्ष के 1 पद के लिए 4 प्रत्याशियों ने नामांकन लेकर, 3 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन जमा कर दिया है। तो वहीं सचिव के 1 पद के लिए अब तक 5 प्रत्याशियों ने नामांकन लिया है जिसमें से 2 प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म जमा कराया है। इसी तरह महासचिव के 2 पदों के लिए 7 प्रत्याशियों ने नामांकन ले लिया है जिसमें से 3 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन फार्म जमा कराया है। वही कोषाध्यक्ष के 1 पद के लिए 5 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र प्राप्त किया है ,जिसमें से 3 प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म जमा कराया है।वही ग्रंथपाल के 1 पद के लिए 2 प्रत्याशियों ने नामांकन लिया था, जिसमें दोनों प्रत्याशियों ने अपना नामांकन जमा कर दिया है। तो वही कार्यकारिणी के 10 पदो के लिए 24 प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म लिया था जिसमें से 7 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन फार्म जमा कर दिया है। इस तरह कुल 17 पदों के लिए अब तक 51 प्रत्याशियों ने नामांकन प्राप्त किया है जिसमें से 21 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन जमा कराया है

### चुनाव के लिए प्रत्याशी लग रहे एड़ी चोटी का जोर

उधर जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव के चलते बार में चुनाव लड़ने वाले अधिवक्ता प्रत्याशी और अधिवक्ताओं के बीच हलचल तेज हो गई है और बार परिसर में चुनाव जैसा माहौल नजर आने लगा है। विभिन्न अधिवक्ता प्रत्याशियों ने अभी से अपने नाम और फोटो के बैनर पोस्टर लगाकर चुनावी बिगुल फूक दिया है तो वहीं विभिन्न प्रत्याशी जगह-जगह बैठके लेकर मतदाता अधिवक्ताओं को साधने में जुटे हुए हैं। जिसके चलते बार में जगह-जगह अधिवक्ताओं के अलग-अलग ग्रुप देखे जा रहे हैं, बताया गया कि चुनाव में भाग लेने के लिए नामांकन फार्म लेने वाले प्रत्याशियों में से,अब तक संपूर्ण नामांकन फार्म जमा नहीं कराए गए हैं, बावजूद इसके भी पूर्व से ही प्रत्याशियों ने अपना धुआंधार चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है।जो 16 जनवरी तक बार परिसर में देखने को मिलता रहेगा। कुल मिलाकर कहा जाए तो इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने की सोच रहे अधिवक्ता प्रत्याशी, चुनाव को जीतने के लिए अभी से एड़ी चोटी का जोर लगाने में जुट चुके हैं।

### महिलाओ के लिए आरक्षित किए गए 3 पद

निर्वाचन अधिकारी और उनके टीम से मिली जानकारी के मुताबिक, जिला अधिवक्त संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, दो सहसचिव, ग्रंथपाल और कोषाध्यक्ष के साथ ही 10 कार्यकारिणी सदस्यों के लिए मतदान कराया जाना है। जिला अधिवक्ता संघ की इस संपूर्ण कार्यकारिणी में 17 प्रत्याशियों का चुनाव कराया जाएगा, जिसके लिए 51 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है।तो वही 51 में से 21 प्रत्याशियों ने तो पहले ही दिन अपना नामांकन जमा कर दिया है। जानकारी के मुताबिक 17 पदों वाली इस नई कार्यकारिणी में, सदस्यो में 3 पद महिलाओ के लिए आरक्षित किए गए है।

### पहले दिन इन प्रत्याशियों ने जमा किया नामांकन

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव, निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक नामांकन फार्म भरकर जमा करने के पहले दिन 1 अध्यक्ष पद के लिए 3 प्रत्याशियों में से 1 प्रत्याशी अरविंद राय ने नामांकन फार्म जमा किया है। तो वही 1 उपाध्यक्ष पद के लिए 3 प्रत्याशी दिनेश पटले, धर्मेंद्र धानेश और दिलीप चौधरी ने नामांकन फॉर्म भरकर जमा किया है। इसी तरह सचिव के 1 पद के लिए 5 प्रत्याशियों में से 2 प्रत्याशी महेंद्र (मधु) बिसेन और राकेश सिंगर ने नामांकन फार्म जमा किया है। जबकि सहसचिव के 2 पदो के लिए 7 प्रत्याशियों में से 3 प्रत्याशी, अशोक शर्मा, मुकेश लिल्हारे, और विकाश खुरसेल ने नामांकन फार्म जमा किया है।इसी तरह कोषाध्यक्ष के 1 पद के लिए 5 प्रत्याशियों में से 3 प्रत्याशी संजय अग्निहोत्री, पंचम लाल खैरवार और गौरव जयसवाल नामांकन फार्म जमा किया है। इसी तरह ग्रंथपाल के 1 पद के लिए 2 प्रत्याशियों में से दोनों प्रत्याशी शुभम बोस और धनंजय देशमुख ने नामांकन फार्म जमा किया है। तो वही 10 पदों की कार्यकारिणी सदस्यों के लिए 24 प्रत्याशियो में से 7 प्रत्याशी, सत्य प्रकाश शुलके, अभिषेक डहाके, डिह्लन सिंह ताराम, कमला सार्वे, पूजा विश्वकर्मा, जितेंद्र जैन और मो. शाकिर कुरैशी ने नामांकन फॉर्म भरकर जमा किया है।

### 17 जनवरी को मतदान कराकर नई कार्यकारिणी की होगी घोषणा- नगपुरे

अधिवक्ता संघ चुनाव के निर्वाचन अधिकारी हरीश नगपुरे ने बताया कि आज 3 जनवरी नामांकन फार्म की अंतिम तारीख तक अध्यक्ष के लिए 04, उपाध्यक्ष के लिए 04, सचिव के लिए 05, सह सचिव के लिए 07, ग्रंथपाल के लिए 02, कोषाध्यक्ष के लिए 05 और कार्यकारिणी सदस्य के लिए 24 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म लिया है। जिनके नामांकन फार्म जमा करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। कल 4 जनवरी दोपहर 2 बजे तक नामांकन फार्म लिए जाएंगे। जिसके बाद स्कूटनी और नाम वापसी के बाद 5 जनवरी से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों का प्रचार प्रारंभ हो जाएगा। जबकि 17 जनवरी को मतदान कराया जाएगा और इसी दिन देर रात तक परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी। इस दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता प्रदीप सोनी,अधिवक्ता प्रशांत गिरी गोस्वामी, अधिवक्ता विकास श्रीवास्तव, अधिवक्ता वेणु शंकर परिमल और अजय बम्हे भी उपस्थित रहे।

---

# रामवती उईके 378 वोटो से विजय रही

### सरपंच पद की बागडोर नए वर्षों में मतदाताओं ने दिया तोहफा

**पद्मेश न्यूज। उकवा।** जनपद पंचायत परसवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत उपव में 29 दिसंबर को सरपंच पद हेतु उपचुनाव कराया गया जिसमें चार प्रत्याशी ने सरपंच पद हेतु मैदान में खड़े हुए थे जानकारी अनुसार दो प्रत्याशियों के बीच टक्कर का मुकाबला बताया जा रहा था किंतु 2 जनवरी 2026 को जब सरपंच चुनाव का रिजल्ट आया तो पता चला कि उकवा ग्राम पंचायत के मतदाताओं ने एक तरफा वोट देकर रामबती उईके को ग्राम पंचायत उकवा की बागडोर सोफी जैसे ही रिजल्ट आया तो समर्थकों में एवं उपव के मतदाताओं में खुशी की लहर दिखाई दी एवं पटाखे की आवाज गूंज ने लगी वही विजय प्रत्याशी श्रीमती रामबत्ती उईके क्या कहना है कि मैं पांच पद पर पहले से ही थी और जैसे ही अविश्वास प्रस्ताव पारित हुआ और अनुशीय क्षत्रिय को सरपंच पद से हटाया गया उसके पश्चात मुझे प्रभारी सरपंच बनाया गया मेरे द्वारा एक महीने के भीतर तत्काल 10 से 12 काम चालू करवा दिए गए और वह भी कार्य कम से कम 70प्रति हो चुका था उसके पश्चात जब 29 दिसंबर को उपचुनाव की तारीख तो मुझे मेरे समर्थकों के द्वारा कहा गया कि चुनाव आपको लड़ना है मेरे मन में भी एक विश्वास मेरे समर्थकों के द्वारा आया कि मेरे समर्थक जरूर मुझे साथ देकर विजय हासिल कराएंगे और आज मेरेसमर्थकों और कार्यकर्ताओं तथा मतदाताओं के द्वारा मुझे पूरा सहयोग देकर विजय कराया गया मैं आगे भी गांव के विकास के लिए एवं ग्राम के विकास के लिए सदा तैयार रहूंगी एवं शासन की योजनाओं को हर गरीब तक पहुंचाने का कार्य करूंगी एवं अपने इस ग्राम उकवा को एक सुंदर सा बनाकर दिखाना चाहती हूं यही मैं प्रण लेकर कहती हूं बस मुझे गांव की जनता एवं पचों का सहयोग चाहिए।

---

## आम सूचना

मैं अपने पक्षकार म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा खैरलॉजी की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक से ऋणी श्री रामनाथ बिसेन पिता देवनाथ बिसेन निवासी ग्राम गर्रा तह:वारासिवनी जिला बालाघाट मध्यप्रदेश के द्वारा व्यवसाय वृद्धि हेतु संपत्ति विरूद्ध ऋण सावधी ऋण योजना अंतर्गत राशि ८००००० आठ लाख रूपये का ऋण प्राप्त किया जा रहा है और लिये जा रहे ऋण में जमानतदार श्री लितेश चौधरी पिता हरिराम चौधरी निवासी ग्राम सालेटेका तह: खैरलॉजी जिला बालाघाट के एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम सालेटेका प.ह.नं. ०३, रा.नि.मं व तह:खैरलांजी जिला बालाघाट में स्थित खसरा नं.६०३/७/१रकबा ०.०६१ है.परिवर्तित भूमि जिसकी चतुर्सीमा के पूर्व में रोड, पश्चिम में लितेश कुमार की जमीन, उत्तर में लितेश कुमार की जमीन व दक्षिण में दशरथ बिसेन की जमीन स्थित है को मेरी पक्षकार बैंक में साधारण बंधक द्वारा बंधक किया जा रहा है। अत: इस संबंध में किसी भी व्यक्ति , संस्था या कार्यालय को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिनो के अंदर प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है

वारासिवनी दिनांक ३/०१/२०२६

**प्रेषक -मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता वारासिवनी**

---

## सड़क दुर्घटना में महिला घायल

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** वारासिवनी थाना अंतर्गत बालाघाट रोड पर स्थित ग्राम बनियाटोला के पीपल चौक में सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक महिला घायल हो गई।घायल महिला सावित्री बाई पति रामेश्वर मानेश्वर 45 वर्ष ग्राम बनियाटोला कायदी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सावित्रीबाई अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती है। गुरुवार को सावित्री बाई अपने पति रामेश्वर मानेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में सब्जी भाजी की लेने वारासिवनी गई थी ।शाम 6ः00 बजे वारासिवनी में सब्जी लेने के बाद सावित्रीबाई अपने पति रामेश्वर मानेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में बैठ कर अपने घर बनिया टोला लौट रही थी ।तभी बालाघाट रोड ग्राम बनियाटोला पीपल चौक में सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने रामेश्वर।मानेश्वर की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस सड़क दुर्घटना में सावित्रीबाई और उसका पति रामेश्वर मानेश्वर मोटरसाइकिल सहित गिर गए ।जिसमें सावित्रीबाई घायल हो गई। घायल सावित्रीबाई को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

---

## हट्टा आदिवासी मेले मे हुआ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**पद्मेश न्यूज। हट्टा।** सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम के तहत उच्च अधिकारी और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के मार्ग दर्शन मे 1 जनवरी 2026 से 3 जनवरी 2026 तक ग्राम हट्टा मे गोंडी धर्म सम्मेलन मे नि शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । जिसमे पुलिस चिकित्सक डॉ पी आर रोकड़े , प्राथमिक स्वास्थ केंद्र हट्टा से डॉ दीक्षा कुर्वे मेडिकल ऑफिसर, डॉ हर्षा अजित मेडिकल ऑफिसर ,राजेश कावरे, कैलाश सोनी , युवराज चंद्रवंशी ,श्रीमती दीक्षा हरिनखेड़े , धन्वनता लिलहारे ,प्रकाश मस्करे ,शालू कूथे ,पंकज पटले सुंदरलाल कुंभड़े के द्वारा 131 मरीजों स्वास्थ परीक्षण कर नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया । शिविर मे धार्मिक साहित्य केंद्र बालाघाट द्वारा होमोपेथिक दवा का वितरण किया गया कार्यक्रम मे थाना हट्टा से थाना प्रभारी अविनाश राठोर ,सउनि नंदकिशोर दनोडे , प्रधान आरक्षक सतीश पारधी , आरक्षक बलवंत सिसोदिया ,आरक्षक राजेन्द्र यादव, आरक्षक अभिषेक मालवीय , थाना किरनापुर से सहायक नि रमेश , प्रधान आरक्षक उयके ,आरक्षक राजेन्द्र यादव , आरक्षक कूमान सिंग , आरक्षक किसन परते का सराहनीय योगदान रहा।

प्रियांशी नगपुरे

जन्मदिवस की शुभकामनाएं और बधाई

-शुभचिंतक-

पिता तेजराम नगपुरे

मम्मी श्रीमती दमयंती नगपुरे

समस्त ,नगपुरे परिवार और शुभचिंतक

ग्राम नवेगांव (तीनटोला) खैरलांजी,

ग्राम भटेरा (बालाघाट) और सोनगुड्डा(बैहर)

स्व. श्री सुरेश हरिनखेड़े

6वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री सुरेश हरिनखेड़े

आपका सादगी, त्याग से भरा संघर्षमय जीवन सदा हमारा पथ प्रदर्शन करता रहेगा

आज आपकी 6वीं पुण्यतिथी पर हमारी अश्रूपूर्ण श्रद्धांजली एवं शत-शत नमन!!!

श्रद्धानवत- देवीलाल हरिनखेड़े, पुस्तकला हरिनखेड़े, युवराज क्षीरसागर, वर्षा क्षीरसागर, यश क्षीरसागर, मिस्टी क्षीरसागर एवं समस्त हरिनखेड़े परिवार, बेहरई



बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली

उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## न्यूज गैलरी

# चुनरी यात्रा के दौरान गायखुरी में सूने घर से चोरी

### ग्रामीण थाना पुलिस ने नाबालिग आरोपी से बरामद किए डेढ़ लाख रुपये

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** ग्रामीण थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घर से चोरी की गई डेढ़ लाख रुपये की नकद राशि बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गायखुरी वार्ड क्रमांक 8 निवासी ने 1 जनवरी को धार्मिक आस्था की चुनरी यात्रा में शामिल होने के लिए अपने परिवार सहित घर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान उनके रिश्तेदार, जो उनके गांव का ही निवासी और मुह्बोला भतीजा बताया जा रहा है, उसके द्वारा ही सूने घर का फायदा उठाकर अलमारी में रखी लगभग साढ़े पांच लाख रुपये की रकम में से डेढ़ लाख रुपये चोरी कर लिए। चोरी की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने ग्रामीण थाना पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्ध आरोपी की पहचान की और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात को स्वीकार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गई डेढ़ लाख रुपये की पूरी राशि बरामद कर ली।

मुख्यालय से लगे ग्राम गायखुरी के वार्ड क्रमांक 8 निवासी जितेंद्र पिता कमल बसेने के घर से डेढ़ लाख रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। जितेंद्र मजदूरी का कार्य करते हैं और उन्होंने हाल ही में अपने परिजनों के साथ जमीन विक्रय की थी, जिसमें उनके हिस्से के रूप में करीब साढ़े पांच लाख रुपये प्राप्त हुए थे। यह राशि उन्होंने घर में एक पेटी में रखी थी। जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि 1 जनवरी को वे कोसमी से निकली चुनरी यात्रा में शामिल होने के लिए बालाघाट गए हुए थे। उस समय घर में केवल उनकी बुजुर्ग माता मौजूद थीं। इसी दौरान गांव के ही एक करीबी नाबालिग मुंहबोले भतीजे ने घर में प्रवेश कर बुजुर्ग महिला को घरेलू कामों में उलझा दिया और मौका पाकर पेटी का ताला खोलकर उसमें रखी साढ़े पांच लाख रुपये की नकद राशि में से डेढ़ लाख रुपये निकाल लिए। शाम के समय जब जितेंद्र अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर लौटे तो उन्होंने देखा कि पेटी का ताला खुला हुआ है और अलग-अलग बंडलों से डेढ़ लाख रुपये गायब हैं। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल ग्रामीण थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद ग्रामीण थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। जांच और पूछताछ के दौरान पुलिस ने जितेंद्र के ही गांव के नाबालिग मुंहबोले भतीजे से चोरी गये डेढ़ लाख रुपये की पूरी राशि बरामद कर ली। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

गाँव के मुंहबोले भतीजे ने ही चोरी की थी - अमित

ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जैसे ही फरियादी जितेंद्र द्वारा थाने पहुंचकर घर से चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई, तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच के दौरान संदिग्धों की पहचान कर उन्हें थाने बुलाया गया और पूछताछ की गई। थाना प्रभारी के अनुसार पूछताछ के दौरान जितेंद्र के ही गांव के मुंहबोले नाबालिग भतीजे से कड़ाई से पूछताछ की गई, जिस पर उसने चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने घर में रखी नकदी में से डेढ़ लाख रुपये निकाले थे। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी गई पूरी राशि बरामद कर ली है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी छोटे अपराधों के प्रकरण दर्ज हैं। मामले में चोरी से संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण कायम कर कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित परिवार को राहत मिली है।

इंदौर में हुई हालिया घटना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले में नल-जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की सतत निगरानी तथा जलजनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

कलेक्टर श्री मीना ने जिले के समस्त नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्रियों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया है कि सतही जल स्त्रोतों पर आधारित नल-जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत संचालित जल शोधन संयंत्रों पर स्थापित जल परीक्षण प्रयोगशालाओं में पेयजल की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण कराया जाए। परीक्षण से प्राप्त परिणामों का विधिवत संधारण सुनिश्चित किया जाए तथा यदि कहीं भी जल की गुणवत्ता प्रभावित पाई जाती है तो उसके सुधार हेतु तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की जाए।

इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि ग्रामीण अंचलों में भी स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर मीणाल मीना ने निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित अधिकारी एवं विभाग द्वारा की गई समस्त कार्यवाही तत्काल पूर्ण कर उसकी जानकारी अविलंब प्रस्तुत की जाए। साथ ही प्रति सप्ताह आयोजित होने वाली साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में भी की गई कार्यवाही से अवगत कराना अनिवार्य होगा।

# इंदौर की घटना के बाद बालाघाट में एहतियात, वारासिवनी, लांजी, कटंगी में पेयजल की जांच शुरू, सैम्पल भेजे गये

## पेयजल और बीमारियों की रोकथाम, गुणवत्ता सुनिश्चित करने कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।**

इंदौर में हाल ही में हुई घटना को दृष्टिगत रखते हुए बालाघाट जिले में भी एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं। शासन एवं कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की गई। इसी क्रम में 03 जनवरी को नगर पालिका वारासिवनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वार्ड क्रमांक 01, 03, 11, 12 एवं 14 में घर-घर जाकर प्रदाय किए जा रहे पेयजल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल लेकर परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा संदेह की स्थिति में तत्काल नगर पालिका अथवा संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।

### लांजी में भी पेयजल की गुणवत्ता जांच के लिए सैंपल एकत्र

नगर पालिका परिषद लांजी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर शाहने ने जानकारी दी कि दिनांक 03 जनवरी 2026 को नगर परिषद लांजी अंतर्गत विभिन्न वार्डों में स्थित जल स्त्रोतों से पेयजल की गुणवत्ता की जांच हेतु सैंपल एकत्र किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 07 ढिमर मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 10 लोधी मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 13 लक्ष्मीकांता रोड एवं वार्ड क्रमांक 14 प्राथमिक शाला निमटोला के पास स्थित ट्यूबवेल पंप हाउस से पेयजल के सैंपल बैक्टीरियोलॉजिकल जांच के लिए लिए गए हैं। सभी सैंपल लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग लांजी को परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद द्वारा नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सतत निगरानी एवं आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

### मलाजखंड क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था पाई गई संतोषजनक

प्रदेश शासन एवं कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में नगरपालिका परिषद मलाजखंड द्वारा क्षेत्र में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 03 जनवरी को जल स्त्रोतों के निरीक्षण एवं जांच की कार्यवाही की गई। इसके अंतर्गत नगरपालिका परिषद मलाजखंड क्षेत्र में पेयजल गुणवत्ता से संबंधित मैदानी सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान जल आपूर्ति बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए पानी की स्वच्छता एवं उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच में पाया गया कि क्षेत्र में जल आपूर्ति की स्थिति गुणवत्तापूर्ण है। पाइपलाइन के माध्यम से की जा रही जल आपूर्ति, नल एवं जल संयोजन सही अवस्था में पाए गए। पानी साफ, पारदर्शी एवं बिना किसी दुर्गंध के पाया गया। नगरपालिका कर्मचारियों द्वारा सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद भी किया गया। पुरुषों एवं बुजुर्ग नागरिकों से चर्चा में नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल प्राप्त हो रहा है, पानी पीने योग्य है तथा पानी से संबंधित किसी प्रकार की समस्या नहीं है। नागरिकों ने यह भी बताया कि वे नियमित रूप से इसी पानी का उपयोग कर रहे हैं। नगरपालिका परिषद के अधिकारियों द्वारा सर्वेक्षण के उपरांत मलाजखंड क्षेत्र में पेयजल की गुणवत्ता को संतोषजनक बताया गया। वर्तमान में पानी से संबंधित कोई शिकायत या समस्या सामने नहीं आई है और जल आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी दिनेश बाघमारे ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी पेयजल की शुद्धता को लेकर किसी प्रकार की शिकायत हो, तो नागरिक तत्काल नगरपालिका परिषद मलाजखंड कार्यालय से संपर्क करें, ताकि समय पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

### कटंगी में सैंपल पीएचई विभाग को सौंपे गए

आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद कटंगी द्वारा पेयजल की गुणवत्ता जांच की कार्रवाई की गई। इसके तहत नगर पालिका परिषद कटंगी के वार्ड क्रमांक 10 मुंडीवाड़ा पंप हाउस, वार्ड नंबर 06 पटवारी मोहल्ला एवं वार्ड क्रमांक 04 अस्पताल पंप हाउस से पानी के सैंपल लिए गए। यह सैंपल पीएचई विभाग के कर्मचारी अशोक कुमार मार्को की उपस्थिति में नगर परिषद कटंगी के उपयंत्री राजेश चौकसे, जलप्रपात शाखा प्रभारी सुनील कुमार मरकाम, अन्य कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों के समक्ष पीएचई विभाग को जांच हेतु सौंपे गए। नगर पालिका परिषद द्वारा बताया गया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर परिषद द्वारा सतत निगरानी एवं आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

# जिले में अब एक माह का यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान शुरू

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के तहत यातायात विभाग द्वारा जिले में एक बार फिर एक माह का यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 1 जनवरी से पूरे जनवरी माह तक चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत यातायात पुलिस शहर सहित जिलेभर की सड़कों पर आम नागरिकों और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करेगी। बीते कुछ महीनों से जिले में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने और वाहन चालकों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार हेलमेट अभियान, दस्तावेज जांच और नियमों के पालन को लेकर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार इस बार पूरे एक महीने तक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया है, वहीं चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही वाहनों के वैध दस्तावेजों की जांच, नशे में वाहन चलाने वालों पर निगरानी, ओवरस्पीडिंग, बिना लाइसेंस वाहन चलाने और गलत साइड वाहन चलाने जैसे मामलों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी। यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पूरे जनवरी माह तक यातायात सुरक्षा अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत वाहन चालकों को नियमों की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जागरूकता के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई भी लगातार की जाएगी। अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त सड़कों, स्कूल-कॉलेज क्षेत्रों और दुर्घटना संभावित स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। यातायात पुलिस द्वारा बैनर, पंपलेट और प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यातायात पुलिस का मानना है कि इस व्यापक अभियान से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और नागरिकों में यातायात नियमों के पालन को लेकर गंभीरता बढ़ेगी। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यातायात में सहयोग दें।

# चोरी गई मोटरसाइकिल डोंगरिया के तालाब में लावारिस मिली

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेंगाटोला से 10 दिन पहले चोरी गई पैशन प्रो मोटरसाइकिल डोंगरिया पंचायत क्षेत्र में आने वाले फोरलेन के पास ग्रीन वैली स्कूल के पीछे तालाब में लावारिस हालत खड़ी पाई गई।जिसकी सूचना ग्राम पंचायत डोंगरिया के सरपंच प्रतिनिधि अंकित वारके ने वारासिवनी पुलिस को दी इसके बाद इस मोटरसाइकिल के मालिक ने मौके पर पहुंचकर मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेंगाटोला निवासी राम प्रसाद बिसेन जो खेती किसानी के अलावा दूध का धंधा भी करते हैं। 23 दिसंबर की रात्रि में रामप्रसाद बिसेन ने अपनी मोटरसाइकिल पैशन प्रो एमपी 50 एम एम 3190 अपने घर के पीछे आंगन में खड़ी कर दी थी। रात्रि में यह मोटरसाइकिल किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई । जिसकी रिपोर्ट राम प्रसाद बिसेन के द्वारा वारासिवनी पुलिस थाना में की गई थी। मोटरसाइकिल चोरी होने के बाद रामप्रसाद बिसेन ने अपनी मोटरसाइकिल को अपने स्तर पर खोजबीन की किंतु वह नहीं मिली और मोटरसाइकिल की अत्यंत आवश्यकता होने पर उन्होंने दूसरी मोटरसाइकिल खरीद ली थी।डोंगरिया पंचायत क्षेत्र में आने वाले वारासिवनी बालाघाट मेन रोड से लगे फोरलेन और ग्रीन वैली स्कूल के पीछे तालाब में पिछले

10 दिन से एक मोटरसाइकिल पैशन प्रो एमपी 50 एमएम 3190 खड़ी देखी जा रही। पिछले 10 दिन से इस मोटरसाइकिल को एक ही जगह खड़े देखा गया। 30 जनवरी को सुबह ग्राम पंचायत डोंगरिया के सरपंच प्रतिनिधि अंकित वारके मोटरसाइकिल के पास पहुंचा और उन्होंने अपने पंचायत क्षेत्र के लोगों से पूछताछ की किंतु कोई भी इस मोटरसाइकिल के संबंध में बात नहीं पा रहा था और अपनी भी नहीं बोल रहा था।यह स्थिति तो देखते हुए अंकित वारके ने वारासिवनी पुलिस को सूचना दिए।वारासिवनी पुलिस मौके पर पहुंची और नंबर सर्च करके देखा गया।मोटरसाइकिल के नंबर से यह मोटरसाइकिल रामप्रसाद बिसेन ग्राम रेंगाटोला टोला निवासी की पाई गई। सूचना मिलती ही राम प्रसाद बिसेन के बेटे मनीष बिसेन मौके पर पहुंचे और अपनी मोटरसाइकिल की पहचान की जो 23 दिसंबर की रात्रि में चोरी हो गई थी। मोटरसाइकिल में पेट्रोल नहीं था और और पेट्रोल टैंक का ढक्कन भी नहीं था। मोटरसाइकिल का कुछ भाग क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। 23 दिसंबर की रात्रि अज्ञात चोर ने इस मोटरसाइकिल की चोरी की और मोटरसाइकिल में पेट्रोल खत्म होने के बाद उसे डोंगरिया स्थित ग्रीन वैली स्कूल के पीछे फोरलेन के पास तालाब में छोड़कर भाग गया। हालांकि 3 जनवरी को सरपंच प्रतिनिधि अंकित वारके की पहल से यह मोटरसाइकिल उसके मालिक को मिल गई।

### सप्ताह भर से गाड़ी यही खड़ी थी- अंकित वारके के सरपंच प्रतिनिधि

अंकित वारके सरपंच प्रतिनिधि ने बताएं कि गाड़ी यहां पर सफ्ताह भर से खड़ी थी। कोई लेने नहीं आया ।आज डायल 112 को फोन करके बुलाये, उन्होंने गाड़ी का नंबर सर्च करके देखें यह गाड़ी रामप्रसाद बिसेन रेंगाटोला निवासी के नाम से थी। फिर रेंगाटोला में अपने कुछ पहचान वालों को फोन करके रामप्रसाद बिसेन के घर सूचना दिये थे।

### 23 दिसंबर की रात्रि गाड़ी चोरी हुई थी- मनीष बिसेन

मनीष बिसेन रेंगाटोला निवासी ने बताये की 23 दिसंबर के रात्रि गाड़ी आंगन में खड़ी थी जिसे चोरी कर लिया गया था। जिसकी रिपोर्ट वारासिवनी पुलिस थाना में की गई थी। आज किसी भैया ने चाचा को फोन करके बताएं की गाड़ी यहां पर खड़ी है। आकर देखे गाड़ी हमारी निकली।

# नेमा समाज का पारिवारिक मिलन समारोह आज

### गीत, संगीत, नृत्य, विघार्थियों का सम्मान सहित विभिन्न कार्यक्रमो के होंगे आयोजन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 4 जनवरी दिन रविवार को नेमा समाज का पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन भटेरा रोड़ स्थित एक लान में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया है। जिसमे नेमा समाज बालाघाट के वारासिवनी, कटंगी, मलाजखंड, बैहर, लालबर्रा आदि स्थानों में रह रहे नेमा सामाजिक बंधुओ को आमंत्रित किया गया है। इस नेमा मिलन पारिवारिक समारोह में विभिन्न संस्कृति कार्यक्रम गीत संगीत बच्चो के खेलकूद नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिता के आयोजन किए जाएंगे तो वही महिलाओ के कार्यक्रमो के साथ साथ जिन बच्चो ने कक्षा 10 वी 12 वी में 75प्रतिशत सर्वोच्च अंक प्राप्त किया है या किसी प्रतियोगिता में उपलब्धि हासिल किये है उन्हें पुरस्कार प्रदान किया जावेगा।उक्त कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील नेमा समाज बालाघाट वरिष्ठ पदाधिकारी विनोद नेमा, हरिप्रसाद नेमा, पंकज नेमा, सुनील नेमा, अशोक नेमा, दिनेश नेमा, मनीष नेमा पार्षद, सतीश शंकर लाल नेमा, विजय गुप्ता, अर्चित नेमा, अरुण नेमा संदीप नेमा, आलोक नेमा, और अंकित नेमा सहित अन्य ने की है। उक्त जानकारी नेमा समाज वरिष्ठ पदाधिकारी दिनेश नेमा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

# सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 04 जनवरी को प्रात: 10 बजे अपने निवास पर आमजन से भेंट करेंगी और प्रात: 10.30 बजे हाकी मैदान बालाघाट में महिला हाकी टूर्नामेंट के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी प्रात: 11 बजे जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगी और दोपहर 01 बजे बालाघाट से सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी सिवनी में दोपहर 03 बजे मिशन ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय सेविका समिति के कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके पश्चात वे शाम 04 बजे सिवनी से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी और शाम 06 बजे बालाघाट से गोंदिया के लिए रवाना होंगी तथा वहां से ट्रेन द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

# माता सावित्रीबाई फूले के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है - झामसिंह

## देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फूले की हर्षोल्लास के साथ मनाई गई 195 वीं जयंती

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।**

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा के तत्वाधान में 3 जनवरी को नारी शिक्षा के लिए संघर्ष करने वाली भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले की 195 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर के मुख्य आतिथ्य, ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माते की अध्यक्षता सहित अन्य पदाधिकारियों की विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम सभी स्वजातीय बंधु हाई स्कूल मार्ग स्थित महात्मा ज्योतिबाराव फूले प्रतिभा चौक पहुंचे जहां सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबाराव फूले की प्रतिमा एवं माता सावित्रीबाई फूले के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। जिसके बाद सभी लोग मानपुर स्थित लॉन पहुंचे जहां मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जहां सभी उपस्थितजनों ने महात्मा ज्योतिबाराव फूले, माता सावित्रीबाई फूले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया एवं उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज व देशहित में काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महिलाओं ने माता सावित्रीबाई फूले के जीवनगाथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब महिलाएं भी शिक्षित बनकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है और माता सावित्रीबाई फूले देश की प्रथम शिक्षिका है जिन्होने देश में शिक्षा की अलख जगाई है। जिस तरह से हम लोग अपने बच्चों एवं बड़ों के जन्मदिन को बड़े आयोजन कर धूमधाम से मनाते है। उसी तरह शिक्षा की अलख जगाने वाली माता सावित्रीबाई फूले की जयंती पर भी सभी अपने-अपने घरों पर केक काटकर उनकी जन्मजयंती मनाकर परिवारजनों एवं बच्चों को ऐसे महापुरूषों के बारे में बताना चाहिए कि उन्होने समाज व देशहित में किस तरह से काम किये है ताकि वे भी महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलकर समाज विकास एवं देशहित में बेहतर काम कर सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने माता सावित्रीबाई फूले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माता सावित्रीबाई फूले का जीवन संघर्षों के साथ बिता है एवं महिलाओं को उस समय पढ़ने का अधिकार नही था फिर भी महात्मा ज्योतिबाराव फूले के कहने पर उन्होने पढ़ाई की और एक कन्या विद्यालय खोला गया। जब वह स्कूल जाती थी तो उन्हे बहुत प्रताड़ित करने के साथ ही अपमानित भी किया जाता था बावजूद उसके उन्होने हिम्मत नही हारी एवं निडर होकर समस्या का सामना करते हुए पढ़ाई की जो देश की प्रथम शिक्षिका बनी। इस तरह उन्होने देश में शिक्षा की अलख जगाई है इसलिए हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज एवं देशहित में काम करना चाहिए। चर्चा में जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर ने बताया कि ब्लॉक मरार माली समाज के तत्वाधान में देश की प्रथम शिक्षिका माता सावित्रीबाई फूले की 195 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई और इस अवसर पर सभी ने यह संकल्प लिया है कि माता सावित्रीबाई फूले ने जो महिला शिक्षा की अलख जगाई है उसे जन-जन तक पहुंचना है और अधिक से अधिक लोगों को शिक्षित करके समाज को आगे बढ़ाना है। मरार माली समाज ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश माते ने बताया कि 3 जनवरी को शिक्षा की अलख जाने वाली माता सावित्रीबाई फुले की 195 वीं जयंती मनाई गई है और सभी को उनके बताये मार्ग पर चलकर अपने-अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने की बात कही गई है क्योंकि माता सावित्रीबाई फूले ने इस देश में शिक्षा की क्रांति लाकर शिक्षा का प्रकाश जलाई और देश की प्रथम शिक्षिका बनी है इसलिए हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर मरार माली समाज लालबर्रा पूर्व ब्लाक अध्यक्ष ओपी बाहेश्वर, जिला प्रतिनिधि श्रीमती सरिता माते, धनीराम खैरवार, नेवरगांव ला सरपंच संतोष पंचेश्वर, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर, रमपुरी नवनिर्वाचित सरपंच श्यामलाल मानेश्वर, सुभाष पंचेश्वर, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती ज्ञानेश्वरी भाऊराम गाडेश्वर, सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर, शिवचरण माते, भाऊराम गाड़ेश्वर, मदन माने, रजलाल मानेश्वर, श्यामलाल पंचेश्वर, दिलीप कावरे, लक्ष्मी पंचेश्वर, श्रीराम नागेश्वर, राजेन्द्र पंचेश्वर, दिनेश मरार, मुकेश देशमुख, अखिलेश देशमुख सहित ग्राम अध्यक्ष, सचिव सहित स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# 9 जनवरी तक किसान उपज विक्रय करने के लिए करवा ले स्लॉट बुक - लिल्हारे

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक, जाम प्रबंधक डीके लिल्हारे ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि सेवा सहकारी समिति एवं मार्केटिंग सोसायटी के माध्यम से गत 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य में धान खरीदी

शुरू हुई है और 20 जनवरी तक खरीदी की जायेगी। राज्य शासन के द्वारा धान उपार्जन नीति के तहत समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रक्रिया को लेकर दिशा-निर्देश जारी किये गये है। इसी निर्देश के परिपालन में उपज विक्रय करने के लिए स्लॉट बुक 9 जनवरी तक किया जाना है इसलिए किसानों से अपील है कि वे 9 जनवरी के पूर्व समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने हेतु स्लॉट बुक करवा ले।

श्री लिल्हारे ने बताया कि जिले के किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने और विक्रय प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिए यह समय सीमा निर्धारित की गई है और किसान अंतिम तिथि का इंतजार किये बिना जल्द से जल्द अपना स्लॉट बुक सुनिश्चित कर ले ताकि समर्थन मूल्य में अपनी उपज विक्रय कर सके। आगे बताया कि किसानों द्वारा बुक किये गये स्लॉट बुक की वैधता अवधि 7 दिवस की होगी। यानि की स्लॉट बुकिंग के बाद किसान को दिये गये समय के अंदर उपार्जन केन्द्र पर अपनी उपज पहुंचानी होगी। शासन की मानक प्रक्रिया के तहत, उपार्जन के अंतिम 10 दिनों को छोड़कर ही स्लॉट बुक किये जा सकेंगे, ताकि केंद्रों पर अत्यधिक भीड़ की स्थिति निर्मित न हो सके। श्री लिल्हारे ने बताया कि यदि किसी किसान भाई को स्लॉट बुकिंग करने में तकनीकी समस्या या किसी अन्य प्रकार की कठिनाई आ रही है, तो वे तत्काल समाधान के लिए खाद्य विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। शासन का मुख्य उद्देश्य यह है कि किसी भी किसान को अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में कोई परेशानी न हो इसलिए सभी किसान समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने के लिए 9 जनवरी के पूर्व स्लॉट बुक करवा ले।

# मुरझड़ में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 10 से

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत मुरझड़ स्थित पट मैदान में क्रिकेट स्टार 11 के तत्वाधान में आगामी 10 जनवरी से 21 हजार रूपये ईनामी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी से मुरझड़ के पट मैदान में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रथम पुरस्कार 21000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 11000 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 1100 रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त प्रतियोगिता सरपंच भोजलाल लिल्हारे की अध्यक्षता एवं पत्रकार कमलेश बंजारी, मोहसिन खान, पूनम राउत, राजू पंचेश्र, ईश्वरीप्रसाद नगपुरे, नंदकिशोर डेहरे, रामेश्वर डेहरे, तुलाराम लिल्हारे ( लोधी अध्यक्ष), डीजनलाल दशरिये (सचिव), मनोज वाहने (सहायक सचिव), प्रेमलाल बिरनवार, दशरथ नगपुरे, ओमकार बिरनवार, नंदकिशोर नगपुरे, शिवप्रसाद अटरे, विवेक सिहोरे, दीपक बिरनवार, महेन्द्र दशरिये, दशरिये, महाजन बसेने, ओमकार सिहोरे, प्रताप पंचेश्वर, दौलत सिहोरे, मानसिंह पंचे, रामचंद्र सिहोरे, विष्णु नगपुरे, रामकिशोर पंचेश्वर, प्रेमलाल नगपुरे, नंदकिशोर अटरे, बुन्नू बिरनवार, दीपक नगपुरे, कृष्णा घोटीकर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर जिलेभर के क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष, सरपंच भोजलाल लिल्हारे, उपाध्यक्ष रामेश्वर बिरनवार, कार्यकारिणी अध्यक्ष ललित डेहरे, आकाश अटरे, धीरत लिल्हारे, तुषार डेहरे, आयुष बिरनवार, सतीष नगपुरे, कृष्णा बिरनवार, अंकुश नगपुरे, स्वराज दशरिये, राजेन्द्र नगपुरे, विनय सिहोरे, निकेत बिरनवार, सुमित पिछोड़े, ब्रजेश बसेने, गजेन्द्र बिरनवार, दुर्गा मोहारे, अमित बहेटवार, आकाश घोटीकर, प्रमोद बहेटवार, पियुष बिरनवार, राजा बिरनवार, अंकुश सिहोरे, अरविंद अटरे, आदर्श बसेने, सागर पंचेश्वर, पंकज लिल्हारे, आर्यन नगपुरे, सांईराम सिहोरे, प्रभात बसेने, दिपेश नगपुरे, मिथलेश बसेने, सोमेश चौधरी, कशोरी मुंजारे, विनोद बिरनवार, ललित कुतराहे, राहुल दशरिये, विशाल धामड़े, शैलेष बिरनवार, सतीष बहेटवार, अरविंद दांदरे, सौरभ अटरे सहित ग्रामीणजनों ने की है।

# ददिया वैनगंगा क्लब ने फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता का जीता खिताब

## आमाटोला ददिया में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया अन्तर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला में नववर्ष के शुभ अवसर पर 1 जनवरी से जारी दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का 2 जनवरी को फाइनल खेल के साथ समारोहपूर्वक समापन किया गया। आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिले सहित अन्य जिलों की 25 टीमों ने भाग लेकर अपने खेल का जौहर दिखाये एवं शाम में फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें वैनगंगा क्लब बी ददिया एवं युटूबर नवीन जोन आमाटोला ददिया के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें वैनगंगा क्लब ददिया के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। जिन्हे अतिथियों के हस्ते प्रथम पुरस्कार 10,001 रूपये प्रदान किये। इसी तरह उपविजेता टीम युटूबर नवीन जोन आमाटोला ददिया को द्वितीय पुरस्कार 6001 रूपये एवं वैनगंगा क्लब ए ददिया को तृतीय पुरस्कार 4001 रूपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम आमाटोला में नववर्ष के आगमन पर दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता के साथ ही 2 जनवरी को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया और आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में बालाघाट सहित अन्य जिलों की कबड्डी टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

किया है, विजेता, उपविजेता सहित अन्य टीम के खिलाड़ी को शुभकामनाएं दी। साथ ही आगे कहा कि जो टीम हार चुकी है उन्हे निराश होने की आवश्यकता नही है क्योंकि खेल में एक टीम को हार का सामना करना ही पड़ता है और हार के बाद ही जीत है इसलिए वे कोशिश करें कि उनसे कहा गलती हुई है। उसमें सुधार कर प्रयास करते रहे सफलता अवश्य मिलेगी और अन्य स्थानों पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम का नाम रौशन करें। चर्चा में आयोजन समिति अध्यक्ष लकेश पंचेश्वर ने बताया कि नववर्ष के आगमन पर दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें 25 टीमों ने भाग लेकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है एवं फाइनल कबड्डी का खिताब ददिया की टीम ने जीतकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। इस तरह विजेता, उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 2 जनवरी को दिन-रात के मेले का भी आयोजन किया गया था जिसमें ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया। जिसमें नारवांजपार वारासिवनी की गायिका श्रीमती अनुपमा नागेश्वर एवं गर्राटोला रामपायली की गायिका श्रीमती भामिनी शेंडे अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर शायरी की प्रस्तुती दी और क्षेत्रीयजनों ने रातभर लुप्त उठाये। इस अवसर पर मंडई मेला समिति आमाटोला ददिया अध्यक्ष लकेश पंचेश्वर, उपाध्यक्ष डुलीचंद मरठे, कोषाध्यक्ष पंकज पंचेश्वर, अरूण पंचेश्वर, संदीप पंचेश्वर, खिलेंद्र पंचेश्वर, गोपाल बरले, आदित्य आचरे, बालकृष्ण कावरे, प्रदीप बिसेन, कमलेश कावडे, रामप्रसाद मोरध्वरे, शिवा मरठे, सतीष नागेश्वर, निर्मल कुर्वे, देवेंद्र पंचेश्वर, सुभाष पंचेश्वर, आसाराम पंचेश्वर, जगदीश पंचेश्वर, जगदीश कावरे, राजू पंचेश्वर सहित ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

# सरकार पर वादा खिलाफी का लगाया आरोप, 3100 रूपये समर्थन मूल्य देने की मांग की

## आप का लालबर्रा, बकोडा धान खरीदी केंद्र में किसान हक अधिकार आंदोलन कार्यक्रम संपन्न

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** प्रदेश सरकार के द्वारा चुनाव में किये गये वादे को पूरा नही किये जाने से किसानों में आक्रोश व्याप्त है और किसान गर्जना संगठन के द्वारा भाजपा सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए गत दिवस बकोड़ा एवं लालबर्रा धान खरीदी केन्द्र में किसान हक अधिकार आंदोलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने दोनों धान खरीदी केन्द्र में उपज विक्रय करने पहुंचे किसानों को सरकार की वादाखिलाफी के बारे में बताते हुए अपने हक के लिए 2022 से लेकर वर्तमान समय 2025-26 में की जा रही खरीदी यानि 4 वर्ष का बकाया राशि सरकार से दिये जाने की मांग को लेकर एक फार्म भी भरवाया गया है। ताकि सरकार से समर्थन मूल्य की शेष राशि की मांग कर किसानों को दिलवाया जा सके। वहीं किसान हक अधिकार आंदोलन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद कृषि उपज मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपकर धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल दिये जाने सहित चुनाव में किसानों के हित में किये गये सभी वादों को पूरा किये जाने की मांग सरकार से की है। चर्चा में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि बालाघाट जिला धान उत्पादक जिला है और मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशभर के किसानों से वादा किया था कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी तो धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये दिया जायेगा और सरकार बनने के बाद शिवराजसिंह चौहान केन्द्रीय कृषि मंत्री बन गये है और म.प्र. के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव है लेकिन वे अपने वादे से मुकर चुके है और 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी शुरू नही की गई है जिससे किसान

परेशान है। इस तरह से सरकार ने किसानों के साथ वादाखिलाफी की है जिसके विरोध में किसान गर्जना संगठन के द्वारा खरीदी केन्द्रों में पहुंचकर किसान हक अधिकार आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में गत दिवस लालबर्रा एवं बकोड़ा धान खरीदी केन्द्र में किसान हक अधिकार आंदोलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही सरकार की घोषणानुसार 3100 रूपये धान का समर्थन मूल्य मिलना चाहिए किसानों को लेकिन 2369 रूपये प्रति क्विं. की दर पर धान खरीदी की जा रही है। जिससे किसानों को प्रति क्विं. 731 रूपये का नुकसान हो रहा है इसलिए शेष 731 रूपये की राशि सरकार से दिलवाने के लिए फार्म भरवाकर सरकार तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य 2024 रूपये प्रति क्विंटल था। जिसकी शेष राशि 1060 रूपये, इसी तरह वर्ष 2023-24 में 2183 रूपये समर्थन मूल्य था, शेष 917 रूपये, वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य 2300 रूपये था, शेष 800 रूपये, वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य 2369 रूपये है एवं शेष राशि 731 रूपये की राशि किसानों को मिलना चाहिए इसलिए सरकार से मांग है उक्त शेष राशि किसानों को दे नही तो आगामी समय में किसानों के साथ मिलकर विशाल आंदोलन किया जायेगा। आगे बताया कि धान खरीदी में यह भिन्नता बालाघाट सहित मध्यप्रदेश के किसानों के साथ घोर अन्याय और शोषण है, किसानों को विद्युत की आपूर्ति का समय और उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगाने की बाध्यता और उससे बड़े बिलों के भुगतान से जनता का शोषण व अन्याय हो रहा है। सरकार से मांग है कि चुनाव में किये गये वादे को पूरा करें किसान हित में। इस अवसर पर किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारी शिव जायसवाल, रजनीश नायडु, अनिल ब्रम्हे, रामचंद्र सिहोरे, फिरोज नियाजी, विनोद पारधी, अरूण लानगे, आरिफ अली सहित अन्य कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसानगण उपस्थित रहे।

# छोटा टोला कायदी में पर्याप्त पानी नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान

## ग्रामीणों ने हैंडपम्प का खनन करवाने की मांग

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।**

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के वैष्णो देवी मंदिर के सामने स्थित छोटा टोला में पानी की समस्या बनी हुई है। जहां लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है तो वही हैंडपंप भी खराब स्थिति में पड़े हुए हैं। जिसको लेकर अनेकों बार शिकायत ग्रामीणों के द्वारा की जा चुकी है परंतु वर्तमान तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है। ऐसे में ग्रामीणों को निस्तार के पानी की सबसे ज्यादा समस्या बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी से बालाघाट मार्ग पर स्थित वैष्णो देवी पहाड़ी के सामने छोटा टोला स्थित है। जो ग्राम पंचायत कायदी के अंतर्गत आता है जहां पर नल जल योजना के माध्यम से पानी का वितरण किया जाता है। यह योजना बनियाटोला में बनी हुई है जिससे इसे जोड़ा गया है। ग्राम में २५ मिनट अधिकतम नल जल योजना से पानी का वितरण किया जाता है जिसमें फोर्स ना होने के कारण बहुत धीमी गति से पानी लोगों को प्राप्त होता है। यह पानी पीने लायक ही पर्याप्त हो पाता है इसके अलावा ग्रामीणों को निस्तार के उपयोग के दूसरे स्रोत से पानी लाना पड़ता है। परंतु मकान के समीप वाला हैंडपंप जंग युक्त पानी उगल रहा है जो निस्तार के उपयोग के लायक भी नहीं लग रहा है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा विभाग से ट्यूबवेल की खुदाई कर हैंडपंप लगाने की मांग की जा रही है ताकि उन्हें अच्छा पानी २४ घंटे प्राप्त हो सके। हालांकि मौके पर घर के पास एक हैंडपंप स्थित है जहां शिकायत पर बरसात के पहले सुधार किया गया था । परंतु उसके बाद जंग युक्त पानी को रोकने के लिए पाइप बदलने की जगह हैंडपंप का डंडा बदलकर इतिश्री कर दी गई है। ऐसे में ग्रामीणों को नल जल योजना के माध्यम से पीने का पानी मिल रहा है और निस्तार के लिए उन्हें जंग युक्त पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के द्वारा विभाग से हैंडपंप की मरम्मत करने या नया हैंडपंप लगाने की मांग की गई है।

### नल जल योजना से नही मिल रहा पर्याप्त पानी ग्रामीणों में आक्रोश है-शिवप्रसाद

ग्रामीण शिवप्रसाद मर्सकोले ने बताया कि हमारे ग्राम में नल जल योजना है परंतु इस योजना के माध्यम से २० मिनट ही पानी दिया जाता है। निस्तार के लिए हमें हैंडपंप पर जाना पड़ता है उसके पाइप खराब है जिसका सुधार नहीं हुआ है। शिकायत भी करो तो खुद जाकर पाइप लाना पड़ता है बरसात के पहले हैंडपंप का सुधार किया गया था। फिर अभी आए थे तो डंडा बदले थे अब खोलने के बाद ही पता चलेगा की पाइप कितने खराब है।

### निस्तार के पानी लिए हैंडपंप लगाना अति आवश्यक है- दिलीप

ग्रामीण दिलीप गजबीर ने बताया कि नल जल योजना से पानी तो मिल रहा है परंतु फोर्स बहुत कम होने से दिक्कत है। यह जो क्षेत्र है वह ऊंचा है यहां पर एक हैंडपंप है वह लाल पानी निकलता है जो पीना तो दूर दूसरे उपयोग के लिए भी लायक नहीं है। नल जल योजना से पीने का पानी मिल जाता है किंतु निस्तार की समस्या होती है। हम चाहते हैं कि यहां पर एक नलकूप का खनन हो और हैंडपंप लगाया जाए ताकि पानी सभी को पर्याप्त मिले। अभी दूसरे उपयोग के लिए पानी की समस्या बनी हुई है २५ मिनट पानी नल जल योजना से मिलता हैं। निस्तार के पानी की जो समस्या है उसके लिए हैंडपंप लगाना चाहिए।

# आईटीबीटी के सैनिक अनिकेत का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किया सम्मान

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम वारा के गोंडी टोला निवासी अनिकेत कुमरे के भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल की ट्रेनिंग पुरी करके ग्राम में पहुंचा। तमिलनाडु में ४४ सत्ताह के प्रशिक्षण के बाद ज्वाइनिंग के पूर्व वारा ग्राम पहुंचने पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भी दुर्गम बर्फीली चोटियो पर देश की सीमाओं की रक्षा करने के जज्बे वाले अनिकेत कुमरे का शाल श्रीफल से सम्मान किया। इन पलो में परिवारजनो में दादी श्रीमती गेंदा बाई, कलाबाई, किरण

कुमरे, रानू कुमरे की आंखे भी खुंशियों के भाव से डबडबा गयी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की बधाई हो सैनिक, देश की सेवा का आपका यह सफर गौरवशाली है। यह सफलता आपकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का नतीजा है। आप एक सैनिक ही नही बल्कि एक नायक बनने की राह पर हो, आपकी यह यात्रा अभी शुरू हुयी है। सैनिक अनिकेत कुमरे ने कहा की यह उनकी मेहनत का परिणाम है की आज सफलता उन्हे मिली है। इसके पीछे उनके कोच धर्मेन्द्र चंदने का भी बराबर का योगदान है। आगे उनका लक्ष्य रहेगा की ग्राम के अन्य युवा भी मेहनत करके इसी तरह की सफलता को प्राप्त कर सके। इस दौरान सुनील उइके,संतोष दमाहे, सुशील कुमरे,अजय सरोंदे,राज कोल्हटकर,सागर चौधरी, रवि चौधरी, अतुल उरकुडे उपस्थित रहे।

# मरार माली समाज ने माता सावित्रीबाई फुले की मनाई जयंती

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** नगर के महात्मा ज्योतिबा राव फुले चौक पर मरार माली समाज के द्वारा माता सावित्रीबाई फुले की जयंती कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया गया। जिसमें माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात महात्मा ज्योतिबा राव फुले की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा माता सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किए गए स्मरणीय कार्य का स्मरण कर उसका बखान किया गया। वहीं उनके संघर्षों को याद कर समाज में जागरूकता लाने शिक्षा के लिए प्रेरित करने का कार्य किया गया। समाज अध्यक्ष अशोक मरार ने बताया की माता सावित्रीबाई फुले की जयंती प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मनाई जा रही है। इसके माध्यम से समाज को संदेश दिया जा रहा है कि राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले ने जो कार्य की और उनका जो संघर्ष रहा है वह राष्ट्र के दलित शोषण वर्ग एवं महिलाओं के लिए रहा है। जिन्हें शिक्षा का अधिकार नहीं था उन्हें शिक्षा देने का काम किया गया है ,स्कूल खोलें जबकि वह कठिन परिस्थिति थी ।लोग इन्हें धर्म विरोधी बोलकर कीचड़ कंकर से अपमानित करते थे। परंतु उन्होंने शिक्षा देना बंद नहीं किया ऐसे ही समाज को भी जागरूक होकर शिक्षा में आगे बढ़ना चाहिए। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने बताया कि माता सावित्रीबाई फुले का कड़ा संघर्ष रहा है जिसका कारण है कि आज महिलाओं को शिक्षा का अधिकार है। उनके द्वारा उस समय महिला शिक्षा के लिए आवाज बुलंद की गई थी जब यह अपराध माना जाता था फूलें दंपति तत्कालीन समाज व्यवस्था का घोर विरोध करते हुए समता मूलक समाज बनाने के लिए तथा समता स्वतंत्रता बंधुत्व और न्याय पर आधारित समाज निर्माण करने के लिए आंदोलन करते रहे। जिन्होंने अपना पूरा जीवन शोषित पीड़ित समाज को आगे बढ़ाने उनके उत्थान करने के लिए समर्पित कर दिया। ऐसी राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले की जयंती मना कर उन्हें याद किया गया है और समाज को उनके संदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है। इस अवसर पर अशोक मरार ,राजकुमार चौधरी ,नन्दलाल तामेश्वर,लोकेश नागफासे ,कन्हैयालाल खैरवार, बिहारीलाल जमरे , रेवाराम पंचेश्वर ,बी पी पंचेश्वर, योगेंद्र मात्रे ,मनोज दांदरे सहित अन्य स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

# नगर पालिका ने एकत्रित किये पानी का सैंपल

## नल जल के पानी को लेकर वार्डवासियों से की गई चर्चा

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा ३ जनवरी को नगर के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर पानी का सैंपल लिया गया। तो वही वार्ड वासियों से पानी के विषय में चर्चा भी की गई। यह कार्यवाही नगर पालिका परिषद के द्वारा इंदौर मामले के बाद शासन के निर्देश और स्व जागरूकता से की गयी। विदित हो की इंदौर में हाल ही में गंदे पानी की वजह से हुई मौतों का मामला काफी गंभीर हो गया है। देश के सबसे स्वच्छ शहर माने जाने वाले इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से अब तक कुछ लोगों की जान जा चुकी है। तो वहीं कई लोग संक्रमित है यह मामला सामने आने के बाद शासन के द्वारा पानी की जांच के निर्देश दिए गए। जिसके तहत नगर के सभी १५ वार्डों में जल प्रदाय शाखा के द्वारा पानी वितरण के दौरान सुबह के पानी का सैंपल विभिन्न स्थानों से लिया गया। तो वहीं दोपहर में पुन: लोगों के मकान में पीने के लिए रखे हुए पानी का भी सैंपल घरों में जाकर लिया गया। वहीं उपस्थित वार्ड वासियों से नल जल योजना के द्वारा मिल रहे पानी की गुणवत्ता और स्वाद के संबंध में चर्चा की गई। जिसमें सभी के द्वारा उसे बेहतर और पूर्व जैसा ही बताया गया जिसमें सभी जगह से लिए पानी के सैंपल की जांच करवाने के लिए लैब भेजने की तैयारी नगर पालिका के द्वारा की जा रही है। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके ,नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे ,पार्षद धरमु जोशी ,जलप्रदाय प्रभारी सुरेंद्र लड़कर सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

### आम इंसानों से मिलकर पानी के सैंपल भी लिए हैं किसी के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ ना हो-मनोज

मनोज दांदरे ने बताया कि शासन एवं नगर पालिका बीच बीच में जो पानी की टंकी से पानी का वितरण किया जाता है। उस टंकी का निरीक्षण भी करते हैं और आम इंसानों से मिलकर पानी के सैंपल भी लिए जाते हैं कि किसी के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ ना हो। यह सभी सैंपल लैब भेजे जायेंगे और इसी के लिए नगर के सभी १५ वार्डो का भ्रमण कर सैंपल लिए जा रहे हैं। अभी तक कहीं शिकायत तो मिली नहीं है पर लैब टेस्ट करवाना जरूरी है और बीच बीच में वार्डों का निरीक्षण भी हो जाता है। वैसे भी वारासिवनी की नल जल योजना बहुत ठीक है यही कारण है कि कहीं कोई शिकायत नहीं है।

### इंदौर घटना को दृष्टिगत रखते हुए पानी के सैंपल लिये जा रहे है-सीएमओ

सीएमओ सूर्य प्रकाश उके ने बताया कि शासन और जिला कलेक्टर के द्वारा मिले निर्देश पर सभी वार्डों में जाकर नगर पालिका की पानी टंकी से वितरण किए जाने वाले पानी का परीक्षण करने के लिए सैंपल लिए जा रहे हैं। इंदौर घटना को दृष्टिगत रखते हुए यह कार्य किया जा रहा है पानी के सैंपल लेने के साथ वार्ड वासियों से चर्चा भी किया हैं। पानी का रंग स्वाद और पानी की मिठास ठीक होना बताया जा रहा है।

# ग्राम बोथवा में राधा कृष्ण मंदिर का स्थापना दिवस मनाया गया

## विधायक गौरव पारधी ने पूजन-अर्चन कर लिया आशीर्वाद

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** ग्राम बोथवा स्थित राधा कृष्ण मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भगवान श्री राधा कृष्ण का स्थापना दिवस श्रद्धा और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अखंड रामायण पाठ, दही काला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं रात्रि में भजन संध्या आयोजित कर भक्तिमय वातावरण बनाया गया। आयोजन में विधायक गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने मंदिर में भगवान श्री राधा कृष्ण के दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा आयोजित दही काला कार्यक्रम में सहभागिता कर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों और श्रद्धालुओं के सुखए शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि दही काला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भगवान के प्रति गहरी श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। जहां भी दही काला का आयोजन होता है वहां भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य उपस्थिति मानी जाती है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। इस दौरान ग्राम की सरपंच श्रीमती दीप्ति पराग ठाकुर, जनभागीदारी अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, उपसरपंच शारदेश्वर शिव, कामनसिंह ठाकुर, रामप्रसाद चौधरी, प्रवीण आगाशे, नंदकिशोर ठाकरे, सुनील कोरमोरे, लखन लांजेवार सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

### ११ ग्रामों से पदयात्रा निकलकर पहुंचेगी रामपायली : श्रीराम बालाजी ग्राम मंगल पदयात्रा आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपायली श्रीराम बालाजी मंदिर में ४ जनवरी को भव्य धार्मिक कार्यक्रम रखा गया है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रामपायली के श्री राम बालाजी ग्राम मंगल पदयात्रा के ११ वें वर्ष का आयोजन किया गया है। जिसमें वारासिवनी ,खैरलांजी ,कटंगी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र से ग्राम मंगल पदयात्रा निकाली जाएगी। जिसमें इस वर्ष ११ स्थानो से यह यात्रा प्रारंभ होगी जो करीब आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण करते हुए रामपायली श्री राम बालाजी मंदिर पहुंचेगी। यह सभी पदयात्रा प्रात: ७ बजे पूर्व निर्धारित स्थान से प्रारंभ की जाएगी। इसमें कटंगी ,जरामोहगांव,वारासिवनी, लिंगमारा, घोटी, आरंभा, भेंडारा, खैरलाँजी, हथोड़ा, सावरी, रमरमा, महकेपार, लालबर्रा से यह पदयात्रा रामपायली पहुंचेगी। जहां विराट सामूहिक आरती मनभावन झांकियां की प्रस्तुति दी जाएगी ।वहीं १०८ गौ माता का सामूहिक पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अधिक संख्या में पदयात्रा में भाग लेकर रामपायली कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील श्रीराम बालाजी ग्राम मंगल पदयात्रा आयोजन समिति ने की है।

# नाबालिक से दुराचार करने वाला आरोपी गिरफ्तार न्यायालय ने भेजा जेल

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत १२ वर्ष ४ माह की नाबालिक का अपहरण कर बलात्कार करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें पुलिस ने आरोपी समीर राहगंडाले को गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया गया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार १२ वर्ष ४ माह की नाबालिक अपने किसी कार्य में व्यस्त थी तभी बकेरा निवासी समीर उर्फ बंटी पिता बाबूलाल राहगंडाले के द्वारा उसका अपहरण कर बलात्कार करने के उपरांत घटना के बारे में किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया। इसके बाद नाबालिक ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी तो नाबालिक के साथ परिजनों ने रामपायली थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा ६४ (१), ६५ (१),३५१ (१), ३५१ (३),१३७ (२) पक्सो एक्ट की धारा ३ ४ २, ५ एन ६ के तहत अपराध दर्ज कर समीर राहगंडाले को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

अपना लहू यतीम था कोई रंग न ला सका
मुंसिफ सभी खामोश थे उज्र-ए-जफा के सामने - खलीफ तनवीर

राजरंग

**नफासत भरी उर्दू के साथ शुरुआत के बाद याद आ रहा ट्रकों के पीछे लिखा गया 1917 की रूसी क्रांति ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया था। भारत में वामपंथी विचारधारा के विभिन्न संगठनों ने 26 दिसंबर 1925 को कानपुर में अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया। आधिकारिक तौर पर इस सम्मेलन को ही भाकपा की स्थापना माना जाता है। एसवी घाटे इसके पहले महासचिव थे। भाकपा ने ब्रितानी उपनिवेशवाद का मुखर विरोध किया, और पूर्ण स्वराज की मांग के साथ आजादी की लड़ाई में भाग लिया।**
**बेबाक रपट - लगी है संघ के सांगठनिक ढांचे की तारीफ करने की। इसके बाद उन नेताओं को दक्षिणपंथी मानसिकता का करार देकर इसे पार्टी की सफाई का अवसर बता दिया जाता है। नए साल की राजनीतिक लड़ाई में विपक्ष के लिए हम सड़क का ही शब्द 'रीस' दे रहे हैं। सत्ता को शक्तिशाली होते देख जलने से अच्छा है, जोश में मुकाबला करना। मुकाबला आप अपनी राजनीतिक विचारधारा के तहत ही करें। मुकाबले के बिना आप सियासी यतीम हो जाएंगे। नए साल में विपक्ष की चुनौतियों पर चर्चा करता बेबाक रपट -**

# सियासी यतीम !

वर्ष 2025 दो विपरीत राजनीतिक विचारधाराओं के सांस्थानिक जन्म का शताब्दी वर्ष था। पहली संस्था है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दूसरी संस्था है, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी।

जब संघ अपनी स्थापना के सौ साल मना रहा है, तब भारतीय जनता पार्टी 2014 के बाद से लगातार सत्ता में है। सत्ता, यानी शक्ति। इस ब्रह्मांड में सबसे ज्यादा आकर्षण शक्ति के प्रति होता है। मौजूदा शक्तिशाली से कोई कितनी भी नफरत कर ले, लेकिन उसका अंतिम उद्देश्य शक्तिशाली बनना ही होता है। मानव अस्तित्व का संघर्ष ही अशक्त से सशक्त बनने का रहा है।

एक ही समय में दो विचारधाराओं का शताब्दी वर्ष, लेकिन पूरी सियासी जमात का आकर्षण सिर्फ उस संस्था की तरफ हो रहा है, जिसे मौजूदा सत्ता की पितृ-संस्था कहा जाता है। उसकी चमक और चमक के आगे अन्य राजनीतिक शक्तियां भूमिल सी हो गई हैं।

दक्षिण और वाम, इन दो विचारधाराओं के मध्य में तीसरी विचारधारा भी है, जो देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है। 2014 के बाद से ही कांग्रेस अपने राजनीतिक अस्तित्य की लड़ाई लड़ रही है। राजनीति के मैदान में एक बार शक्तिहीन होने के बाद आपका आकर्षण खत्म हो जाता है। आकर्षण शिर्फ इसलिए खत्म नहीं हुआ, क्योंकि आप रात्ता पक्ष में नहीं है। आकर्षण इसलिए भी खत्म हो रहा है कि विपक्ष के रूप में आपकी मौजूदगी शक्तिशाली नहीं है। यह सत्ता पक्ष की रणनीति रही कि वह विपक्ष के लिए कोई जगह ही नहीं छोड़े। कांग्रेस ने इस स्थिति को झुक कर कबूल, कबूल कर भी लिया कि उसे नकारात्मकता का प्रतीक बना दिया गया है।

लोकतंत्र की अवधारणा जितनी भी सहिष्णु हो, व्यावहारिक राजनीति में विचारधारा का अस्तित्व असहिष्णु प्रवृत्ति की ही मांग करता है। एक समय था, जब भाजपा के दो नेता और दो सांसद पूरे देश में हम दो और हमारे दो का ताना सुनते थे। कांग्रेस, संघ और भाजपा के प्रति सहिष्णु होती गई और विचारधारा का मैदान खाली कर घोषणा भी कर बैठी कि 'हम दो और हमारे दो' वाले रिक्त स्थान की पूर्ति करें। भाजपा व संघ ने न सिर्फ रिक्त स्थान की पूर्ति की, बल्कि आगे भी विस्तार करना शुरू कर दिया। दो से आगे इतना चड़ा संयुक्त परिवार हो गया कि कांग्रेस से लेकर विपक्ष के कई दलों के नेता उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। विपक्षी दलों के नेता अपने एकल होते परिवार से डर रहे हैं।

गिलास आधा भरा है, या आधा खाली है वाले जुमले ने बीसवीं सदी में प्रेरणा देने का जी भार उठाया था, अब उसकी मियाद भी खत्म हो चुकी है। आज जिस तरह से राजनीतिक शक्ति का हस्तांतरण एकपक्षीय हो चुका है, वैसे में कांग्रेस के लिए जुमला भी नया गढ़ना होगा। पिछले दिनों मुंबई से लेकर कर्नाटक तक के निकाय चुनावों के परिणाम देख लीजिए। कांग्रेस निकाय स्तर पर भी लोगों का भरोसा नहीं जुटा पा रही है।

आज के दौर में कांग्रेस की राजनीतिक शक्ति का गिलास खाली है। गुरुत्वाकर्षण के वैज्ञानिक नियम के तहत उसे गिलास नीचे से ही भरना शुरू करना होगा। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस ने राजनीतिक शक्ति वापरा पाने की कोशिश ही नहीं की है। अगर राजनीति को विज्ञान माना जाए तो कांग्रेस बिल्कुल अवैज्ञानिक तरीके से गिलास को भरने की कोशिश कर रही है, यानी ऊपर से। अभी तक कांग्रेस का सारा राजनीतिक श्रम ऊपर के शीर्ष नेतृत्व को निखारने में जुटा रहा। इसमें वह कामवाच भी हुई। राजनीति के मैदान में राहुल गांधी बहुत हद तक अपनी पहचान बना चुके हैं। लेकिन यह प्रक्रिया ही अवैज्ञानिक है तो राहुल गांधी को उसका नतीजा चुनावी जीत के रूप में नहीं मिल रहा है।

आज के दौर में कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या है देश के बड़े तबके से लेकर खुद कांग्रेसियों का संघ की तरफ आकर्षण। संघ के प्रति हर आकर्षित कड़ोसी के सामने आने के बाद कांग्रेस इसे पार्टी की सफाई मानती है। संघ की तरफ यह आकर्षण इसलिए नहीं है, क्योंकि वह फलां समय में स्थापित फलां विचारधारा को संस्था है। संघ की तरफ आकर्षण की एकमात्र वजह है उसका राजनीतिक शक्ति में तब्दील हो जाना। जो शक्ति आपके अरितत्व पर सबसे बड़ा संकट है, उराका जिक्र आपकी महफिल में होना ही है। अभी कुछ दिनों पहले डीके शिवकुमार ने कर्नाटक विधानसभा में संघ की प्रार्थना गाई, और हंगामा चरपा। शशि थरूर मौजूदा सत्ता के प्रति अपने आकर्षण को कई चार जाहिर कर चुके हैं।

ताजा मामला है कांग्रेस के चरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का, जो संघ की सांगठनिक क्षमता की तारीफ करने वालों की कतार में शामिल हुए। अब दिग्विजय सिंह को भी कांग्रेस के अंदर दक्षिणपंथी विचारधारा का व्यक्ति करार दिया जा रहा है। यही वक्त है, जब कांग्रेस नेतृत्व को समझा लेना चाहिए कि असली राजनीतिक लड़ाई संगठन बनाम संगठन की ही होती है, कानी गिलास में नीचे भरे पानी की। कांग्रेस नेतृत्व को इस बात के लिए मानसिक रूप से तैयार हो जाना चाहिए कि जय भी बाएं से उसकी कमियों के बारे में बात की जाएगी, तभी दाएं से संघ की तारीफ नमूदार हो जाएगी।

किसी भी पार्टी के लिए संगठन उसके अभिभावक की तरह होता है। बिना संगठन के राजनीतिक दल सियासी यतीम की तरह होते हैं। जनता को राजनीतिक दल की विचारधारा से संगठन ही जोड़ते हैं। चुनिंदा लोकप्रिय चेहरों के भरोसे राजनीतिक शक्ति नहीं हासिल की जा सकती है।

जिन वामपंथी दलों की पहचान ही संगठन होते थे, आज ये सबसे बड़े सियासी यतीम हैं। एक वह भी दौर था, जब आजादी के बाद हुए आम चुनाव में वामदल विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा था। आज

वह दौर है कि केरल के अगले विधानसभा चुनाव में एलडीएफ हारा तो पूरे देश में कहीं भी वामपंथ का शासन नहीं रहेगा। एक समय पश्चिम बंगाल में लाल किले की पहचान रखने वाली माकपा को ममता बनर्जी की अगुआई में तृणमूल कांग्रेस ने क्या हराया, पार्टी अभी तक वहां हार माने बैठी है।

पिछले वर्षों में एक प्रवृत्ति यह भी देखी गई है कि एक बार सत्ता की शक्ति खोने के बाद राजनीतिक दल संघर्ष की राह पर लौटना ही नहीं चाहते। चाहे कांग्रेस हो या वाम दल, सभी व्यवस्था विरोधी माहौल के आने और उससे किसी चमत्कार हो जाने की उम्मीद में रहते हैं। इसलिए उनकी राजनीतिक शैली में दिखता भी सिर्फ व्यवस्था का विरोध है। जनता उन्हें सत्ता वाली व्यवस्था के विरोध में तो पाती है, लेकिन अपने साथ महसूस नहीं कर पाती है। किसी भी राजनीतिक दल की विचारधारा तक जनता खुद नहीं पहुंचती है। जनता तक पहुंचते हैं, राजनीतिक दलों के संगठन। जी विचारधारा जनता तक पहुंची, जनता उसी की हो जाती है। राजनीति विज्ञान के रसायन की बात करें तो संगठन ही शक्ति है।

राजनीति में शक्ति को ही शुभ मानने की परंपरा है। वामपंथ भी सर्वहारा की शक्ति और सत्ता की ही बात करता है जी जनसंगठनों से ही संभव है। आज इंटरनेट के जमाने में उत्पादन के साधनों के साथ श्रमिकों का संबंध भी बदल गया है। नई समस्याओं से घिरी जनता की लड़ाई पुराने राजनीतिक औजारों से नहीं की जा सकती है।

मौजूदा सता ने अपनी शक्ति का चौतरफा विकास कर लिया है। आज केंद्रीय सत्ता के पास देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की शक्ति है। दोले इंजन के दौर में विपक्ष के लिए विकल्प कम हो रहे हैं। जनता जिस मुद्दे पर शक्तिहीन है, उस संघर्ष के क्षेत्र में उतरने के लिए शक्ति जुटाए बिना कांग्रेस हो या वाम, उनका बचा खुचा आधार भी खत्म हो जाएगा। मौजूदा एक वर्ष में इस तरफ ईमानदारी से सक्रिय नहीं हुए तो 2027 की राजनीतिक तस्वीर आपको पूरी तरह सियासी यतीम के रूप में ही दिखाएगी। शक्ति खोना जितना मुश्किल है, उसे पाना उतना ही मुश्किल। कैलेंडर बदलते वक्त नहीं लगता। जुट जाइए बाधाओं से भरे संघर्ष के मैदान में।

**-मुकेश भारद्वाज, नई दिल्ली**

# सबसे स्वच्छ शहर में मिलता है मौत का पानी

अंतरिक्ष में मानव के जाने और चंद्रमा के सबसे कठिन दक्षिणी ध्रुव पर उपग्रह भेजने वादे देश में अगर सीवरेज का पानी पीने से लोग मर जाएं तो यह इक्कीसवीं सदी के भारत जैसे देश के लिए विडम्बना ही है। अफ़सोसजनक बात तो ये है कि जिस इंदौर शहर में पेयजल आपूर्ति के साथ सीवरेज का पानी मिल जाने से इसे पीने वाले 15 लोगों की मौत हो गयी वो शहर पिछले सात सालों से देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित हो रहा है। जिस भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल आपूर्ति की गई वह नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का निर्वाचन क्षेत्र है और पेयजल आपूर्ति करने वाला विभाग उनके ही मंत्रालय के तहत आता है।

पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा हासिल करने वाले बड़े शहर इंदौर में दूषित पेयजल से लगभग 15 लोगों की मौत और सैकड़ों के अस्पताल में भर्ती होने पर कई सवाल खड़े होते हैं। इस घटना ने सिस्टम के लचर रवैए और लापरवाही पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए हैं। दूषित पानी पीने से जो लोग बीमार हैं उनमें से कई तो दूष्ट में एडमिट हैं। सवाल यह उठता है कि देश के सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर इंदौर में पीने के साफ पानी की आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे बरती गई? इससे भी ज्यादा आश्चर्य की बात तो यह है कि दूषित पेयजल आपूर्ति होने के बावजूद ज़िम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी कई दिनों तक सोते रहे। जिस इलाके में पेयजल आपूर्ति की बजाय ज़हर पिलाया जा रहा था वहां के लोगों ने कई बार नगर निगम प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया लेकिन न ही जनप्रतिनिधियों ने और न ही अधिकारियों ने कोई ध्यान दिया। नतीजा ये हुआ कि 28 दिसम्बर से मौतों का सिलसिला शुरू हो गया तब जाकर नगर निगम प्रशासन जागा लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि जिस भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल आपूर्ति की गई वह नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का निर्वाचन क्षेत्र है और पेयजल आपूर्ति करने वाला विभाग उनके ही मंत्रालय के तहत आता है। जब लोगों ने मंत्री महोदय से हत्याकांड जैसी इस लापरवाही पर सवाल किए तो उनका जवाब बेहद गैरजिम्मेदाराना था। उन्होंने ऐसे सवालों को फोकट का बता दिया।

इतना सब कुछ होने के बावजूद जिला प्रशासन निगम प्रशासन और सरकार इस पूरे मामले में पर्दा डालने की कोशिश करती रही। सरकारी आंकड़ों में मौतों की संख्या 5 बतायी गई जबकि नगर निगम के महापौर खुद 10 मौतें बता रहे थे। घटना हो जाने के बाद सतर्क होने के बजाय प्रशासन लीपापोती में लगा रहा। जिस इंदौर शहर को पिछले सात वर्ष से देश के सबसे स्वच्छ शहर का सम्मान मिला हुआ है वहां लोग दूषित पानी पीने से मर रहे हैं तो यह विडंबना ही है। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और बुनियादी सुविधाओं की घोर उपेक्षा का उदाहरण है। घटना की शुरुआत भागीरथपुरा क्षेत्र से हुई, जहां के लोग पिछले कई दिनों से दूषित पानी की शिकायत कर रहे थे। यहां नर्मदा नदी से आने वाली मुख्य जल आपूर्ति पाइपलाइन में लीकेज हो गया, जिसके ऊपर एक सार्वजनिक शौचालय बना हुआ था। इससे सीवेज का पानी सीधे पीने के पानी में मिल गया और नतीजा भयावह हुआ। 15 लोग मर चुके हैं और डेढ़ सौ से भी अधिक अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से कई तो आईसीयू मेन हैं। अफसोसनाक बात तो यह है कि शासन-प्रशासन मृतकों की संख्या पर ही उलझा है। एक छह महीने के मासूम तक त्रासदी का शिकार बन गया। ये वो इंदौर है जिसका देश की स्वच्छता स्पर्धा में सात सालों से अव्वल स्थान है। इसे स्मार्ट सिटी बनाने में करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। शुद्ध पेयजल के लिए अमृत-1 और अमृत-2 जैसी योजनाओं सैकड़ों करोड़ खर्च कर दिए गए पर नतीजा क्या निकला, दूषित जल से दर्जन भर से ज्यादा मौतें! आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है? अगर पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की यह स्थिति है तो इसका अर्थ है प्रशासन निकम्मा, सरकार गैर जिम्मेदार और जनप्रतिनिधि सोए हुए हैं।

अगर स्थानीय प्रशासन शिकायतों पर समय से ध्यान देता, तो पहले ही प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों से तत्काल साफ पानी की आपूर्ति, पानी उबालने की सार्वजनिक सलाह और क्लोरीनेशन जैसे कदम उठाए जा सकते थे। दरअसल वहां की एक कॉलोनी के लोग सीवर का गंदा पानी पी रहे थे जिसकी उन्हें भनक भी नहीं थी। साफ शहर बनने के बावजूद इस शहर के लोग पब्लिक हेल्थ से जुड़ी बड़ी ही गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं. लैब रिपोर्ट से पता चला है कि पीने के पानी में हैजा फैलाने वाले बैक्टिरिया मौजूद थे। इंदौर के चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज की लैब रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई है कि भागीरथपुरा इलाके में एक पाइपलाइन में लीकेज के कारण पीने का पानी गंदा हो गया था। यह जानलेवा लापरवाही सिर्फ इंदौर की कहानी नहीं है बल्कि तेजी से बढ़ते शहरों में लाचार होता बुनियादी ढांचा, जनसंख्या में हो रही वृद्धि के अनुरूप सिस्टम का अपडेट ना होना ऐसी दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह है। अभी भी कई शहरों में पुराने पाइप, अपर्याप्त और पुराने जल शोधन संयंत्र, रख-रखाव की कमी शहरों को स्वास्थ्य आपदाओं के खतरे की ओर ढकेलती है। ऐसे में स्वच्छता रैंकिंग और स्मार्ट सिटी के दावों का कोई मतलब नहीं है। जब नागरिकों को सुरक्षित पानी जैसी बुनियादी सुविधा हर दिन, हर जगह पूरे भरोसे के साथ ना मिले तो इसे सिस्टम की कमजोरी ही माना जाएगा। जांच समिति के गठन और रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई करने के आश्वासन का ढर्रा बन गया है। सिर्फ कुछ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाएगा, जांच बैठा दी जाएगी लेकिन इससे लापरवाही के कारण गई जानें तो वापस नहीं आ सकतीं ? यह हादसा भी फाइलों में दर्ज एक और दुखद अध्याय बनकर रह जाएगा और शहर किसी अगली आपदा की ओर बढ़ जाएगा।

# बीईएसएस प्रोजेक्ट 20 प्रतिशत सामान लोकल होना जरुरी, बनाया नियम

**नई दिल्ली। एजेंसी।** बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम ( बीईएसएस ) के उन सभी प्रोजेक्ट्स में, जिन्हें सरकारी मदद (वीजीएफ) मिल रही है, कम से कम 20 प्रतिशत सामान या काम भारतीय (लोकल) होना जरूरी है। ऊर्जा मंत्रालय ने अब यह नियम बना दिया है। भारत सरकार ने देश के ऊर्जा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने यह नियम भी बना दिया है कि इन सिस्टम को चलाने वाला मुख्य सॉफ्टवेयर (ईएमएस) भी पूरी तरह मेड इन इंडिया होना चाहिए। वर्तमान में बैटरी और उससे जुड़ी तकनीक के लिए भारत काफी हद तक आयात (खासकर चीन) पर निर्भर है। 20प्रतिशत लोकल कंटेंट की शर्त से घरेलू कंपनियों को काम मिलेगा और विदेशी निर्भरता घटेगी। एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) किसी भी ग्रिड का दिमाग होता है। सरकार की मंशा है कि सॉफ्टवेयर भारत में ही बने ताकि देश की बिजली सप्लाई और डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहे और बाहरी साइबर हमलों का खतरा न रहे। जब 20प्रतिशत हिस्सा स्थानीय होना अनिवार्य होगा तो भारत में छोटी-बड़ी कंपनियों को बैटरी पार्ट्स बनाने के नए ऑर्डर मिलेंगे। इससे देश में निवेश बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। ऊर्जा मंत्रालय ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) की खरीद में बड़ा बदलाव किया है। अब वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) योजना के तहत खरीदे जाने वाले बीईएसएस प्रोजेक्ट्स में कम से कम 20प्रतिशत स्थानीय सामग्री का इस्तेमाल करना जरूरी होगा। यह नियम राज्यों और खरीद करने वाली संस्थाओं पर लागू होगा। मंत्रालय ने अगस्त में वीजीएफ दिशानिर्देशों में संशोधन कर यह भी कहा था कि एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) सॉफ्टवेयर भारत में ही बनाया जाना चाहिए। यह कदम राज्यों की उन मांगों के बाद उठाया गया है, जिनमें वे वीजीएफ योजना के तहत बीईएसएस क्षमता लागू करने के लिए पब्लिक प्रोक्योरमेंट (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) ऑर्डर से छूट मांग रहे थे। इस नए नियम के तहत, राज्यों और खरीद करने वाली संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे इन नियमों का पालन करें। इसमें स्वदेशी रूप से विकसित एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल भी शामिल है। पब्लिक प्रोक्योरमेंट ऑर्डर के तहत, कुछ ऐसी वस्तुओं को प्राथमिकता दी जाती है जिनकी घरेलू उत्पादन क्षमता और प्रतिस्पर्धा पर्याप्त है। बीईएसएस को अभी तक इस सूची में शामिल नहीं किया गया था। अगर किसी टेंडर में पहले से ही स्थानीय सामग्री का कोई विशेष उल्लेख नहीं है तो राज्य बोली लगाने वालों से इस आवश्यकता को पूरा करने का आश्वासन ले सकते हैं और अनुबंध आगे बढ़ा सकते हैं। वीजीएफ की दूसरी किस्त 30जीडब्ल्यूएच बीईएसएस क्षमता के विकास के लिए दी जाएगी। इस 30जीडब्ल्यूएच में से 25 जीडब्ल्यूएच स्टोरेज क्षमता 15 राज्यों को उनकी ऊर्जा भंडारण की जरूरतों को पूरा करने में मदद के लिए आवंटित की गई है। बाकी 5 जीडब्ल्यूएच क्षमता एनटीपीसी की ओर से विकसित की जाएगी। यह फैसला पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड (पीएसडीएफ) की ओर से समर्थित वीजीएफ योजना के तहत बीईएसएस क्षमता लागू करने के लिए कई राज्यों के पब्लिक प्रोक्योरमेंट (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) ऑर्डर से छूट मांगने के अनुरोधों के बाद आया है। इसके अलावा, नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल होने वाला बीईएसएस उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर आवश्यक गुणवत्ता मानकों को पूरा करे। यह किसी भी प्रोजेक्ट में रिफर्बिश्ड बैटरी सेल के उपयोग को सख्ती से प्रतिबंधित करता है।

# भारत के विमानन बेड़े में 2026 तक तेजी से बढ़ोतरी की संभावना

### भारतीय विमानन कंपनियां बेड़े में 55 नए विमान शामिल करेंगी

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारतीय विमानन उद्योग का बेड़ा 2025 में कुल 826 विमानों का था, जिसमें से 723 विमान परिचालन में थे। शेष 103 विमान स्पेयर पार्ट्स की कमी या एयर इंडिया जैसे अपग्रेडेशन और नवीनीकरण कारणों से परिचालन से बाहर थे। पिछले साल 79 विमान बेड़े में जोड़े गए, जबकि 44 विमानों को हटाया गया, जिससे 2025 में शुद्ध वृद्धि 35 विमानों की रही। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े में लगभग 50-55 नए विमान जोड़ सकती हैं। अगर उत्पादन और अनुमति की प्रक्रिया योजना अनुसार रही, तो साल के अंत तक कुल बेड़े की क्षमता 900 विमान तक पहुंच सकती है। परिचालन से बाहर रहे विमानों को भी शामिल करने की संभावना है, जिससे परिचालन विमानों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इंडिगो के 49 विमानों में से आधे नए प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों के साथ उड़ान भर सकते हैं, जिससे बेड़े की क्षमता में सुधार होगा। एयर इंडिया के कुल विमानों की संख्या लगभग स्थिर रहने की संभावना है। 2026 में एयर इंडिया के पास 26 विमान होंगे, जिनमें से 20 नैरो-बॉडी वाले हैं। कुछ लीज पर लिए गए बोइंग 777 विमानों को वापस किया जा रहा है। वहीं अकासा एयर में वर्तमान में 31 विमान हैं और हर महीने 1-2 विमान जोड़ने की योजना है। 2027-28 तक एयर इंडिया और इंडिगो के बड़े पैमाने पर विमानों की डिलीवरी से भारत का बेड़ा 1000 विमानों के करीब पहुँच सकता है। इससे भारत अमेरिका और चीन जैसी देशों की श्रेणी में शामिल होगा, जिनके पास पहले से ही 1000 से ज्यादा विमान हैं।

# सरकार ने 7,295 करोड़ रुपए के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की

**नई दिल्ली। एजेंसी।** सरकार ने छोटे और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों को राहत देने के उद्देश्य से 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज का मकसद निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को आसान बनाना और वैश्विक व्यापार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी कार्यशील पूंजी की समस्याओं को कम करना है। यह पैकेज वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक छह वर्षों के लिए लागू रहेगा। पैकेज का सबसे बड़ा हिस्सा 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना का है। इसके तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद लिए गए ऋण पर 2.75 प्रतिशत तक ब्याज में रियायत मिलेगी। उभरते और कम प्रतिनिधित्व वाले बाजारों में निर्यात करने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रति फर्म वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। शुरुआत में सरकार 830 करोड़ रुपये का बकाया चुकाएगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता देने का भी फैसला किया है।

# बाजार में लगातार दूसरे हफ्ते भी जारी रही तेजी

**मुंबई।एजेंसी।** बीते सप्ताह मज़बूत ऑटो बिक्री के आंकड़ों और बेहतर अर्निंग आउटलुक को लेकर बने उत्साह के कारण, भू-राजनीतिक तनाव और एफआईआई की लगातार बिकवाली को नज़रअंदाज़ करते हुए, बाज़ार ने लगातार दूसरे हफ़्ते भी बढ़त जारी रखी। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सकारात्मक रही, जहां बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 22.24 अंक बढ़कर 85,063.69 पर खुला, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 16 अंकों की तेजी के साथ 26,058.30 पर कारोबार शुरू हुआ। हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 346 अंक गिरकर 84,695 पर बंद हुआ और निफ्टी 25,950 के स्तर के नीचे फिसल गया। इस दौरान भारतीय रुपया भी 89.97 के रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब कारोबार करता दिखाई दिया। मंगलवार को बाजार में गिरावट जारी रही। सेंसेक्स 209.32 अंक गिरकर 84,486.22 पर आ गया और निफ्टी 63.25 अंक फिसलकर 25,878.85 पर पहुंच गया। इसके बावजूद, बुधवार को पिछले दिनों की गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 254.38 अंक चढ़कर 84,929.46 पर पहुंच गया और निफ्टी 50 ने 89.15 अंकों की बढ़त के साथ 26,028 पर कारोबार किया। इस सुधार का मुख्य कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी और साल के अंत में पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग रही। गुरुवार को सेंसेक्स में मामूली गिरावट देखने को मिली और यह 85,188.60 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 26,146.55 पर स्थिर रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स ने 350 अंकों के उतार-चढ़ाव के साथ 85,101.52 और 85,451.70 के स्तर को छुआ। शुक्रवार को बाजार ने नए इतिहास की ओर कदम बढ़ाया। ब्लू-चिप रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी और घरेलू निवेशकों की खरीदारी के कारण सेंसेक्स 573.41 अंक उछलकर 85,762.01 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 182 अंक बढ़कर 26,328.55 पर बंद हुआ और इंट्रा-डे में 26,340 का नया रिकॉर्ड बनाया।

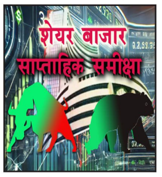


# तांबा और एल्युमिनियम की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर

**नई दिल्ली।एजेंसी।** 2025 में सोना और चांदी की रैली के बाद अब इंडस्ट्रियल मेटल्स में भी तेजी देखने को मिल रही है। एल्युमिनियम की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3,000 प्रति टन पार कर गई हैं, जो तीन साल में सबसे ऊँचा स्तर है। तांबा भी एलएमई पर यूएसडी 12,000 प्रति टन के पार पहुंच गया है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में इन धातुओं में मॉन्स्टर रैली देखने को मिल सकती है। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। चीन में स्मेल्टिंग क्षमता पर कड़ी सीमाएं और यूरोप में बिजली की ऊंची लागत के कारण उत्पादन घटा है। इंडोनेशिया, चिली और कांगो में खनन दुर्घटनाओं और हड़तालों ने सप्लाई पर दबाव बढ़ाया है। वहीं निर्माण, रिन्यूएबल एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में मजबूत दीर्घकालिक मांग भी कीमतों को ऊपर ले जा रही है। ब्याज दरों में संभावित कटौती, कमजोर अमेरिकी डॉलर और चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीदों ने निवेशकों की धारणा मजबूत की है। बाजार के जानकारों के अनुसार, सप्लाई बाधाएं और वैश्विक निवेश 2026 की पहली छमाही तक तांबे की कीमतें ऊंची बनाए रख सकते हैं। इस तेजी का असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर भी दिखने लगा है। एयर कंडीशनर, किचन अप्लायंसेज़, बाथ फिटिंग्स और कुकवेयर जैसी तांबे पर निर्भर वस्तुएं महंगी होने की संभावना है। भारत में एमसीएक्स पर तांबा 1,300 प्रति किलो के करीब पहुंच गया है। कंपनियां बढ़ती लागत की भरपाई के लिए 5-8 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं।

# अदाणी टोटल ने सीएनजी और पीएनजी की कीमतें घटाई

**नई दिल्ली।एजेंसी।** अदाणी समूह और फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी टोटालएनर्जीज के संयुक्त उद्यम अदाणी टोटाल गैस लिमिटेड ने कई बाजारों में सीएनजी और घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की कीमतों में कटौती की है। इस फैसले से आम घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ सीएनजी वाहनों का उपयोग करने वाले लाखों लोगों को सीधी राहत मिली है। कंपनी के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों में सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में अधिकतम चार रुपये तक की कमी की गई है। कंपनी ने बताया कि यह कटौती पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा गैस परिवहन शुल्क में किए गए ऐतिहासिक सुधार के बाद संभव हो पाई है। नए ढांचे के तहत गैस परिवहन शुल्क को सुव्यवस्थित किया गया है, जिससे सिटी गैस वितरण कंपनियों की लागत में कमी आई है। इसी का लाभ उपभोक्ताओं को कम कीमतों के रूप में दिया गया है। एटीजीएल के अनुसार, कीमतों में कटौती परिवहन जोन के आधार पर अलग-अलग है। गुजरात और उससे सटे मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र क्षेत्रों सीएनजी की कीमत 0.50 रुपये से 1.90 रुपये प्रति किलोग्राम तक घटी है, जबकि घरेलू पीएनजी अधिकतम 1.10 रुपये प्रति मानक घन मीटर सस्ती हुई है। वहीं राजस्थान, पंजाब, हरियाणा-एनसीआर, उत्तरी मध्य प्रदेश और आसपास के उत्तर प्रदेश क्षेत्रों में सीएनजी 1.40 रुपये से 2.55 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हुई है और पीएनजी में 1.10 रुपये से 4 रुपये प्रति मानक घन मीटर तक की कमी आई है। टोरेंट गैस ने भी अपने परिचालन क्षेत्रों में सीएनजी की कीमत 3.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक और घरेलू पीएनजी की कीमत दो रुपये प्रति मानक घन मीटर तक घटाने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, इस कटौती के बाद सीएनजी पेट्रोल की तुलना में करीब 43 प्रतिशत तक सस्ती हो जाएगी, जिससे स्वच्छ और किफायती ईंधन को बढ़ावा मिलेगा।

**मेष**- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और आपके विदेश जाने के योग बनते दिख रहे हैं, लेकिन आपको किसी से कोई बात सोच समझकर बोलनी होगी। आपके अपने माता-पिता से पूछकर ही कोई निर्णय लें। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों की किसी परीक्षा की तैयारी में नजर आएंगें। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा जिसको लेकर यदि कोई समस्या थी तो वह दूर होगी।

**वृषभ**- आज का दिन नौकरीपेशा लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला होगा। आपको कोई जिम्मेदारी भरा पद मिल सकता है और आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानकर चलने की आवश्यकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपके परिवार में किसी सदस्य से किए हुए वादे को पूरा करने की आवश्यकता है और प्रॉपर्टी को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह दूर होती दिख रही है।

**मिथुन**- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। कुछ नए संपर्क से आपको लाभ तो होगा, लेकिन आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से आप परेशान रहेंगे। आपके सहयोगी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आप किसी की बातों में आकर कोई निर्णय न लें, नही बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव रहने से आप परेशान रहेंगे। आपको अपनी माताजी से किए हुए वादे को समय रहते पूरा करना होगा।

**कर्क**- आज आपको बेवजह का तनाव लेने से बचना होगा। आध्यात्म के कार्यों में आपका काफी रुचि रहेगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त प्राप्त होगी। आपको किसी सरकारी मामले में सोच समझकर बोलने की आवश्यकता है। भाई-बहनों से किसी बात को लेकर यदि खटपट पर चल रही थी, तो उसे आप बातचीत के जरिए दूर करने की कोशिश करेंगे। धन को लेकर यदि आपका कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी आप पूरा कर सकते हैं।

**सिंह**- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप अपने व्यवसाय में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। विदेश जाने की आप योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आपको अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करनी होगी। माता-पिता के आशीर्वाद भी आपके ऊपर बना रहेगा और आपको किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करना भी अच्छा रहेगा। संतान से किए हुए वादे को आपको पूरा करना होगा।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए करियर के मामले में अच्छा रहने वाला है। आज आपके ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा, लेकिन फिर भी आपके सभी काम आसानी से पूरे होंगे। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपको अपने भाई बहनों की बातों में बेवजह पड़ने से बचना होगा।

**तुला**- आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपको कुछ नए इन्वेस्टमेंट करने का मौका मिलेगा और व्यापार में भी आपको किसी को पार्टनर बनना पड़ सकता है। बिजनेस तो पहले से बेहतर चलेगा। यदि आपकी कोई नया घर, मकान अधिक खरीदने की इच्छा थी, तो वह पूरी हो सकती है। आपको बाहर के खाने-पीने से परहेज रखने की आवश्यकता है, नहीं तो आपकी पेट संबंधित समस्याएं बढ़ेगी, जिससे आपको टेंशन बढ़ेगी।

**वृश्चिक**- आज आपकी पद- प्रतिष्ठा बढ़ने से आपका मन काफी खुश रहेगा। करियर को लेकर आपको कुछ नए अवसर मिलेंगे और किसी कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले में भागदौड़ बनी रहेगी। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। राजनीति में आप थोड़ा सोच समझकर आगे बढ़ें। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में समस्या आएगी।

**धनु**- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है, लेकिन आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाने की आवश्यकता है। आप अपने शत्रुओं को भी आप आसानी से मात देने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको अपने बॉस की बातों पर पूरा ध्यान रखने की आवश्यकता है।

**मकर**- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको बेवजह की भागदौड़ रहेगी, लेकिन आपको अपने पार्टनर पर भरोसा बहुत ही सोच समझकर करना होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

**कुंभ**- आज का दिन आपके लिए काफी बढ़िया रहने वाला है। साल के शुरुआत ही आपके लिए बेहतर रहेगी, क्योंकि आप अपनी योजनाओं को पूरा करने में काफी समय लगाएंगे। यदि आपकी किसी बात को लेकर पिताजी आपसे नाराज चल रहे हैं, तो आपको उनसे कोई बात सोच समझकर कहनी होगी।

**मीन**- आज आपको किसी काम को लेकर कुछ समस्याएं आ सकती हैं और दिन भी आपके लिए मिलाजुला रहेगा। आपको मौसम के विपरीत प्रभाव से बचने की आवश्यकता है। कारोबार कर रहे लोगों को अपने पा टर्नर से कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप यदि किसी बात को लेकर परेशान चल रहे थे, तो आपकी वह समस्या भी दूर होगी।

## शब्दजाल - 8130

*शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.*

कबूतर, कमजोर, कलयुग, कलंक, कलश, कलाई, करामात, करतूत, कर्म, कमर

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | र्म | मे | रि | दु | ला | रा | ल | क | लं | क |
| बू | खु | क | दू | इं | जी | क | शि | या | ड़ | नी |
| त | पी | जा | ल्हे | र | ग | बा | ल | ह | प | ल |
| र | ग | ए | रा | जा | बा | बू | ल | यु | लि | प्रे |
| व | र | रा | जा | जी | क | ला | कि | यो | ग | म |
| ल | इ | वि | मो | ग | प | ला | शी | ह | गी | श |
| न | अ | ल | रा | व | मा | जो | ई | व | प | क्ति |
| क | रि | ल | र | क | र | ह | त्या | ल | वि | क |
| र | क | ल | श | रा | न | ज | जी | शा | जू | म |
| र | ग | ल | नो | मा | व | शि | का | री | टि | जो |
| बां | क | र | तू | त | च | ले | स | क | म | र |

## शब्दजाल - 8129 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | रा | जें | द्र | स | ता | ना | वा | ज | पे | स |
| ल्ल | फ | ल | प्रे | व | जी | म | द | ह | कां | र |
| न | स | ल | म | को | ह | रा | म | ल | ख | का |
| त | स | स | ता | दि | वा | ज | ध | त्रि | श | र |
| श | आ | र | ग | स | ज | ना | तू | दे | झ | प |
| न | ल | ला | र | दि | म | उ | ती | व | घ | स |
| स | ड़ | क | फ्यू | जी | प | बा | ज | स | व | जा |
| श | एं | वा | स | र | फ | रो | श | ज | श | व्हा |
| मी | ड | ल | फू | ल | औ | र | आ | ग | स | आ |
| र | गॉ | ल | प | लि | जी | शी | ला | कौ | चे | द |
| वि | ज | स | त्ता | धी | श | डि | त | ब | त | म |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 7074

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | ■ | 3 | 4 | | 5 | | 6 |
| | ■ | 7 | 8 | ■ | | ■ | | ■ | |
| ■ | 9 | ■ | 10 | | | | | ■ | ■ |
| 11 | | | | ■ | 12 | | | | 13 |
| | ■ | ■ | 14 | 15 | ■ | ■ | | ■ | |
| 16 | | 17 | ■ | 18 | | | ■ | 19 | |
| | ■ | 20 | | | ■ | ■ | 21 | | ■ |
| 22 | 23 | | ■ | 24 | | 25 | | ■ | 26 |
| ■ | | ■ | ■ | | ■ | | ■ | ■ | |
| 27 | | | | ■ | 28 | | | | |

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

**बायें से दायें:-**

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

### फिल्म वर्ग पहेली- 7073

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दे | व | ■ | प्रे | म | क | हा | नी | ■ | जी |
| व | ■ | तु | म | ■ | सू | ■ | तू | फा | न |
| ता | ल | ■ | पु | का | र | ■ | सिं | ■ | त |
| ■ | क्ष्य | ■ | जा | ■ | ■ | तो | ह | फा | ■ |
| नी | ■ | मे | री | जं | ग | ■ | ■ | गु | म |
| क | बी | ला | ■ | ग | ■ | प्या | ■ | न | ■ |
| री | ■ | ■ | सो | ल | वां | सा | ल | ■ | दा |
| ■ | जु | ग | नू | ■ | टे | ■ | व | ही | दा |
| ध | र्मा | ■ | ■ | ■ | ड | ■ | स्ये | ■ | गि |
| ■ | ना | जा | य | ज | ■ | चो | री | चो | री |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8598

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | ■ | 3 | ■ | 4 | | ■ |
| | ■ | 5 | | | | | ■ | 6 |
| 7 | 8 | | ■ | ■ | | 9 | 10 | |
| | ■ | ■ | ■ | | ■ | ■ | | |
| 11 | | | | | 12 | | | |
| | ■ | | 13 | | ■ | | ■ | |
| 14 | | 15 | | | | 16 | | 17 |
| ■ | | 18 | | | | | ■ | |
| ■ | 19 | | | ■ | | 20 | | |

**बाएँ से दाएँ**

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन(अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

**ऊपर से नीचे**

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

### शब्द पहेली -8597 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जा | न | प | ह | चा | न | ■ | बा | त |
| न | ■ | ल | ■ | ल | ल | क | ■ | न |
| की | ल | ■ | बा | बा | ■ | क्ष | त्रि | य |
| ना | ■ | श | ■ | ज | ■ | ■ | का | ■ |
| थ | का | व | ट | ■ | म | स | ल | न |
| ■ | ज | ■ | ■ | स | ■ | त्य | ■ | क |
| फ | ल | क | ■ | ह | द | ■ | ऐ | ब |
| रे | ■ | म | स | ला | ■ | रो | ■ | ज |
| ब | ल | ■ | ब | ना | व | टी | प | न |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**4 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | धनु में |
| चंद्र | मिथुन में |
| मंगल | धनु में |
| बुध | धनु में |
| गुरु | मिथुन में |
| शुक्र | धनु में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

**राहुकाल** 4.30 से 6.00 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| मकर | 07.28 बजे से |
| कुंभ | 09.15 बजे से |
| मीन | 10.47 बजे से |
| मेष | 12.18 बजे से |
| वृष | 13.58 बजे से |
| मिथुन | 15.56 बजे से |
| कर्क | 18.10 बजे से |
| सिंह | 20.26 बजे से |
| कन्या | 22.38 बजे से |
| तुला | 00.48 बजे से |
| वृश्चिक | 03.03 ब.से |
| धनु | 05.19 बजे से |

**रविवार** 2026 वर्ष का चौथा दिन
**दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष)
**पक्ष** कृष्ण
**तिथि** प्रतिपदा 12.31 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पुनर्वसु 15.12 बजे को समाप्त।
**योग** वैधृति 01.48 बजे रात्र को समाप्त।
**करण** कौलव 12.31 बजे तदनन्तर तैतिल 23.10 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 14.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 44'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872579
**जूलियन दिन** 2461044.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** रज्जब
**तारीख** 14

| दिन का चौघड़िया | | | | रात का चौघड़िया | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उद्वेग | 05.56 से | 07.23 बजे तक | | शुभ | 05.36 से | 07.09 बजे तक | |
| चर | 07.23 से | 08.51 बजे तक | | अमृत | 07.09 से | 08.41 बजे तक | |
| लाभ | 08.51 से | 10.18 बजे तक | | चर | 08.41 से | 10.14 बजे तक | |
| अमृत | 10.18 से | 11.46 बजे तक | | रोग | 10.14 से | 11.46 बजे तक | |
| काल | 11.46 से | 01.14 बजे तक | | काल | 11.46 से | 01.19 बजे तक | |
| शुभ | 01.14 से | 02.41 बजे तक | | लाभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक | |
| रोग | 02.41 से | 04.09 बजे तक | | उद्वेग | 02.51 से | 04.24 बजे तक | |
| उद्वेग | 04.09 से | 05.36 बजे तक | | शुभ | 04.24 से | 05.53 बजे तक | |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः प्रतिभा का सम्मान

एक राजा को चित्रकारी का बहुत शौक था। वह अपने राज्य के योग्य चित्रकारों को समय-समय पर सम्मानित भी करता रहता था। एक बार राजा ने एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रखा और दूर-दूर से मशहूर चित्रकारों को आमंत्रित किया। अनेक चित्रकार निर्धारित स्थल पर पहुंचने लगे। राजा ने सभी चित्रकारों को यथोचित सम्मान व स्थान देकर उन्हें ठहराया। एक चित्रकार बेहद गरीब सा दिख रहा था। वह फटे-पुराने मगर स्वच्छ वस्त्र पहने था। राजा ने उसे एक नजर देखा, फिर अनदेखा कर दिया। नियत समय पर प्रतियोगिता आरंभ हो गई। निर्णय करते समय तीन श्रेष्ठ चित्रों को चुना गया। अंत में निर्णायकों द्वारा उन तीन में से सर्वश्रेष्ठ चित्र को पुरस्कार देने की घोषणा की गई। पुरस्कृत चित्र के चित्रकार का नाम पुकारे जाने पर वही गरीब चित्रकार मंच पर आया। उसे देखकर राजा ने पुरस्कार दिया और कुछ दिन के लिए राजमहल में ठहरने का निवेदन किया। कुछ दिन राजमहल में बिता कर जब चित्रकार लौटने लगा तो राजा ने उसे बहुमूल्य उपहार दिए और उससे बहुत ही विनम्रता से पेश आया। यह देखकर चित्रकार बोला, 'महाराज, जब मैं प्रारंभ में आपके पास आया था तो आपने मुझे देखकर भी अनदेखा कर दिया था, किंतु आज आप मेरे साथ बहुत ही सम्मानपूर्वक पेश आ रहे हैं। आखिर आपके व्यवहार में यह बदलाव क्यों?' उसकी बात पर राजा मुस्कुराया फिर बोला, 'जब आप प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आए थे तो आप मेरे लिए अनजान थे और साथ ही मैं आपकी प्रतिभा से भी अनजान था। तो आपकी वेश-भूषा और रूप -रंग के आधार पर ही अपना व्यवहार तय किया। अब मुझे आपकी प्रतिभा की भी जानकारी हो गई, इसलिए मेरे व्यवहार में आपके साथ आपकी प्रतिभा के प्रति भी सम्मान झलक रहा है। व्यक्ति की पहचान उसके काम से ही होती है। मेरे लिए उस समय भी आपकी आर्थिक स्थिति का कोई महत्व नहीं था और आज भी नहीं है। मैं आपकी प्रतिभा को तराशकर उसे चोटी पर पहुंचाने का प्रयास कर रहा हूं।' सुनकर चित्रकार संतुष्ट हो गया।

## सूडोकु नवताल- 7383

★★★☆☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| | 6 | | 8 | 9 | | | 7 | 5 |
| 3 | | | 1 | | | | | 2 |
| | 3 | | 4 | | | | 6 | |
| 6 | | 2 | | 1 | | 4 | | 3 |
| | 8 | | | | 5 | | 2 | |
| 2 | | | | | 3 | | | 1 |
| 5 | 1 | | | 7 | 6 | | 4 | |
| | 9 | | | 4 | | | 3 | 6 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7382 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# सिंगल्स वर्ग में जयदेव किरनापुरे ने व डबल्स वर्ग में जयदेव किरनापुरे एवं शिवम ठाकरे की जोड़ी रही विजेता

## घोटी घुसमारा में ओपन विंटर बैडमिंटन क्ले कोर्ट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।**

**घोटी घुसमारा में खेल प्रेमियों के लिए नववर्ष की शुरुआत अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ हुई। ओपन विंटर बैडमिंटन क्ले कोर्ट टूर्नामेंट 2026 ( प्रथम संस्करण ) का सफल और भव्य आयोजन 01 जनवरी से 03 जनवरी 2026 तक किया गया। यह आयोजन प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक चला, जिसमें ठंडे मौसम में भी खिलाडियों का जोश देखते ही बनता था। प्रथम वर्ष में ही इस प्रतियोगिता को जो अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला, उसने यह सिद्ध कर दिया कि घोटी घुसमारा की धरती प्रतिभाओं से भरी हुई है। क्षेत्र के अनेक युवा और अनुभवी खिलाडियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया।**

### प्रतियोगिता में इन खिलाडियों ने मारी बाजी

सिंगल्स वर्ग में जयदेव किरनापुरे ने अपने उत्कृष्ट खेल से विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि सक्षम पारधी ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन करते हुए उपविजेता स्थान हासिल किया। डबल्स वर्ग में जयदेव किरनापुरे एवं शिवम ठाकरे की जोड़ी ने शानदार तालमेल के साथ विजेता खिताब अपने नाम किया, वहीं दुर्गेश बम्बुरे एवं अमित खोब्रागड़े की जोड़ी उपविजेता रही। प्रतियोगिता में पवन धारने, प्रकाश मुरकुटे, अमित खोब्रागड़े, दीपक मुरकुटे, दुर्गेश बम्बुरे, गजानंद कलपुरे, दुर्योधन घोरमारे, राजेश कौशल, रितेश कटरे, अरुण राणे, जयदेव किरनापुरे, होमी किरनापुरे, सक्षम पारधी, शिवम ठाकरे, सत्यदेव घोरमारे, सत्यगुरु घोरमारे, सुमित खोब्रागड़े, आशीष मुरकुटे, सुशांत बम्बुरे एवं शिवम बल्लारखेड़े सहित अनेक खिलाडयों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

दिनांक 03 जनवरी 2026 को आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत सदस्य गोवर्धन घोरमारे , विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय घोरमारे तथा विशेष उपस्थिति में चंद्रकांत किरनापुरे, धेडुचंद घोरमारे एवं भागचंद आसटकर मंचासीन रहे। अतिथियों ने खिलाडि?ों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन ग्रामीण युवाओं को सकारात्मक दिशा देते हैं और छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाने का सशक्त माध्यम बनते हैं। इस प्रथम वर्ष के सफल आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाले वर्षों में यह टूर्नामेंट और भी बड़े स्तर पर आयोजित होगा। प्रतियोगिता ने न केवल खेल भावना को बढ़ावा दिया, बल्कि सामाजिक एकता, अनुशासन और युवाओं में आगे बढने् की प्रेरणा का भी सुंदर संदेश दिया। घोटी घुसमारा का यह प्रथम प्रयास आने वाले समय में क्षेत्र की पहचान बने — यही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

# राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ खण्ड लांजी का युवा सम्मेलन आयोजित

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दि वर्ष के अवसर पर विरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम लांजी में 3 जनवरी को सुबह 10 बजे से युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ आचार पद्धति के अनुसार

शाखा लगाकर किया गया। जिसमें कुछ समय तक शारीरिक अभ्यास खेल आदि कर सामुहिक गण चर्चा की गई। इसके उपरांत मंचीय कार्यक्रम शिव नारायण पटेल सह प्रांत प्रचार प्रमुख (मुख्य वक्ता) एवं विजय रामटेक्कर खण्ड संघचालक की उपस्थिती में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में युवाओं को प्रेरित करने वाले प्रसंग रखे। संघ की स्थापना के पीछे क्या कारण है इसे युवाओं को विस्तार से बताया तथा सर्वाधिक युवाओं को राष्ट्रीय स्वयं संघ से क्यों जुडऩा चाहिये इस विषय पर जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में जिले के महाविद्यालयीन प्रमुख गीतेश पटले एवं अनिल जी जिला प्रचारक विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लांजी खण्ड के अन्तर्गत लांजी, भानेगांव, बोलेगांव, मोहझरी, कोचेवाही, नीमटोला, कारंजा, घोटी नंदोरा के युवाओं ने सहभागिता रही।

# शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटी (नंदोरा) में चोरी की घटना

## चोरी किया सामान अन्यत्र फेंककर फरार हुये चोर

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत घोटी (नंदोरा) में संचालिक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटी में 2 एवं 3 जनवरी की मध्य रात्रि में चोरों ने खिड़की की सलाख को मोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देने का मामला प्रकाश में आया है, जहां चोरो के द्वारा लैब एवं प्राचार्य कक्ष से प्रवेश कर सामग्रियों को अफरा तफरी करने का प्रयास किया गया।इस संबध में प्रभारी प्राचार्य अंबीलाल मानकर ने सुलसुली पुलिस चौकी में एक शिकायती आवेदन प्रस्तुत करते हुये बताया कि 3 जनवरी को प्रात- 10-30 बजे रेमीडियल कक्षाऐं संचालिक होने के कारण विद्यालय के शिक्षक सीताराम धारने, श्रीमती चन्द्रकला बिसेन व श्रीमती मीनाक्षी तिडके एवं संजोग डोंगरे के आने के पश्चात फोन के माध्यम से सूचना देने पर जानकारी हुई कि विद्यालय में चोरी की घटना हो गई है। जिसमें पाया गया कि प्राचार्य कक्ष की सामग्री को हटाया गया, आलमारियॉ खोली गई। आईसीटी/आई टी लैब के 4 कम्प्यूटर की एलसीडी मॉनिटर मौके पर नही थे। यह सभी सामान विद्यालय के बाहरी दरवाजे पर मैदान में लैब से चोरी हुये मॉनिटर तथा की चंबोर्ड, दो माऊस के साथ पीछे मैदान में फेंके पड़े हुये थे तथा चोरो के द्वारा विद्यालय के सीसीटीव्ही कैमरो को भी अस्त व्यस्त कर दिशा बदल दी गई। जिससे कि चोरी की वारदात करने वाले पहचान में ना सके यह माना जा सकता है कि चोरो ने सीसीटीव्ही कैमरो के साथ छेडछाड़ की है। उक्त संबध में स्कूल प्रबधन के द्वारा पुलिस से निवेदन किया गया है कि उक्त घटना की जांच कर दोषियो के

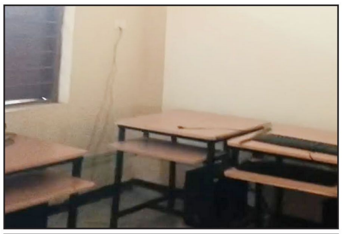

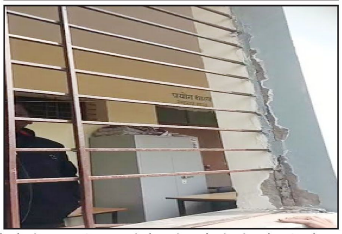

विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये ताकि दोबारा विद्यालय में इस प्रकार की घटनाऐं घटित ना हो।

# कान्द्रीकला ने भानेगांव को हराकर जीता क्रिकेट का फाइनल मुकाबला

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** क्षेत्र के ग्राम भानेगांव में 11 स्टार क्रिकेट क्लब भानेगांव के तत्वावधान में विगत 18 दिसंबर 2025 सें पंचायती टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका समापन क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य मे 2 जनवरी को किया गया। प्रतियोगिता में फाईनल मुकाबला कान्द्रीकला और भानेगांव के बीच खेला गया जहां कान्द्रीकला ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम कर प्रतियोगिता की सीरमौर बनी। बतादे कि 11 स्टार क्रिकेट क्लब के द्वारा स्व अभिषेक ठाकरे की स्मृति में यह प्रतियोगिता का आयोजन हाईस्कूल मैदान भानेगांव में आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता में पंचायत स्तरीय तमाम टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये कान्द्रीकला एवं भानेगांव की टीम फाईनल मुकाबले में पंहुची जहां खेल बेहतर प्रदर्शन करते हुये कान्द्रीकला ने भानेगांव को अंतिम मुकाबले में परास्त कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 21 हजार रूपये तथा उपविजेता को 11 हजार रूपये नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया। मेन आफ द मैच पवन पतरे, तथा मैन ऑफ द सीरीज -पिंटू मिश्रा ,बेस्ट बॉलर- मनोज धोरे, बेस्ट फील्डर- शिव रावते, बेस्ट बैट्समैन- निलेश पारधी जिन्हे अतिथियों के हस्ते मोमेन्टो भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, सरपंच राम ठाकरे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष भानेगांव सीताराम रावते, उज्जवल श्रीवास्तव, उपसरपंच सुरेश पांचे, सालिकराम बेदरे, पूरनलाल मेश्राम, लीलाधर रावते, लक्ष्मण छुट्टानी, जैनेन्द्र बेदरे, प्रमोद आठोड़े, वासुदेव बुराड़े, गजेन्द्र बुराड़े, केशोराव बेदरे, चंद्रप्रकाश रावते, मनोज ठाकरे, धीरेन्द्र बुराड़े, चंद्रशेखर ठाकरे, सतीश बुराड़े तथा अन्य ग्राम के सम्माननीय खेल प्रेमी बंधुओं की उपस्थिति रही। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सभी खिलाड़ी कृष्णपाल, दीपक रावते, देवेंद्र पटले, गजानन बुराड़े, मनोज बेदरे, तिलक आठोंड़े, चंद्रशेखर बल्ले, लक्की आसटकर, दुष्यंत रावते, उत्तम, ओम ठाकरे, चिराग, मनोज ढोरे प्रहलाद बेदरे, निर्भय, लक्की ठाकरे, रोहित, सुधीर, नयन, तुषार पिल्लारे, भावेश, उमाकांत ठाकरे, सन्नी, सुदामा, लोमेश, प्रवेश, नवनीत, राजा रावते, धनराज, ऋषिकेश, जागेश बावने, प्रदीप, आयुष, अनुज, शिव, प्रहलाद ठाकरे, कृष्णा, जितेंद्र, कान्हा, हेमंत, प्रशांत, ऋषभ, जय, यश तथा अन्य सभी खिलाडियों ने प्रतियोगिता का सफल बनाया।

# माता सावित्री बाई फूले के कारण ही आज महिलाएं सशक्त बन रही है

## आमगांव मे धूमधाम से मनाई गई प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले 195 वीं जयंती

**पद्मेश न्यूज। किरनापुर।** क्षेत्रांतर्गत ग्राम आमगांव के फूले चौक में भारत देश की प्रथम शिक्षिका व महिलाओं के लिए शिक्षा का अलख जगाने वाली माता सावित्री बाई फुले की 195 वीं दिनांक 3 जनवरी दिन शनिवार 2026 को बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर सुबह गांव भ्रमण के लिए डी.जे के धुन में विशाल रैली निकाली गई और महात्मा ज्योतिबा फुले अमर रहे, माता सावित्री बाई फुले अमर रहे के जयघोष होते रहे। रैली पश्चात् आमगांव चौक में स्थापित महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री बाई फुले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर ग्रामीणों द्वारा प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस बीच जयंती के अवसर पर वक्ताओं ने आपने अपने विचार रखते हुए बतलाया कि महाराष्ट्र में महिलाओं कि शिक्षा के प्रति अपना जीवन समर्पित करने वाली सावित्री बाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में हुआ था सावित्री बाई फुले को भारत कि पहली शिक्षिका होने का श्रेय जाता है। उन्होंने यह अविश्वसनीय उपलब्धि तब हासिल कि जब महिलाओं का शिक्षा ग्रहण करना तो दूर की बात थी, उनका घर से निकलना भी दूभर था। सावित्री बाई फुले न एक समाज सुधारक थी बल्कि वह एक दार्शनिक और कवयित्री भी थी। उनकी कविताएं अधिकतर प्रकृति, शिक्षा और जाति प्रथा को खत्म करने पर केन्द्रित होती थी। ऐसे वक्त में जब देश में जाति प्रथा अपने चरम पर था, तो उन्होंने अंतर्जातीय विवाह को बढ़ावा दिया। स्वतंत्रता से पहले भारत में महिलाओं के साथ काफी भेदभाव होता था। समाज में शोषितों, पीड़ितों दलितों की स्थिति अच्छी नहीं थी। महिला दलित होती थी तो यह भेदभाव और भी बड़ा होता था। जब सावित्री बाई फुले स्कूल जाती थी तो लोग उन्हें पत्थर मारते थे लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कड़ा संघर्ष करते हुए शिक्षा हासिल कि। सावित्री बाई फुले का जीवन महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित था। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जमकर उठाई आवाज। जब वह महज 9 वर्ष कि थी तब उनका विवाह 13 साल के ज्योतिबाराव फुले से कर दिया गया था। जिस समय सावित्री बाई फुले कि शादी हुई थी उस समय अनपढ़ थी, पढ़ाई में उनकी लगन देखकर ज्योतिबाराव फुले प्रभावित हुए और उन्होंने सावित्री बाई को आगे पढ़ाने का मन बनाया। ज्योतिबाराव फुले भी शादी के दौरान कक्षा तीन के छात्र थे, लेकिन तमाम सामाजिक बुराइयों की परवाह किए बिना सावित्री बाई फुले कि पढ़ाई में पूरी मदद कि सावित्री बाई ने अहमदनगर और पुणे में टीचर की ट्रेनिंग ली

और शिक्षक बनी, पति के साथ मिलकर सावित्री बाई ने 1848 में पुणे में लड़कियों का स्कूल खोला। इस देश में लड़कियों का पहला स्कूल माना जाता है। लड़कियों को पढ़ाने कि पहल के लिए सावित्री बाई फुले को पुणे कि महिलाओं का जबरदस्त विरोध झेलना पड़ा। जब वह स्कूल पढ़ाने जाती थी तो पुणे कि महिलाएं उन पर गोबर और पत्थर फेंकती थी। क्योंकि उन्हें लगता था कि लड़कियां को पढ़ाकर सावित्री बाई धर्म विरूद्ध काम कर रही है ।वह अपने साथ एक जोड़ी कपड़ा साथ लेकर जाती थी और स्कूल पहुंचकर गोबर और कीचड़ से गंदे हो गई कपड़ों को बदल लेती थी। उन्होंने विधवाओं के लिए आश्रम खोला निराशित महिलाओं बाल विधवा, बच्चियों और परिवार से त्यागी गई महिलाओं को शरण देने लगी। इस प्रकार सावित्री बाई फुले का संघर्ष रहा। यह दिन भारत कि पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक के रूप में उनके योगदान को याद करने के लिए मनाया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत आमगांव सरपंच संतोष खरे, उपसरपंच डिलेन्द्र सिल्हारे , तुलसीराम नागफासे, मानिकराम बिसेन, करण नगपुरे, नेतलाल पांचे, दशाराम मानेश्वर, बसंत नागेश्वर, राजकुमार मानकर, चोखेलाल नागफासे, संतोष मौदेकर, हुलेश्वर बिसेन, शैलेन्द्र वासनिक, सखाराम सोनी, भोगीचंद मातरे, प्रमोद नागेश्वर, परेश नागेश्वर, चेतन पांचे, संजय नागफासे, अरविंद पांचे, देऊं नागेश्वर, प्रेमलाल खरे, सुरजलाल पांचे, संजय सोनी,विवेक वासनिक दिलीप सिहोरे सहित समस्त महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग ग्रामीणजनो की प्रमुख उपस्थिति में माता सावित्री बाई फुले की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई।

लांजी में ''पद्मेश''

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

# सीएस की समीक्षा के बाद तय होगी कलेक्टर-एसपी की परफॉर्मेंस रिपोर्ट

## पांच जनवरी को मुख्य सचिव करेंगे समीक्षा, पांच शीर्ष, पांच मध्यम और पांच निम्न जिलों की श्रेणी तैयार होगी

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं पर फोकस रही कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों की समीक्षा मुख्य सचिव अनुराग जैन 5 जनवरी को करेंगे। मुख्य सचिव जैन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस की कार्यवाही विवरण की समीक्षा करेंगे। इस समीक्षा में पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों पर हुए अमल की जानकारी भी ली जाएगी। बताया जाता है कि सीएस की समीक्षा के बाद कलेक्टर और एसपी की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार होगी। उस रिपोर्ट के आधार पर आगामी समय में अफसरों की पदस्थापना की जाएगी।

गौरतलब है कि मप्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने और उद्योग-निवेश को प्रोत्साहित करने सरकार ने कई कदम उठाए हैं। रोजगार पर फोकस किया गया, गुणवत्तायुक्त शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में काम हो रहा है। बेहतर परिणाम भी मिले हैं। अब जिलों में इनके क्रियान्वयन का आकलन कराया जा रहा है। कलेक्टर और एसपी के कामकाज को 85 कसौटियों पर कसा जाएगा। यही आकलन अफसरों की आगामी पदस्थापना का आधार बनेगा।

### विभागों से मांगी गई है रिपोर्ट

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों से कृषि, स्वास्थ्य-पोषण, रोजगार, उद्योग, निवेश, नगरीय विकास, सुशासन, शिक्षा, कानून व्यवस्था, ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य से जुड़े कामों की रिपोर्ट मांगी है। इसके आधार पर कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में मुख्य सचिव अनुराग जैन पांच जनवरी को समीक्षा करेंगे। इसमें जिला पंचायत और स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और नगर

निगम के आयुक्त वर्चुअली जुड़ेंगे। पांच शीर्ष, पांच मध्यम और पांच निम्न जिलों की श्रेणी तैयार की जाएगी। गौरतलब है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन ने 7 और 8 अक्टूबर को हुई कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की नवंबर में समीक्षा करते हुए निर्देश दिए थे कि थानों में आने वाले लोगों की एफआईआर दर्ज न होने की शिकायतें नहीं मिलनी चाहिए। कानून-व्यवस्था के मामलों में पुलिस अधीक्षकों की जिम्मेदारी तय की गई थी और यह भी कहा गया था कि हर महत्वपूर्ण जानकारी मीडिया तक पहुंचे।

### इन बिंदुओं पर भी रहेगा फोकस

जानकारी के अनुसार समीक्षा में जिन बिंदुओं पर फोकस होगा उनमें जिलों में खाद और बीज की समस्या,कलेक्टरों द्वारा जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समितियों की मासिक बैठकें हुईं या नहीं। जिला चिकित्सालय सहित अन्य शासकीय अस्पतालों का निरीक्षण कर रोगी कल्याण सुविधाओं के लिए क्या कदम उठाए गए। प्रदेश के प्रत्येक स्कूल में एक कक्षा को स्मार्ट क्लास बनाने के लिए क्या कार्रवाई की गई। पट्टा वितरण, अवैध कॉलोनियों के प्रबंधन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और वायु गुणवत्ता सुधार के प्रयासों की समीक्षा होगी। बैंकर्स की मासिक और त्रैमासिक बैठकें हुईं या नहीं, ताकि लक्ष्यों की समय पर पूर्ति हो सके। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना सहित अन्य स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, वृंदावन ग्राम योजना और नर्मदा परिक्रमा पथ के कार्य को पूरा करने के लिए की गई कार्रवाई। कलेक्टर और एसडीएम द्वारा रोस्टर अनुसार तहसीलों का निरीक्षण, मासिक राजस्व समीक्षा बैठक तथा नक्शा दुरुस्ती की स्थिति का हिसाब लिया जाएगा।

# फ्रिज-एसी खरीदना हुए महंगा

## नए साल पर महंगाई का झटका, स्टार रेटिंग के नए नियमों से 10 प्रतिशत तक बढ़े दाम

भोपाल। नए साल में फ्रिज और एसी खरीदना आपकी जेब पर भारी पडने् वाला है। क्योंकि सरकार ने एसी, फ्रिज आदि उपकरणों के लिए स्टार रेटिंग अनिवार्य कर दी है। साथ ही ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी द्वारा स्टार रेटिंग के मानकों में किए गए बड़े बदलावों से कंपनियों ने इन उपकरणों की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है।

दरअसल, नए ऊर्जा नियमों के तहत पुराने फाइव-स्टार माडल अब केवल फोर-स्टार रेटिंग की श्रेणी में आ गए हैं। नया फाइव स्टार टैग हासिल करने के लिए कंपनियों को और अधिक उन्नत तकनीक और महंगे कंपोनेंट्स का उपयोग करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त, कापर और स्टील जैसे कच्चे माल की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतों ने भी दामों में आग लगा दी है। यदि आप भी नए साल में कूलिंग गैजेट्स लेने की सोच रहे हैं, तो रिवाइज्ड रेटिंग और बढ़े हुए बजट के लिए तैयार रहें।

### स्टार रेटिंग एक से पांच तक

स्टार रेटिंग एक से पांच तक होती है। इसका सीधा मतलब है- जितने ज्यादा स्टार, उतनी कम बिजली का बिल। वन स्टार में सबसे कम कुशल होता है और सबसे ज्यादा बिजली खाता है। थ्री स्टार मध्यम बजट और बचत का संतुलन है। फोर स्टार रेटिंग वाला उपकरण थ्री स्टार के मुकाबले काफी कम बिजली खाता है। फाइव स्टार सबसे आधुनिक तकनीक (जैसे इनवर्टर कंप्रेसर) से लैस होता है और बिजली की भारी बचत करता है। एक फाइव स्टार फ्रिज वन स्टार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत तक कम बिजली खर्च कर सकता है। एक जनवरी 2026 से बढ़ी कीमतें नए साल की शुरुआत के साथ फ्रिज और एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

### इसके पीछे तीन मुख्य कारण हैं

नए और कड़े स्टार रेटिंग मानक- ब्यूरो आफ एनर्जी एफिशिएंसी हर कुछ वर्षों में अपने मानकों को अपडेट करता है। एक जनवरी से नए नियम लागू हुए हैं। अब जो पहले फाइव स्टार एसी था, वह नए नियमों के हिसाब से अब केवल चार स्टार रह गया है।

# निगम जारी करेगा 200 करोड़ का ग्रीन बॉन्ड

भोपाल। राजधानी भोपाल में चल रहे विकास कार्यों के लिए नगर निगम 200 करोड़ रूपए का ग्रीन बॉन्ड जारी करेंगा। इसके लिए महापौर मालती राय की अध्यक्षता में हुई एमआईसी की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। जानकारी के अनुसार राजधानी में सीवेज, पानी सप्लाई और तालाबों के संरक्षण के लिए अमृत-2 के तहत 1700 करोड़ रुपए के कार्यों के लिए निगम ग्रीन बॉण्ड के जरिए 200 करोड़ रूपए की राशि जुटाएगा। इस बॉण्ड पर केंद्र सरकार 20 करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि (इंसेंटिव) के रूप में देगी। नगर निगम को अमृत-2 पर लगभग 495 करोड़ रुपए चुकाना है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने प्रोजेक्ट अमृत-2 के लिए राशि जुटाने के लिए सभी नगर निगमों को ग्रीन बॉण्ड जारी करने को कहा था। इसमें शर्त होती है कि इसके जरिए जुटाई जाने वाली राशि पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण जैसे प्रोजेक्ट पर ही खर्च होगी। यानी सीवरेज प्रोजेक्ट में सीवेज वॉटर की री-साइकलिंग सुनिश्चित करनी होगी और वॉटर सप्लाई में वॉटर मैनेजमेंट और वॉटर रीसाइकलिंग के प्रोजेक्ट पर काम होगा। निगम परिषद की अगली बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा। साल 2018 में निगम ने अमृत-1 के लिए 175 करोड़ रुपए बॉण्ड से जुटाए थे। निगम को यह राशि 9.22 प्रतिशत ब्याज दर पर मिली थी। इसके एवज में निगम को हर महीने 3.5 करोड़ रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। 2018 के बॉण्ड के एवज में निगम को 2028 तक ब्याज देना है। कई बार इस राशि को चुकाने को लेकर नगर निगम के कर्मचारी नाराजगी जता चुके हैं। उनका तर्क है कि हमें वेतन की बजाय निगम पहले बॉण्ड की राशि जमा कराता है। इस बार भी निगम को लगभग 9 प्रतिशत की ब्याज दर पर ही यह राशि मिलने की उम्मीद है।

### विवाह पंजीयन होगा

### अब 130 रुपए में

एमआईसी ने 60 दिन के भीतर विवाह पंजीयन कराने के लिए शुल्क 1000 रुपए से घटाकर 130 रुपए कर दिया है। 60 दिन के बाद पहले की तरह 1000 रुपए ही चुकाने होंगे। हाल ही में नगरनिगम ने इस व्यवस्था को ऑनलाइन किया है। इसके अलावा स्मार्ट सिटी टीटी नगर के प्लॉट नंबर 47 और 49 पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रस्तावित मकान अधर में हैं। नगर निगम ने इसके लिए जो टेंडर बुलाए थे, उनको निरस्त करने का प्रस्ताव एमआईसी में आया था, लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ।

# मप्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में जबरदस्त सुधार

भोपाल । वर्ष 2025 में मप्र ने कई क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए गए प्रशासनिक और डिजिटल सुधारों ने प्रदेश को निवेश के लिए भरोसेमंद राज्य के रूप में स्थापित किया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने के लिए छोटे अपराधों को अपराध मुक्त करने और दंड को युक्तिसंगत बनाने के मामले में मप्र देश के बेस्ट परफॉर्मिंग राज्यों में शामिल हो गया है। मप्र ने देश में हरियाणा के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। जबकि त्रिपुरा, ओडिशा और उत्तरप्रदेश संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे।

गौरतलब है कि मोहन सरकार ने मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के सिद्धांत पर चलते हुए व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया। समग्र सुधारों, डिजिटल पहलों और निवेशक-अनुकूल नीतियों के चलते मप्र ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में तेज प्रगति की। डिजिटल सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाएं और बड़े पैमाने पर सुधारों ने प्रदेश को देश के सबसे निवेशक-अनुकूल राज्यों में शामिल कर दिया है। मप्र में पिछले एक में जनविश्वात अधिनियम के माध्यम से 24 कानूनों में संशोधन कर कारावास या जुर्माना के स्थान पर शास्ति या पेनाल्टी लगाने के प्रावधान किए गए हैं। हालांकि कुछ मामलों में पेनाल्टी कई गुना बढ़ा दी गई है। अब यह मामले कोर्ट में भी नहीं जाएंगे, प्रशासनिक स्तर पर पेनाल्टी लगाकर इन्हें सुलझा लिया जाएगा। इसी प्रकार वर्तमान समय में अपनी प्रासंगिकता खो चुके चार कानूनों को राज्य सरकार ने खत्म कर दिया है।

### जनविश्वास विधेयक 2026 पर काम कर रही

अब सरकार जनविश्वास विधेयक 2026 पर काम कर रही है। इसके तहत मुख्यत- शिक्षा, पर्यावरण और जमीन संबंधी कानूनों के सरलीकरण पर काम किया जाएगा। इससे प्रदेश में और ज्यादा निवेश बढने् की संभावना है। पहले चरण में दिसंबर 2024 में सरकार ने 5 विभागों औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सहकारिता, श्रम, ऊर्जा और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के तहत 8 कानूनों की 64 धाराओं में संशोधन किया। दूसरे चरण में अगस्त 2025 में आठ विभागों के 16 कानूनों में संशोधन कर जुर्माने की बजाय पेनाल्टी के प्रावधान किए गए। हालांकि इसे 10 गुना तक बढ़ा दिया गया। इसके साथ सरकार ने चार कानून मप्र कपास (सांख्यिकी) अधिनियम 1947, मप्र कपास नियंत्रण अधिनियम 1954, मध्य भारत कृषि उपज तौल विनियमन अधिनियम 1956 और मप्र चेचक टीका अधि. 1968 शामिल हैं।

### 30 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर काम

केन्द्र के निर्देशानुसार अब्र सरकार 7 सेक्टर के 30 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर काम कर रही है। इनमें केन्द्र ने शिक्षा से जुड़े पांच क्षेत्र, यूटिलिटी और परमिशन्स के पांच, जमीन संबंधी तीन, बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन के दो, पर्यावरण संबंधी दो, श्रम का एक, सरकार की व्यापक प्राथमिकताएं, सरकार के लिए ऐच्छिक सात प्राथमिकताएं तय करने के लिए भी कहा है। इससे संबंधित एक बैठक भी सीएस ने करते हुए अफसरों को निर्देश दिए हैं। इसके तहत प्रमुख संशोधन किए गए हैं। जिसके तहत सहकारिता सोसायटी अधिनियम में सदस्यों की अनियमितताओं के लिए अब 25 हजार तक की पेनाल्टी का प्रावधान है। यह केस कोर्ट में नहीं जाएंगे। पहले 50 हजार रूपए तक जुर्माना था। नगर पालिक निगम अधिनियम में किसी ने नाली या सडक् को क्षतिग्रस्त किया या फिर निजी भूमि पर मार्ग के लिए चूने की लाइन डालकर प्लाटिंग की जाती है तो अर्थदंड पांच सौ के स्थान पर पांच हजार रुपए लगेगा। नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम से वह धारा हटाई गई जिसके तहत किसी भूमि या भवन में अधिकारी को रोकने पर 3 महीने तक कारावास की सजा थी। मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम में भवन अनुज्ञा से इतर निर्माण या अतिक्रमण वाले भवन स्वामियों पर जुर्माना नहीं अब 5 हजार तक पेनाल्टी। मप्र आयुर्वेदिक यूनानी तथा प्राकृतिक चिकित्सा व्यवसायी अधिनियम के उल्लंघन पर पहली बार 50 हजार इसके बाद 1 लाख तक पेनाल्टी। पहले 5 हजार थी। मप्र एग्रीकल्चर वेयरहाउस एक्ट का उल्लंघन करने पर पहले केवल 3 साल के कारावास की सजा अब 3 लाख की पेनाल्टी में बदला गया।

# कांस्टेबल और एसआई पोस्ट पर भर्ती में शामिल हो सकेगें थर्ड जेंडर

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब आरक्षक और सब इंस्पेक्टर की भर्ती में थर्ड जेंडर यानि किन्नर भी शामिल हो सकेंगे। शासन ने पुलिस भर्ती से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। इसके लिए गृह विभाग ने अधिसूचना कर दी है। इसमें कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस कार्यपालिक (अराजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 1997 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। नोटिफिकेशन में भर्ती प्रक्रिया के दौरान शारीरिक मापदंडों और परीक्षणों से संबंधित प्रावधानों में भी संशोधन किया गया है। राज्य शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि उम्मीदवारों की पात्रता, शारीरिक मानक और चयन प्रक्रिया संबंधित विभागीय दिशा-निर्देशों एवं शासन के पहले से प्रभावी नियमों के अनुरूप ही तय की जाएगी। जिन पुलिस भर्ती में शामिल होने वाले किन्नरों के लिए नियमों में एक और बदलाव किया गया है। इसमें कहा है, कि पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के 17 अप्रेल 2023 के आदेश के अनुसार उभयलिंगी (किन्नर) व्यक्ति को पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कैटेगरी में शामिल किया गया है। इसके चलते ये अब ओबीसी वर्ग के उम्मीदवार माने जाएंगे। गृह विभाग के नोटिफिकेशन में कहा है कि ऐसे लोगों के लिए कलेक्टर द्वारा जारी पहचान प्रमाण के आधार पर उनके महिला या पुरुष किन्नर के रूप में उन्हें चुना जाएगा। कलेक्टर मेडिकल बोर्ड से यह सर्टिफिकेट लेंगे कि किन्नर महिला या पुरुष है, इसके बाद वे पहचान पत्र जारी करेंगे। इसी के आधार पर भर्ती के दौरान किन्नर की महिला या पुरुष ट्रांसजेंडर में गणना की जाएगी। और चयन होने पर महिला किन्नर या पुरुष किन्नर के आधार पर उसे प्रशिक्षण देने की कार्यवाही की जाएगी।

# 17 हजार एकड़ का लैंड बैंक नए उद्योगों के लिए तैयार

भोपाल। लगातार औद्योगिक निवेश भोपाल सहित प्रदेशभर में बढ़ रहा है और इसका प्रमुख कारण रीजनल कॉन्क्लेव के आयोजन को जाता है, जिसके चलते हर क्षेत्र में अलग-अलग सेक्टर का निवेश हो रहा है। प्रदेश के 8 जिलों में लगभग 17 हजार एकड़ का लैंड भी एमपीआईडीसी ने तैयार किया है, क्योंकि लगातार जमीनों की मांग आ रही है। वर्ष 2025 में 4 हजार एकड़ से अधिक जमीनों का आबंटन 125 नए उद्योगों को किया, जिसमें लगभग 22 हजार करोड़ रुपए के निवेश के साथ 66 हजार से अधिक को रोजगार मिलने का दावा किया गया है। केन्द्रीय नेतृत्व ने भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस बात की प्रशंसा की कि उन्होंने औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया और संभाग स्तर पर जो रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित किए, उसके परिणाम सालभर में अच्छे मिले हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन में भी देश-विदेश की कम्पनियों ने जमीनों का आबंटन करवाया और वहां भी जमीनों का टोटा पडने् लगा। वहीं इंदौर-पीथमपुर इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर, सेक्टर-7 और पीएम मित्र पार्क में भी बड़ी कम्पनियों ने जमीनों का आबंटन करवाया है। एमपीआईडीसी के मुताबिक, लगभग 17 हजार एकड़ का लैंड बैंक इंदौर-पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में तैयार कर लिया है और लगातार नए उद्योगों को जमीनों का आबंटन किया जा रहा है। बीते वर्ष यानी 2025 की बात की जाए तो 4 हजार एकड़ से अधिक जमीनें सवा सौ नई औद्योगिक इकाइयों को आबंटित की गई, जिनमें 22 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है, जिसमें आईटी, टेक्सटाइल, गारमेंट, पेंट्स, डाटा सेंटर, लॉजिस्टिक, वेयर हाउस सहित अन्य तमाम प्रोजेक्ट आ रहे हैं। इतना ही नहीं, जो पीएम मित्र पार्क मध्यप्रदेश को मिला है, उसमें भी अरविन्द, बेस्ट लाइफ, जैन कोर्ड इंडस्ट्रीज से लेकर ट्राइडेंट जैसी बड़ी कम्पनियों को जमीनें आबंटित की गई हैं। इसी तरह सेक्टर-7 में भी कई बड़ी कम्पनियों, जिनमें एशियन पेंट, न्यू जील, जेएसडब्ल्यू सहित कई बड़े निर्माताओं ने जमीनें आबंटित कराई है। उल्लेखनीय है कि देशभर में केन्द्र सरकार ने जो पीएम मित्र पार्क घोषित किए, उसमें मध्यप्रदेश को भी एक पार्क मिला है। दूसरी तरफ पीथमपुर सेक्टर-7 में लैंड पुलिंग एक्ट पॉलिसी के तहत जमीन मालिकों को व्यवसायिक भूखंडों से लेकर अन्य आबंटन भी किए जा रहे हैं। अभी तक 500 करोड़ रुपए से अधिक के भूखंड आबंटित हो चुके हैं।

# भारतीय समाज का स्वभाव है सामाजिक सद्भाव - डॉ. मोहन भागवत

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि सामाजिक सद्भाव कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज का स्वभाव रहा है। समाज में सज्जन शक्ति का जागरण, आचरण में पंच परिवर्तन और निरंतर सद्भावना संवाद आज की अनिवार्य आवश्यकता है। यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई। मंच पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, प्र यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा तथा मध्यभारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय उपस्थित रहे। मध्यभारत प्रान्त के 16 शासकीय जिलों के समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता इस बैठक की विशेषता रही।

इस अवसर पर डॉ भागवत ने स्पष्ट किया कि समाज शब्द का अर्थ ही समान गंतव्य की ओर बढने् वाला समूह है। भारतीय समाज की कल्पना सदैव ऐसी रही है जिसमें जीवन भौतिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टियों से सुखी हो। हमारे ऋषि-मुनियों ने यह समझा कि अस्तित्व एक है, केवल देखने की दृष्टि अलग-अलग है। उनकी तपस्या और साधना से ही राष्ट्र का निर्माण हुआ और वही हमारी सांस्कृतिक नींव है।

डॉ. भागवत ने कहा कि कानून समाज को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन समाज को चलाने और जोडक्र रखने का कार्य सद्भावना ही करती है। विविधता के बावजूद एकता ही हमारी पहचान है। बाहरी रूप से हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के स्तर पर हम सभी एक हैं। इसी विविधता में एकता को स्वीकार करने वाला समाज हिंदू समाज है। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई संज्ञा नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो मत, पूजा पद्धति या जीवनशैली के आधार पर झगड़ा नहीं करता।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज में भ्रम फैलाकर जनजातीय और अन्य वर्गों को यह कहकर तोडने् का प्रयास किया गया कि वे अलग हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हजारों वर्षों से अखंड भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक है। संकट के समय ही नहीं, बल्कि हर समय सद्भावना बनाए रखना आवश्यक है। मिलना, संवाद करना और एक-दूसरे के कार्यों को जानना ही सद्भावना की पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि समर्थ को दुर्बल की सहायता करनी चाहिए।

### समाज से राष्ट्र तक का भाव - पंडित प्रदीप मिश्रा

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि सभी समाज अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन यह प्रश्न भी आवश्यक है कि हमने राष्ट्र के लिए क्या किया और राष्ट्र को क्या दिया। उन्होंने कहा कि संघ और शिव के भाव में अद्भुत समानता है। जैसे शिव ने समस्त सृष्टि के लिए विष पिया, वैसे ही संघ प्रतिदिन आरोपों का विष पीकर भी संयम और राष्ट्रहित में कार्य करता है।

उन्होंने कहा कि जन्म चाहे किसी भी जाति में हुआ हो, पहचान अंतत- हिंदू, सनातनी और भारतीय की ही है। प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रोत्थान और समाजोत्थान की अद्भुत क्षमता है। धर्मांतरण को उन्होंने केवल वर्तमान पीढ़ी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढियों को भी प्रभावित करने वाला गंभीर षड्यंत्र बताया और इसके प्रति समाज को सजग रहने का आह्वान किया।

पंडित मिश्रा ने 'ग्रीन महाशिवरात्रि' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि घर-घर मिट्टी के शिवलिंग की पूजा सामाजिक समरसता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव बैठक का मूल उद्देश्य यही है कि हम अपने साथ-साथ अपने पड़ोसी और समाज को भी लेकर आगे बढ़ें। जैसे लंगर में जाति नहीं पूछी जाती, वैसे ही राष्ट्र निर्माण के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

### एक समाज, एक राष्ट्र की दिशा में सार्थक पहल

सामाजिक सद्भाव बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि समाज अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए स्वयं आगे आएगा और सरकार की प्रतीक्षा किए बिना सामूहिक प्रयास करेगा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह बैठक किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि स पूर्ण हिंदू समाज की है। उद्देश्य एक ही है कि पूरा समाज मिलकर पूरे समाज को बलशाली बनाए और एक समाज, एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ता से खड़ा रहे।

# मप्र में अब थर्ड जेंडर बनेंगे कमांडेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस में थर्ड जेंडर के लिए नौकरी के रास्ते और खुल गए हैं। आरक्षक पद के बाद अब सब इंस्पेक्टर और सूबेदार भर्ती परीक्षा में थर्ड जेंडर के अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे। राज्य सरकार ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके अनुसार थर्ड जेंडर अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए संबंधित जिले के कलेक्टर कार्यालय से जारी थर्ड जेंडर सर्टिफिकेशन लगाना होगा। इस सर्टिफिकेट में प्रमाणित किया जाएगा कि अभ्यर्थी का मूल लिंग पुरूष है या फिर महिला।

मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक पद पर थर्ड जेंडर अभ्यर्थियों को भर्ती में स्थान देने की प्रक्रिया 2021 में शुरू हुई थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को थर्ड जेंडर समुदाय को सरकारी नौकरियों में स्थान देने का आदेश जारी किया। इसके बाद मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक भर्ती परीक्षा 2025 में थर्ड जेंडर को भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने का निर्णय किया। इस भर्ती परीक्षा में 9 लाख 78 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, इनमें थर्ड जेंडर के 4 अभ्यर्थी शामिल हैं। हालांकि अभी तक चयन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। आरक्षक वर्ग के बाद अब पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर और सूबेदार भर्ती परीक्षा में भी थर्ड जेंडर को लाभ मिल सकेगा।

थर्ड जेंडर अभ्यर्थियों को सामान्य अभ्यर्थियों की तरह पूरी परीक्षा प्रक्रिया से गुजरना होगा। थर्ड जेंडर के अभ्यर्थियों को पहले लिखित परीक्षा देनी होगी। इसके बाद मेडिकल सर्टिफिकेशन के आधार पर उन्हें महिला और पुरूष वर्ग में से किसी एक वर्ग में शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल किया जाएगा। उन्हें प्रमाण पत्र के आधार पर महिला और पुरूष वर्ग में शारीरिक मानकों का पालन करना होगा। यही प्रक्रिया भर्ती के बाद ट्रेनिंग में भी लागू होगी।

### पहली थर्ड जेंडर कर्मचारी ने जताई खुशी

उधर मध्य प्रदेश सरकार में 2019 में पहली बार सरकारी नौकरी पाने वाली थर्ड जेंडर संजना सिंह ने इसका स्वागत किया है। उन्होंने कहा, पुलिस विभाग में थर्ड जेंडर के लिए रास्ता सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद खुला था। खुशी है कि आरक्षक के बाद बड़े पदों पर भी थर्ड जेंडर के प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं। समाज को भी खुले दिल से थर्ड जेंडर को स्वीकार करना चाहिए और अपने बीच स्थान देना चाहिए। मैंने भी जब पहली बार नौकरी ज्वाइन की थी, तब मेरे समकक्षों के बीच यह असमंजस थी कि कैसे आखिर वे एक ट्रांसजेंडर के साथ एडजस्ट करेंगे, क्योंकि समाज में किन्नरों की नेगेटिव छवि बनाई हुई है, जबकि पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं होती।

# मंत्री उदय प्रताप सिंह 5 जनवरी को करेंगे 69वीं राष्ट्रीय स्तरीय शालेय क्रीड़ा रायफल शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

भोपाल। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह 69वीं राष्ट्रीय स्तरीय शालेय क्रीड़ा रायफल शूटिंग प्रतियोगिता 2025-26 का शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 5 जनवरी को दोपहर 2 बजे शुभारंभ करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 9 जनवरी तक होगा। समारोह में भोपाल नगर निगम महापौर श्रीमती मालती राय भी उपस्थित रहेंगी।

# न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित,शुभमन करेंगे कप्तानी

## श्रेयस को उपकप्तान बनाया गया, सिराज की टीम में वापसी : बुमराह और हार्दिक को आराम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम की कप्तानी बल्लेबाज शुभमन गिल करेंगे। वहीं श्रेयस अय्यर को उप्कप्तान बनाया गया है। बोर्ड ने हालांकि कहा कि श्रेयस के खेलने पर अंतिम फैसला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की फिटनेस रिपोर्ट के बाद लिया जाएगा। इस साल की इस पहली सीरीज में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी टीम में बनाये रखा गया है। रोहित और विराट ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे दोनो पर चयनसमिति का भरोसा बना हुआ है। वहीं टीम में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और तेज जसप्रीत बुमराह को शामिल नहीं करते हुए आराम दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मी सिराज की वापसी हुई है।

सिराज ने पिछले एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए आराम दिया गया था। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। सिराज के अलावा बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में जगह मिली है। स्पिनर के तौर पर चाइनामैच कुलदीप यादव को रखा गया है। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और भी रहेंगे जो कुलदीप की स्पिन गेंदबाजी में सहायता करेंगे। टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी अवसर दिया गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इस बार भी उपेक्षा हुई है।

### एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम

एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इसका पहला मैच वडोदरा में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 14 जनवरी को राजकोट में होगा जबकि तीसरे मुकाबले में 18 जनवरी को दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलती नजर आएंगी।

**टीम इस प्रकार है-** शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल।

## क्रिकेट खेलने धोती-कुर्ता पहनकर मैदान में उतरेंगे खिलाड़ी, संस्कृत में होगी कमेंट्री

भोपाल। क्रिकेट की दीवनगी और सनातन संस्कृति की झलक देखनी हे तो सोमवार से भोपाल में होने वाले महर्षि मैत्री क्रिकेट श्रृंखला को देखने आप राजधानी के अंकुर मैदान में पहुच जाए। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ी धोती-कुर्ता पहनकर मैदान में उतरेंगे, जबकि मैच की कमेंट्री संस्कृत भाषा में की जाएगी। यह अनूठा आयोजन 5 से 9 जनवरी 2026 तक शहर के अंकुर खेल मैदान में होगा। परशुराम कल्याण बोर्ड और वैदिक ब्राह्मण युवा खेल कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल के माध्यम से संस्कृत भाषा, सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। इस प्रतियोगिता में 27 टीम भाग लेंगी।

### संस्कृति के साथ क्रिकेट का संगम

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी पारंपरिक भारतीय परिधान में खेलेंगे और मैदान पर हर घोषणा, निर्णय और कमेंट्री संस्कृत में होगी। इससे दर्शकों को न केवल क्रिकेट का रोमांच मिलेगा, बल्कि संस्कृत भाषा से जुड़ने का भी अवसर मिलेगा।

### श्रृंखला 5 से 9 जनवरी तक

इस अनूठे आयोजन को लेकर परशुराम कल्याण बोर्ड कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोर्ड अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया ने प्रतियोगिता की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि महर्षि मैत्री क्रिकेट श्रृंखला 5 से 9 जनवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी और इसका उद्देश्य युवाओं को खेल के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किसी जाति या वर्ग का बंधन नहीं है। संस्कृत भाषा और वैदिक परंपरा में रुचि रखने वाला हर खिलाड़ी इसमें भाग ले सकता है।

### विजेता टीम को धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री करेंगे सम्मानित

विष्णु राजोरिया ने बताया कि प्रतियोगिता की विजेता टीम को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा। वे आयोजन से प्रतिदिन ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी करेंगे। आयोजन में विजेता टीम को 25 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 15 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा।इसके अलावा मैन ऑफ द मैच को धार्मिक ग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

## पुडुचेरी के अमन ने मप्र को दी मात, 4 विकेट से हारी वेंकटेश की सेना

### अक्षत और आर्यन की 113 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी गई बेकार; कप्तान अमन खान का ऑलराउंड प्रदर्शन

इंदौर/अहमदाबाद । विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप के लीग मैच में शनिवार को मध्य प्रदेश को पुडुचेरी के हाथों 4 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। अहमदाबाद के गुजरात कॉलेज ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में मप्र के सितारों से सजे शीर्ष क्रम ने निराश किया। पुडुचेरी के कप्तान अमन खान ने पहले गेंदबाजी में 3 विकेट झटके और फिर नाबाद 59 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

### बल्लेबाजों का फ्लॉप शो, अक्षत-आर्यन ने संभाली लाज

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मप्र की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज हर्ष गवली (3), यश दुबे (8) और हिमांशु मंत्री (22) पावरप्ले का फायदा नहीं उठा सके। कप्तान वेंकटेश अय्यर (12) और सारांश जैन (1) भी सस्ते में पवेलियन लौट गए। एक समय टीम ने मात्र 115

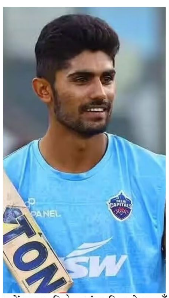


रनों पर 8 विकेट गंवा दिए थे। यहाँ से अक्षत रघुवंशी और आर्यन पांडे ने मोर्चा संभाला। दोनों ने नौवें विकेट के लिए 113 रनों की जुझारू साझेदारी कर स्कोर 228 तक पहुँचाया। अक्षत ने 67 गेंदों पर 73 रन (5 चौके, 3 छक्के) बनाए, जबकि आर्यन ने 46 रनों का योगदान दिया। शुभम शर्मा ने भी 47 रन बनाए। पुडुचेरी की ओर से अमन खान ने 3 और सागर उदेशी ने 2 विकेट लिए।

### परमेश्वरन की आतिशबाजी और अमन का फिनिशिंग टच

229 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुडुचेरी को अजय रोहरा (41) और जसवंत (29) ने ठोस शुरुआत दी। इसके बाद एस. परमेश्वरन ने मप्र के गेंदबाजों पर धावा बोल दिया। उन्होंने मात्र 60 गेंदों पर 65 रन (6 चौके, 3 छक्के) ठोककर मैच पुडुचेरी की तरफ मोड़ दिया। मध्यक्रम में कुछ विकेट गिरने के बाद कप्तान अमन खान ने धैर्य दिखाया और 55 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाकर 43वें ओवर में ही जीत दिला दी। मप्र की ओर से शुभम शर्मा ने 2 विकेट लिए, जबकि कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन और राहुल बाथम को 1-1 सफलता मिली।

### संक्षिप्त स्कोरकार्ड

**मध्य प्रदेश** - 228/10 (49.5 ओवर) (अक्षत रघुवंशी 73, शुभम शर्मा 47, आर्यन पांडे 46; अमन खान 3/58, सागर उदेशी 2/19)

**पुडुचेरी** - 229/6 (43.0 ओवर) (एस. परमेश्वरन 65, अमन खान 59*, अजय रोहरा 41; शुभम शर्मा 2/27, सारांश जैन 1/51)

**परिणाम** - पुडुचेरी 4 विकेट से विजयी।

## दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीम, मार्करम होंगे कप्तान

### कॉर्बिन, डेवाल्ड जैसे युवाओं को मिली जगह, स्टब्स बाहर हुए

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड (सीएसए) ने अगले माह होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए टीम घोषित कर दी है। सीएसए की पुरुष चयन समिति ने एडेन मार्करम की कप्तानी में विश्वकप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है। ये टूर्नामेंट 07 फरवरी से 08 मार्च तक संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

इस टीम में कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका और जेसन स्मिथ जैसे युवा खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की भी टीम में वापसी हुई है। रबाडा पसली में चोट के कारण भारत के खिलाफ सफेद गेंद सीरीज से बाहर थे। वहीं हैरानी की बात है कि अनुभवी बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को इस टीम में जगह नहीं मिली है। स्टब्स को पिछले कुछ समय में खराब प्रदर्शन के कारण टीम में जगह नहीं मिल पायी है। उनका प्रदर्शन भारत दौरे पर अच्छा नहीं रहा था।

वहीं स्पिनर के तौर पर टीम में केशव महाराज को जगह मिली है। उनका सहायोग नये स्पिनर जॉर्ज लिंडे करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने अब तक पुरुष टी20 विश्व कप नहीं जीता है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। पिछली बार उसे फाइनल में भारतीय टीम ने हराया था। इस बार दक्षिण अफ्रीका की टीम को ग्रुप-डी में रखा गया है। यहां उसका मुकाबला अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 09 फरवरी को कनाडा के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

टीम इस प्रकार है- एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), टोनी डी जोरजी, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को जानसेन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, जेसन स्मिथ, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश और एनरिक नॉर्किया।

### ग्रुप मैचों का कार्यक्रम

09 फरवरी दक्षिण अफ्रीका और कनाडा, अहमदाबाद

11 फरवरी दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान, अहमदाबाद

14 फरवरी दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड, अहमदाबाद

18 फरवरी दक्षिण अफ्रीका और यूएई, दिल्ली

## 21 जनवरी से शुरु होगी 79वीं राष्ट्रीय संतोष ट्रॉफी फुटबॉल चैंपियनशिप

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्राफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर में खेली जाएगी। 21 जनवरी से 8 फरवरी तक होने वाली संतोष ट्रॉफी में देश भर की 12 फुटबॉल टीमें भाग लेंगी। महासंघ ने संतोष ट्राफी के फाइनल ड्रा की घोषणा भी कर दी। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान की टीमें है जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। इस टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे।

## वैभव अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी बने

### पाक के अहमद शहजाद को पीछे छोड़ा

बेनोनी। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंडर-19 यूथ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मुकाबले में उतरने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। 14 साल के वैभव अब किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम था। शहजाद ने 15 साल 141 दिन की उम्र में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। यह पहली बार था जब वैभव ने किसी भी स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की है। वैभव हालांकि इस मैच में अपने बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाये और 12 गेंदों में केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। वैभव का

बल्ला भले ही न चला हो, लेकिन मैच में उतरते ही वैभव ने इतिहास रच दिया।

वैभव को नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे के चोटिल होकर बाहर होने के बाद कप्तानी सौंपी गई गयी थी। आयुष के 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप से टीम में वापसी की उम्मीद है।

अब वैभव 16 साल की उम्र से पहले किसी भी अंडर-19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद का वह रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2007 से कायम था।

वहीं वैभव अब उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें बेहद कम उम्र में कप्तानी की है। इस सूची में मेहदी हसन मिराज, फरहान जाखिल, एम्बिशस मुदुमा और साद बैग जैसे नाम शामिल हैं। दुनिया भर में अब तक केवल पांच खिलाड़ियों ने ही 16 साल से पहले यूथ अंतराष्ट्रीय में अपनी टीम की कप्तानी की है।

## स्मिथ और रूट को उथप्पा ने दी सलाह

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने एशेज सीरीज के मैचों के दो से तीन दिनों में समाप्त होने पर निराशा जताती है। उथप्पा ने इसके साथ ही इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ से कहा है कि उन्हें अगर टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित रखना है तो आजिंक्य रहाणे और चैतेश्वर पुजारा की तरह कठिन पिचों पर धैर्य से बल्लेबाजी करनी होगी। उथप्पा के अनुसार इस प्रकार खेलने से टेस्ट क्रिकेट का रोमांच बढ़ने के साथ ही मैच भी पूरे पांच दिन चल पायेंगे। इस पूर्व क्रिकेटर का कहना है कि जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला गया बॉक्सिंग डे टेस्ट केवल दो दिन चला वह इसके भविष्य के लिए अच्छा नहीं है।

साथ ही कहा कि हाल के दिनों में कठिन पिचों पर जिस तरह से बल्लेबाज अपना धैर्य खो रहे हैं

उसे भी टेस्ट को नुकसान हो रहा है। इस पूर्व बल्लेबाज के अनुसार कठिन पिचों पर आप 300 रन बनाने के बजाय अगर संयम से बल्लेबाजी करते हुए 250 रन भी बनाते हैं तो वह एक अच्छा स्कोर होगा। रहाणे और पुजारा ने कई बार भारतीय टीम की ओर से इस प्रकार का प्रदर्शन किया है। यही रूट और स्मिथ को भी करना होगा।

उथप्पा ने कहा, 卐हाल के कुछ सालों में टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी की रणनति बदली है। अब आक्रामक अंदाज को अधिक अपनाया जा रहा है। साथ ही कहा कि गेंदबाजों के लिए सहायक पिच बल्लेबाजी के लिए कठिन होती है पर अगर बल्लेबाज मानसिक रूप से मजबूत होकर विकेट पर टिके रहना चाहे तो लंबी पारी खेल सकते हैं। टेस्ट को एकदिवसीय या टी20 के अंदाज में खेलना सही नहीं है। इस प्रकार दो दिनों में मैच समाप्त होने से दर्शक भी इससे दूर हो जाएंगे।

## भारतीय टीम का श्रीलंका दौरा तय समय पर होगा - सिल्वा

मुम्बई । श्रीलंकाई बोर्ड (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भले ही गत माह चक्रवात प्रभावितों के लिए दो प्रस्तावित चैरिटी मैच खेलने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था पर अगस्त में होने वाला भारतीय टीम का दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। भारतीय टीम को इस साल अगस्त माह में श्रीलंका का दौरा करना है। इस दौरे में उसे दो टेस्ट और दो टी-20 अंतराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। सिल्वा ने कहा है कि यह द्विपक्षीय सीरीज अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित की जाएगी। साथ ही कहा कि इस दौरे में क्रिकेट प्रशंसकों को दोनों देशों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

वहीं सिल्वा ने कहा कि चक्रवात पीड़ितों की सहायता के लिए राहत राशि एकत्र करने श्रीलंकाई बोर्ड अब अन्य विकल्पों को देख रहा है। इसी के तहत ही अगले सप्ताह दांबुला में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से प्राप्त होने वाली पूरी धनराशि राहत कोष में दी जाएगी। इसके साथ ही कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान को बेहतर बनाया जा रहा है। बोर्ड की योजना इस स्टेडियम की क्षमता बढ़ाने और यहां भविष्य में दिन-रात के टेस्ट आयोजित करने की है।

गौरतलब है कि साल 2026 के टी-20 विश्व के कुछ मैच श्रीलंका में भी खेले जाएंगे।

## एस20 का मजाकिया वीडियो सामने आया, मिलर ने रिकेल्टन को पटका

जोहांसबर्ग । आजकल दक्षिण अफ्रीका में एसए टी20 क्रिकेट के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसके एक मैच में पर्ल रॉयल ने एमआई केपटाउन को एक रन से हरा दिया। इस मैच में खेल के साथ ही हंसी मजाक भी काफी क्षण आये हैं। इस मैच में डेविड मिलर ने रायन रिकेल्टन को अचानक ही मैदान पर पटक दिया जिसे देखकर सभी हैरान रह गये पर बाद में पता चला कि ये तो हंसी मजाक था। इसी का एक रोचक वीडियो भी सामने आया है।

एसए20 ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा भी किया है। इस वीडियो में रिकेल्टन तेजी के एक एक रन लेते हैं। तब गेंद मिलर के हाथ में जाती है और वो थ्रो करते हैं। इसी दौरान रिकेल्टन नॉन स्ट्राइक एंड पर दौड़ लगाते हुए मिलर के पास आते हैं। मिलर भी मजाक में रिकेल्टन को जमीन पर पटक देते हैं। पहले लगा कि ये लड़ाई है पर बाद में पता चला कि दोनों खिलाड़ी मस्ती कर रहे थे।

वहीं मैच की बात करें तो पर्ल रॉयल ने एमआई केपटाउन को एक रन से हरा दिया। मैच में पर्ल रॉयल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 3 विकेट के नुकसान पर 181 रन बनाये। वहीं इसके जवाब में एमआई केपटाउन की टीम अंतिम गेंद तक 180 रन ही बना सकी, इस प्रकार उसे केवल 1 रन से हार झेलनी पड़ी।

इस मैच में एमआई की टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 14 रन बनाने थे पर . पर्ल के गेंदबाज ओटनिल बार्टमैन ने 13 रन देकर राशिद खान और फिर कगिसो रबाडा को आउट कर अपनी टीम को एक रन से जीत दिला दी।

## बीसीसीआई ने केकेआर से कहा, मुस्तफिजुर को आईपीएल टीम से बाहर करें

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से हटाने को कहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि शाहरुख खान के मालिकाना अधिकार वाली केकेआर से मुस्तफिजुर को तत्काल बाहर करने को कहा गया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए देश भर में कई संगठनों व लोगों ने मुस्तफिजुर को आईपीएल से बाहर करने को कहा था। सैकिया ने एक बयान में कहा, 'हाल में जो कुछ बांग्लादेश में हो रहा है, उसे देखते हुए बोर्ड ने केकेआर से कहा है कि बांग्लादेश के किसी भी खिलाड़ी को टीम में नहीं रखा जा सकता है, इसलिए मुस्तफिजुर को रिलीज किया जाये। साथ ही कहा कि अगर केकेआर उनकी जगह किसी रिप्लेसमेंट की मांग

करते हैं, तो बोर्ड इसके लिए भी उसे इजाजत दे रहा है।'

इससे पहले आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर सहित कई अन्य ने मुस्तफिजुर को शामिल करने पर केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान की कड़ी आलोचना की थी और कहा था कि वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल कैसे किया जा सकता है। बोर्ड के मुस्तफिजुर को बाहर करने के फैसले से केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। मुस्तफिजुर को केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा था। टीम ने इस खिलाड़ी के स्तर को देखते हुए उसे इतनी भारी रकम देकर खरीदा था पर अब टीम उसका लाभ उसे नहीं मिलेगा। मुस्तफिजुर अंतिम ओवरों में अपनी प्रभावी गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस खिलाड़ी ने पहले भी आईपीएल में कई टीमों से खेला है।

मुस्तफिजुर ने साल 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल में डेब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 60 आईपीएल मैचों में 8.13 की इकॉनमी रेट से 65 विकेट लिए हैं। वह पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के चोटिल होने पर उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स में वापस आ गये थे।

# क्या खत्म होगी मनरेगा की जॉब गारंटी ? खरगे का, नए कानून अधिकारों पर सीधा हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस के एमजीएनआरईजीए बचाओ संग्राम की तीन प्रमुख मांगों को रेखांकित कर इस बात पर जोर दिया कि यह योजना दान नहीं बल्कि एक कानूनी गारंटी है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि कांग्रेस केंद्र सरकार से हाल ही में पारित विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को वापस लेने, एमजीएनआरईजीए को अधिकार-आधारित कानून के रूप में बहाल करने और काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल करने की मांग करती है।

कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि एमजीएनआरईजीए दान नहीं है। यह एक कानूनी गारंटी है। करोड़ों सबसे गरीब लोगों को उनके अपने गांवों में काम मिला, एमजीएनआरईजीए ने भूख और संकटग्रस्त पलायन को कम किया, ग्रामीण मजदूरी बढ़ाई और महिलाओं की आर्थिक गरिमा को मजबूत किया कांग्रेस नेता खरगे ने आरोप लगाया कि वीबी-जी

राम जी अधिनियम एमजीएनआरईजीए की अधिकार-आधारित संरचना को नष्ट करता है, क्योंकि यह गारंटीकृत कार्य को मनमानी से बदल देगा, नियंत्रण को केंद्रीकृत करेगा और ग्राम सभाओं और राज्यों को कमजोर करेगा।

खरगे ने कहा कि वीबी ग्राम जी अधिनियम इसी अधिकार को समाप्त करने के लिए लाया गया है। कांग्रेस इसका विरोध करती है, क्योंकि काम अब गारंटीकृत अधिकार नहीं रहेगा, बल्कि चुनिंदा पंचायतों में केवल एक अनुमति होगी। बजट सीमित कर दिए जाएंगे, इसलिए संकट के समय में भी धन समाप्त होते ही काम भी बंद होगा। दिल्ली निधि और कार्यों का निर्णय करेगी, जिससे ग्राम सभाएं और पंचायतें अप्रासंगिक हो जाएंगी। 60 दिनों के काम पर रोक से संकट के चरम समय में काम से इंकार करना वैध हो जाएगा। मजदूरी एक संरक्षित अधिकार होने के बजाय अनिश्चित और दमनीय हो जाएगी। राज्यों को 40 प्रतिशत निधि प्रदान करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जिससे संघवाद कमजोर होगा और गरीब राज्यों को नुकसान होगा। प्रौद्योगिकी बायोमैट्रिक और ऐप-आधारित बाधाओं के माध्यम से श्रमिकों को बाहर कर देगी। ग्राम संपत्तियों को ठेकेदार शैली की परियोजनाओं से बदल दिया जाएगा। खरगे ने कहा कि एमजीएनआरईजीए पर हमला करोड़ों श्रमिकों और उनके संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। हम हर पंचायत से लेकर संसद तक शांतिपूर्ण और दृढ़ता से इसका विरोध करने वाले है।

# परमाणु ऊर्जा रेलवे के लिए व्यवहार्य और व्यावहारिक समाधान प्रदान करती है

## -केंद्रीय मंत्री ने कहा- देश भविष्य की नई अर्थव्यवस्था के लिए तैयार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि छोटे और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर एआई-आधारित अर्थव्यवस्था और रेलवे के लिए डेटा केंद्रों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यवहार्य और व्यावहारिक समाधान प्रदान करते हैं। रेल मंत्री ने कहा कि भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास विधेयक के पारित होने से देश भविष्य की नई अर्थव्यवस्था के लिए तैयार हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैष्णव ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि जैसे-जैसे दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना रही है, डेटा केंद्र एआई-आधारित अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान करेंगे। इन डेटा केंद्रों को भारी मात्रा में ऊर्जा की जरुरत होगी, जो केवल परमाणु ऊर्जा से ही प्राप्त की जा सकती है। मंत्री ने कहा कि परमाणु ऊर्जा ही एकमात्र ऐसा स्रोत है जो बिना किसी प्रदूषण के सतत आधार भार और भारी विद्युत धारा प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि नए डिजाइन से कंटेनर में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना संभव हो जाता है, जिसे 14 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जा सकता है।

वैष्णव ने कहा कि जहाजों को बिजली देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 15-30 मेगावाट क्षमता वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का इस्तेमाल रेलवे परिचालन के लिए भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रेलवे देश भर में 700 स्थानों पर ग्रिड से बिजली लेता है। छोटे और मॉड्यूलर रिएक्टरों को भी बिजली के एक स्थायी स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में कई अंतर्निहित सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उनके बड़े पैमाने पर उपयोग को संभव बनाती हैं।

वैष्णव ने कहा कि शांति विधेयक इसलिए पारित किया गया ताकि परमाणु ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत बन सके। निजी क्षेत्र की कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की अनुमति देने वाला शांति विधेयक पिछले महीने शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया था। राष्ट्रपति ने शांति अधिनियम को अपनी मंजूरी दे दी है।

# महाराष्ट्र राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा, सीएम फडणवीस ने लोगों को दिलाया भरोसा

**मुंबई** । पहचान और शासन को लेकर चल रही बहसों के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फिर कहा हैं कि राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा है और नागरिकों को आश्वासन दिया है कि कोई अन्य भाषा थोपी नहीं जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है और इस बात पर जोर दिया है कि राज्य सरकार का अपने लोगों पर कोई अन्य भाषा थोपने का इरादा नहीं है। उनकी यह टिप्पणी भाषा नीति, शिक्षा और सांस्कृतिक पहचान पर चल रही राजनीतिक और सार्वजनिक चर्चा के बीच आई है। जबकि सरकार इस रुख को मराठी गौरव को संरक्षित करने और भाषाई विविधता का सम्मान करने के बीच संतुलन के रूप में प्रस्तुत करती है, विपक्षी दल, शिक्षाविद और नागरिक समाज समूह इस बात पर बहस जारी रखे हुए हैं कि ऐसी नीतियां अल्पसंख्यकों, सामाजिक सद्भाव और रोजमर्रा के शासन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य की स्कूली शिक्षा में मराठी भाषा ही एकमात्र अनिवार्य भाषा रहेगी। किसी अन्य भारतीय भाषा को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। अन्य भाषाएं किस कक्षा से पढ़ाई जाएंगी, इस पर फैसला डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा। यह बात उन्होंने 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की पहचान और आत्मा है। इसलिए इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अन्य भारतीय भाषाओं के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्हें अनिवार्य करने का कोई इरादा भी नहीं है। भाषा नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाने के लिए डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट अंतिम चरण में है और उसी के आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। मराठी साहित्य और संस्कृति पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने राज्यव्यवहार कोश के माध्यम से मराठी को प्रशासनिक भाषा का दर्जा दिया था। सरकार आज भी मराठी के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया जाना गर्व की बात है।

# कानून का सम्मान ⁼ बेटे के जन्म के बाद गुजरात के एक सरपंच ने स्वेच्छा से दिया पद से इस्तीफा

गिर सोमनाथ। गुजरात के पंचायती राज के इतिहास में एक प्रेरणादायक घटना सामने आई है। गिर सोमनाथ जिले के तालाला तालुका स्थित खीरधार गांव के सरपंच रमेश चुडासमा ने पुत्र प्राप्ति की खुशी में कानून का सम्मान करते हुए स्वेच्छा से अपने पद से इस्तीफा देकर नई मिसाल कायम की है।खीरधार गांव के सरपंच रमेश चुडासमा की पहले से दो बेटियां थीं। लंबे समय से परिवार को पुत्र की कामना थी, जो हाल ही में पूरी हुई। एक ओर परिवार में बेटे के जन्म से खुशी का माहौल था, वहीं दूसरी ओर रमेश के सामने नैतिक और कानूनी सवाल खड़ा हो गया। गुजरात पंचायत अधिनियम के तहत 'दो संतान' की सीमा का सख्त प्रावधान है। नियमों के अनुसार, किसी निर्वाचित प्रतिनिधि के तीन या उससे अधिक संतान होने पर वह न तो चुनाव लड़ सकता है और न ही पद पर बना रह सकता है। आमतौर पर ऐसे मामलों में विरोधी पक्षों की शिकायत के बाद लंबी कानूनी प्रक्रिया चलती है और अंततः सरपंच या सदस्य को पद से हटाया जाता है। लेकिन रमेश चुडासमा ने किसी शिकायत का इंतजार किए बिना और पद से चिपके रहने के बजाय, पुत्र के जन्म के तुरंत बाद स्वयं ही सरपंच पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह साबित किया कि उनके लिए पद से अधिक महत्वपूर्ण कानून का पालन और पारिवारिक सुख है। जिले में यह पहली घटना मानी जा रही है, जहां किसी सरपंच ने तीसरे संतान के जन्म के बाद स्वेच्छा से पद त्यागा हो। स्थानीय सूत्रों और जानकारों के अनुसार, संभवतः पूरे गुजरात में यह अपनी तरह का पहला मामला है। रमेश चुडासमा की इस पहल की पूरे जिले में सराहना और चर्चा हो रही है।

# पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और टीएमसी के बीच विवाद तेज

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच विवाद तेज हो गया है। यह मामला अब अदालत तक पहुंचने की कगार पर है। निर्वाचन आयोग ने टीएमसी की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें पार्टी के बीएलए को मतदाता सूची के मसौदे पर दावों और आपत्तियों की सुनवाई सत्रों में भाग लेने की अनुमति देने की अपील की थी।

राज्य में तीन चरणों वाली एसआईआर प्रक्रिया का पहला चरण पूरा हो चुका है। घर-घर सर्वे, फॉर्म वितरण, फॉर्म भरवाने और डिजिटल एंट्री के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हो चुकी है। अब दूसरा चरण दावों और आपत्तियों की सुनवाई पर केंद्रित है, जो 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। निर्वाचन आयोग के सूत्रों के मुताबिक यदि टीएमसी की मांग मान ली जाती, तो अन्य सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की समान मांगें भी स्वीकार करनी पड़तीं।

इससे सुनवाई में कम से कम 11 अतिरिक्त व्यक्ति उपस्थित होते, जिसमें दावेदार, उसके सहायक और कम से कम आठ दलों के बीएलए शामिल होते। इसमें चुनावी पंजीकरण अधिकारी, सहायक ईआरओ, माइक्रो ऑब्जर्वर के अलावा मतदाता और उसके साथी भी होते। ईसीआई सूत्रों का कहना है कि इतनी भीड़ में सुनवाई प्रक्रिया संचालित करना असंभव हो जाता और अलग-अलग एजेंट अपनी-अपनी व्याख्या करते, जिससे अराजकता फैलती। पश्चिम बंगाल में मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय पार्टियां टीएमसी और फॉरवर्ड ब्लॉक हैं, जबकि राष्ट्रीय पार्टियां बीजेपी, कांग्रेस, सीपीआई(एम), आम आदमी पार्टी, बसपा और एनपीपी हैं।

आयोग के इनकार पर टीएमसी ने आरोप लगाया कि यह जानबूझकर किया गया, क्योंकि अन्य दलों, खासकर बीजेपी के पास सभी सुनवाई टेबलों के लिए पर्याप्त बीएलए नहीं हैं। टीएमसी ने कहा कि बीजेपी के पास तो उम्मीदवार उतारने लायक कार्यकर्ता भी नहीं हैं। आयोग के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि वे किसी पार्टी की कथित ताकत या कमजोरी की कल्पना पर फैसले नहीं ले सकते। सभी दलों के लिए समान नियम लागू करने होते हैं, जो व्यावहारिक और उपयोगी हों। चुनाव आयोग ने कहा कि सुनवाई में दस्तावेजों के जांच और सवाल-जवाब होते हैं, जिसमें बीएलए की कोई राजनीतिक भूमिका नहीं है। इसलिए सभी दलों के बीएलए को अनुमति न देना तर्कसंगत है, ताकि प्रक्रिया बिना बाधा के पूरी हो। टीएमसी आयोग के इस फैसले को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की पारदर्शिता का मुद्दा बता रही है, जबकि आयोग इसे प्रक्रिया की सुचारूता के लिए जरूरी कदम मानता है।

# तमिलनाडू में कांग्रेस सांसद का आरोप, कुछ नेता अपने निजी स्वार्थ के लिए पार्टी को बर्बाद कर रहे

चेन्नई। कांग्रेस की लोकसभा सांसद एस. ज्योतिमणि ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कुछ नेताओं के स्वार्थ की वजह से राज्य में कांग्रेस पार्टी धीरे-धीरे विनाश के रास्ते पर बढ़ रही है और पार्टी के अंदरूनी झगड़े लोगों के लिए बहुत चिंता का कारण बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) उस राह पर चल रही है, जो सीधे पार्टी नेता राहुल गांधी की निस्वार्थ, सिद्धांतवादी और बेखौफ राजनीति के बिल्कुल विपरीत है। कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने कहा, हम उनके (राहुल गांधी) कठिन परिश्रम और अद्वितीय योगदान को धोखा नहीं दे सकते। हालांकि उन्होंने राज्य के किसी कांग्रेस नेता का नाम नहीं लिया।

तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वापेरुनथगई ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, उनके करीबियों ने कहा कि ये सभी आरोप सही नहीं हैं। ज्योतिमणि ने आरोप लगाया, कोई भी राजनीतिक दल यह सोच भी नहीं सकता कि चुनाव नजदीक आते ही उसके सांसद मतदान केंद्र एजेंटों की सूची जमा करने में बाधा डालें। हालांकि, कांग्रेस पार्टी में यह हो रहा है।

बात दें कि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल में होना है। ज्योतिमणि ने कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस हर दिन खबरों में रहती है, लेकिन लोगों की समस्याओं के लिए नहीं बल्कि गलत कारणों की वजह से।

ज्योतिमणि ने कहा कि तमिलनाडु अब पहले कभी नहीं दिखाई दिए भारी खतरे का सामना कर रहा है, जो सांप्रदायिक, विभाजनकारी और हिंसक ताकतों से पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक भीड़ किसी तरह सत्ता पर कब्जा करने का इंतजार कर रही है और सामाजिक न्याय, आत्म-सम्मान, जन-केंद्रित कल्याणकारी राजनीति और विकास जैसे आदर्शों को दबा रही है।

इसतरह के माहौल में सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि आने वाले चुनाव को बड़ी सावधानी से संभालें। हालांकि, ज्योतिमणि ने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी ने इस भारी जिम्मेदारी को सही मायने में समझा है।

कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि के बयान पर अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के राष्ट्रीय प्रवक्ता फेलिक्स गेराल्ड ने कहा, सांसद ज्योतिमणि के ट्वीट में सच्चाई झलकती है। उन्होंने कांग्रेस में चल रही घटनाओं को उजागर किया है। अधिकांश कांग्रेसी और नेता 2026 के चुनाव में टीवीके के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। टीवीके और हमारे नेता केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव जीतने में उनकी मदद कर सकते हैं। कांग्रेस के कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आ सकता है।

# अगस्त में शुरु होगी डिगडोल और खूनी नाला के बीच टनल....12 महीने वाहनों की आवाजाही शुरु होगी

जम्मू । जम्मू-श्रीनगर के बीच 13 किलोमीटर की दूरी और कम हो जाएगी है। एनएचएआई ने 90 दिन में डिगडोल और खूनी नाला के बीच बन रही टनल को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। करीब 3,200 मीटर लंबी टनल का इस्तेमाल साल के 12 महीने वाहनों की आवाजाही के लिए हो सकेगा। एनएचएआई इस टनल को रामबन-बनिहाल सेगमेंट नाम दिया है। नेशनल हाईवे पर टनल बनने से रामबन-बनिहाल के बीच बर्फबारी का असर कम हो जाएगा। टनल का निर्माण डबल लेन में किया जा रहा है। यहां दोनों तरफ ट्यूब बनाई जा रहीं हैं। टनल का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। एनएचएआई ने निर्माण की समीक्षा के बाद डेडलाइन तय कर दी है। इसके लिए निर्माता एजेंसी को निर्देश जारी कर दिए हैं। नेशनल हाईवे के इस हिस्से की रिपोर्ट केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्रालय को भी भेजी है। एनएचएआई के अनुसार यह हिस्सा सर्दियों में सबसे अधिक प्रभावित रहता है। टनल बनने के बाद मार्ग पर वाहनों की आवाजाही आसान होगी। श्रीनगर रिंग रोड फेज-एक के साल अगस्त तक पूरा होने की संभावना है। यह रिंग रोड करीब 42 किलोमीटर लंबा है। निर्माण पूरा होने के बाद यातायात बहाल किया जाएगा। एनएचएआई ने इसके लिए आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन प्रोजेक्ट्स के पूरा होने से एनएचएआई की इस क्षेत्र में नेशनल हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, रणनीतिक कनेक्टिविटी को मजबूत करने और नागरिकों और माल ढुलाई दोनों के लिए सुरक्षित और अधिक कुशल यात्रा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता मजबूत होती है। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी आरएस यादव ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर सेक्शन पर डिगडोल और खूनी नाला के बीच लगभग 3.2 किलोमीटर लंबी ट्विन-ट्यूब टनल मार्च तक पूरी होगी। इस निर्माण के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। यहां निर्माणकर्ता कंपनी दिन-रात काम कर रही है।

# विलेज डिफेंस गार्ड ने दिखाया अदम्य साहस....डरकर भागे तीन आंतकी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की देसा घाटी में आतंकियों की बड़ी साजिश को विलेज डिफेंस गार्ड (वीडीजी) की बहादुरी ने नाकाम किया। शाम करीब 7ः00 बजे जब तीन हथियारों से लैस आतंकियों ने रिहायशी इलाके को निशाना बनाने की कोशिश की, तब एक सतर्क स्थानीय गार्ड ने अदम्य साहस दिखाकर उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। सूत्रों के मुताबिक दावेलकुंड इलाके के पास जंगल के रास्ते तीन संदिग्ध आतंकी गांव की ओर बढ़ते दिखाई दिए। स्थिति की गंभीरता को देखकर तैनात वीडीजी सदस्य ने तुरंत मोर्चा संभाला। उसने न केवल अपने परिवार और घर को सुरक्षित किया बल्कि कवर लेकर आतंकियों की दिशा में सटीक फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए जवाबी हमले से आतंकी घबरा गए। उन्हें अंदाजा नहीं था कि स्थानीय स्तर पर इतनी कड़ी चुनौती मिलेगी। खुद को घिरता देखकर आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर वापस घने जंगलों की ओर भाग गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स को सूचित किया गया। इसके बाद डोडा के सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अन्य वीडीजी सदस्यों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वीडीजी सदस्य की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े जानमाल के नुकसान को टाल दिया है। यह स्थानीय लोगों और सुरक्षा बलों के बीच मजबूत तालमेल का परिणाम है। हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों में आई तेजी के बीच विलेज डिफेंस गार्ड्स सुरक्षा की पहली पंक्ति साबित हो रहे हैं। देसा घाटी की इस घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि स्थानीय लोग आतंक के खिलाफ डटकर खड़े हैं।

# भाजपा नेता संगीत सोम ने बीसीसीआई के आदेश, भारत के हिंदुओं और सनातनियों की जीत

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने को कह दिया है। बीसीसीआई के इस फैसले का स्वागत कर भाजपा नेता संगीत सोम ने भारत के हिंदुओं और सनातनियों की जीत करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को समझ आएगा कि भारत में रहकर सनातनियों से पंगा लेना सही नहीं है।

# शराब घोटाला में फंसे पूर्व सीएम भूपेश के बेटे चैतन्य को कोर्ट से राहत, जमानत दी कहा भूमिका बेहद कम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कथित शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को न्यायपालिका से बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने इस मामले से जुड़े दो अलग-अलग प्रकरणों में चैतन्य बघेल की जमानत याचिका मंजूर कर ली। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की एकल पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो व आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज मामलों में सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। गौरतलब है कि कोर्ट ने इस मामले में दलीलें सुनने के बाद 12 दिसंबर, 2025 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि चैतन्य बघेल की कथित भूमिका इस मामले के अन्य वरिष्ठ आरोपियों की तुलना में काफी कम पाई गई है।

हाई कोर्ट ने समानता के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि जब मामले के मुख्य आरोपी और कथित सरगनाओं जैसे अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा, अरविंद सिंह और अन्य को सर्वोच्च न्यायालय से पहले ही जमानत मिल चुकी है, तो ऐसे में चैतन्य को हिरासत में रखना उचित नहीं होगा। अदालत ने यह भी माना कि इस मामले की जांच मुख्य रूप से दस्तावेजी प्रकृति की है और आरोपी लंबे समय से जेल में बंद है। ईडी के मामले में टिप्पणी करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों में चैतन्य के नाम पर कोई प्रत्यक्ष दस्तावेज, बैंक खाता या संपत्ति का खुलासा नहीं हुआ है, जो अपराध की कमाई में उनकी सीधी संलिप्तता साबित कर सके। हालांकि उन पर सिंडिकेट के शीर्ष पर होने का आरोप लगाया गया था, लेकिन रिकॉर्ड पर ऐसा कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिला जो यह दर्शाए कि निविदा आवंटन, कमीशन दरों के निर्धारण या नकदी संग्रह जैसे निर्णयों पर उनका कोई नियंत्रण था।

वहीं, राज्य एजेंसी एसीबी/ईओडब्ल्यू के मामले में अदालत ने जांच प्रक्रिया पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने इसे कानून का गंभीर उल्लंघन करार दिया कि एक अन्य आरोपी लक्ष्मी नारायण बंसल के खिलाफ वारंट होने के बावजूद जांच अधिकारी ने उसे गिरफ्तार करने के बजाय केवल उसका बयान लिया और उसे जाने दिया। अदालत ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया कि वे इस मामले का संज्ञान लें और भविष्य में ऐसी गलतियों को रोकने के लिए उचित आदेश जारी करें। जमानत की शर्तों के तहत चैतन्य बघेल को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और सुनवाई के दौरान नियमित रूप से अदालत में उपस्थित होना होगा। उन्हें जांच में पूर्ण सहयोग करने का हलफनामा भी देना होगा। इस फैसले का स्वागत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे सत्य की जीत बताया। उन्होंने कहा कि सत्य को परेशान किया जा सकता है, लेकिन पराजित नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक द्वेष के चलते उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है और जांच एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्षी नेताओं को दबाने के लिए किया जा रहा है। यह पूरा मामला 2019 से 2022 के बीच हुए कथित शराब घोटाले से जुड़ा है, जिसमें ईडी ने लगभग 2,161 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का अनुमान लगाया था, जबकि राज्य एजेंसी ने यह राशि 3,500 करोड़ रुपये तक होने का दावा किया था। चैतन्य बघेल को पिछले साल जुलाई में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद से वे जेल में थे।

# हाईवे के लिए केंद्रीय मंत्री गडकरी ने तुड़वा दिया था ससुर का मकान

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पूरे देश में हाइवे का निर्माण करावा रहे हैं जिससे आवागमन सुगम हो रहा है। वहीं हाइवे के लिए उन्होंने अपने ससुर का ही मकान तुड़वा दिया। वह दिल्ली में अपने सरकारी आवास परिसर में भी छोटे आकार में खेती करते हैं। यहां वे मिर्चियां उगाते हैं। साथ ही उनकी पत्नी महाराष्ट्र में ऑर्गेनिक खेती करती हैं। गडकरी ने फिल्म निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान के वीडियो ब्लॉग में इन बातों का जिक्र किया।

पॉडकास्ट में केंद्रीय मंत्री गडकरी की पत्नी ने बताया कि हाईवे बनाने के लिए एक बार उनके मायके का घर चला गया था। इस बात पर गडकरी ने आगे कहा कि हां, इनके पिताजी का घर तोड़ना पड़ा था। चूने की रेखा डाली और पूरा घर तोड़ दिया। बदले में कुछ मुआवजा दिया था। गडकरी ने कहा कि अगले 15 दिन में दिल्ली से देहरादून फ्लाइट तो बंद हो जाएगी क्योंकि दो घंटे में लोग यह दूरी सड़क से ही तय कर सकेंगे। हाईवे बनकर तैयार है।

गडकरी ने बताया कि उनकी पत्नी महाराष्ट्र में जो ऑर्गेनिक खेती करती हैं, उसमें एक किलो के बैंगन और एक किलो के प्याज की पैदावार हुई है। वहां ऑर्गेनिक सब्जियां, अरहर की दाल और चने की दाल भी उगाते हैं। खेती में एआई का इस्तेमाल किया जाता है। गूगल-माइक्रोसॉफ्ट की मदद से खेती की सैटैलाइट तस्वीर निकालते हैं। उस हिसाब से सिंचाई करते हैं। उन्होंने बताया कि हम अपने सरकारी बंगले के परिसर में भी खेती करते हैं और मिर्ची वगैरह उगाते हैं। बंगले पर 15-17 मोर कुछ न कुछ खाने के लिए आते हैं। सोनिया गांधी उनकी पड़ोसी हैं। दूसरी तरफ पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का बंगला था।

उन्होंने बताया कि हमारी जिंदगी मध्यमवर्गीय परिवार की सामान्य जिंदगी है। हमारा मानना है कि भगवान ने हमें जो दिया है, वह हमारी हैसियत से ज्यादा है। हम उसमें खुश रहते हैं। जनप्रतिनिधि होने के नाते कभी-कभी नागपुर में पांच हजार लोग भी मिलने के लिए आते हैं। हम आखिरी व्यक्ति से भी मिलते हैं, भले ही आधा मिनट बात हो। उन्होंने कहा कि मैंने बेटे से भी कहा है कि जिन कार्यकर्ताओं ने मुझे बड़ा बनाया है, मेरी राजनीतिक विरासत पर उनका अधिकार है।

# पद्मेश न्यूज़ शहरनामा





/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com


## न्यूज गैलरी

### टिटवा में गिट्टी का परिवहन करते हाईवा जप्त

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला बालाघाट में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 02 जनवरी 2026 को उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां के नेतृत्व में खनिज विभाग के अमले द्वारा रात्रि भ्रमण के दौरान ग्राम टिटवा, तहसील बालाघाट में अवैध रूप से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए एक हाईवा वाहन

क्रमांक MP50-H-0645 को पकड़ा गया। वाहन को जप्त कर पुलिस चौकी चरेगांव की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। प्रकरण को म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इसी प्रकार ग्राम धापेवाड़ा, तहसील एवं जिला बालाघाट में खनिज रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की प्राप्त शिकायतों के आधार पर दिनांक 03 जनवरी 2026 को खनिज विभाग के अमले द्वारा वैनगंगा नदी क्षेत्र में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में उपयोग किए जा रहे नदी में बने अस्थायी पुल को जेसीबी मशीन के माध्यम से ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही मार्ग को पूर्णत: अवरुद्ध कर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई गई है, जिससे भविष्य में नदी से अवैध रेत खनन न किया जा सके। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत निगरानी रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# सरेखा के दो वार्डों में 6 माह से घरों में आ रहा खतरनाक बदबूदार गंदा पानी

## शहर के कई वार्डों में शुद्ध जलापूर्ति का अभाव, दूषित पानी का हो रहा वितरण

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**नगर पालिका जहां शहर में दो वक्त शुद्ध, स्वच्छ और शीतल पेयजल आपूर्ति का दावा कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है। शहर के कई वार्ड ऐसे हैं जहां शुद्ध पानी मिलना तो दूर, लोगों के घरों में लगातार दूषित और बदबूदार पानी की आपूर्ति हो रही है, जिसे वार्डवासी उपयोग के लायक भी नहीं मान रहे हैं। ताजा मामला वार्ड क्रमांक 31, 5 तथा वार्ड क्रमांक 32 के कुछ क्षेत्रों का है, जहां करीब 100 से अधिक परिवार पिछले चार से पांच महीनों से गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार नलों से आने वाला पानी न केवल गंदा है, बल्कि उसमें से तेज दुर्गंध भी आती है, जिससे पीने और घरेलू उपयोग नही किया जा सकता हैं। मजबूरी में लोगों को वैकल्पिक स्त्रोतों से पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। इस संबंध में संबंधित वार्ड पार्षदों और वार्डवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो इंदौर जैसी गंभीर घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने चिंता जताते हुए कहा कि दूषित पानी के कारण कभी भी बड़ी स्वास्थ्य समस्या खड़ी हो सकती है। वार्डवासियों ने यह भी बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर नगर पालिका के अधिकारियों के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन इसके बावजूद अब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।**

इंदौर में दूषित पानी के सेवन से लगभग 15 लोगों की मौत के बाद प्रदेशभर में जलापूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसी गंभीर घटना के बाद जब बालाघाट नगर पालिका क्षेत्र में दिए जा रहे पेयजल की स्थिति का जायजा लिया गया, तो हालात चिंताजनक सामने आए। नगर पालिका द्वारा शुद्ध और स्वच्छ दो वक्त पानी उपलब्ध कराने के दावों के

बावजूद बालाघाट के कई वार्डों में नागरिकों को दूषित और बदबूदार पानी की आपूर्ति की जा रही है। शहर के वार्ड क्रमांक 31, 5, 32, 03 सहित अन्य कई वार्ड ऐसे हैं, जहां नगर पालिका की जल आपूर्ति व्यवस्था सवालों के घेरे में है। इन क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की लागत से चलाई जा रही जल आवर्धन योजना के तहत जो पाइपलाइन बिछाई गई है, वह कई स्थानों पर नालियों के अंदर से होकर गुजर रही है। इसका सीधा असर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों पर पड़ा है, जहां घरों में पहुंच रहा पानी दूषित और बदबूदार हो चुका है। वार्ड क्रमांक 31 और 5 के रहवासियों से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि पिछले चार से पांच महीनों से उनके घरों में लगातार बदबूदार और गंदा पानी आ रहा है। स्थिति यह है कि लोग नगर पालिका द्वारा दिए जा रहे पानी का उपयोग तक नहीं कर रहे हैं और मजबूरी में दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका अधिकारियों से शिकायत की है। इतना ही नहीं, सीएम हेल्पलाइन पर भी मामले दर्ज कराए गए हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जिम्मेदार विभागों की उदासीनता के चलते लोगों में रोष और चिंता दोनों बढ़ती जा रही है। इंदौर की दुखद घटना के बाद अब केवल प्रभावित वार्डवासी ही नहीं, बल्कि शहर के सभी वर्ग पानी को लेकर सतर्क हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि जलप्रदाय से जुड़ी संस्थाओं को चाहिए कि वे नियमित रूप से पानी की सप्लाई लाइनों, टंकियों की सफाई और जल गुणवत्ता की जांच कराएं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आम नागरिकों के घरों में पहुंच रहा पानी पूरी तरह सुरक्षित और शुद्ध है। इंदौर जैसी बड़ी घटना के बाद भी संबंधित संस्थाएं अभी तक इस मामले में मौन साधे हुए हैं। यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो बालाघाट में भी किसी बड़ी स्वास्थ्य आपदा से इनकार नहीं किया जा सकता।

### 5 महीनों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है

वार्ड क्रमांक 31 और 5 की वार्डवासी महिलाएं देवी जामरे, शांताबाई जामरे और डाली कावरे बताती हैं कि उनके वार्ड में पिछले लगभग 5 महीनों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जिसका वे उपयोग नहीं कर रही हैं। डाली कावरे ने बताया कि उनके पति द्वारा लगभग दो से तीन बार सीएम हेल्पलाइन में इसकी शिकायत भी की गई, लेकिन नगर पालिका के कर्मचारियों ने सीएम हेल्पलाइन कटवाने का दबाव बनाया। इसके बावजूद पानी की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। आज भी वे नगर पालिका से आने वाले पानी का उपयोग नहीं कर रहे हैं।

### 100 से अधिक घरों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है- रामभाऊ

पार्षद प्रतिनिधि रामभाऊ पंचेश्वर ने बताया कि उनके वार्ड में 100 से अधिक घरों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। इस समस्या को लेकर उन्होंने कई बार नगर पालिका में आवेदन और निवेदन किया है। पूर्व में कुछ स्थानों पर नालियों से होकर गुजर रही पानी की सप्लाई को भी चेक करवाया गया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। वार्डवासी लगातार इस विषय को लेकर शिकायत कर रहे हैं, लेकिन नगर पालिका इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कलेक्टर से भी मांग की है कि इस गंभीर समस्या पर ध्यान दिया जाए, अन्यथा वे वार्डवासियों के साथ धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि यदि हालात ऐसे ही बने रहे तो इंदौर जैसी घटना से शहर में इंकार नहीं किया जा सकता।

### पानी की सप्लाई को लेकर परेशान हैं - राज हरिनखेडे

सत्तापक्ष के पार्षद राज हरिनखेडे ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि उनके वार्ड में भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। बीते काफी समय से वे भी पानी की व्यवस्था को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

## बैहर के राजस्व निरीक्षक सहित तीन लोगों से दो बदमाशों ने की मारपीट

### मलाजखंड थाना क्षेत्र की घटना, फरार दो युवक भोजलाल और वंश बंजारा की तलाश जारी

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** तहसील कार्यालय बैहर के राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो सहित तीन लोगों से दो बदमाश युवको ने मारपीट कर उन्हें जान से मारने की धमकी दे दी। यह घटना 1 जनवरी की रात्रि 8ः00 बजे मलाजखंड थाना अंतर्गत भेलवाटोला तिराह सरईटोला मैं हुई।मलाजखंड पुलिस ने राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मी 35 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर इस मामले में दो बदमाश युवक भोजलाल राऊत और वंश बंजारा दोनों ग्राम करमसरा निवासी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है और दोनों घटना के बाद से फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भेलवाटोला निवासी सन्नी आर्मो तहसील कार्यालय बैहर में राजस्व निरीक्षक के पद पर पदस्थ है। 1 जनवरी की रात्रि 8ः00 बजे राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो को बोलेरो में उनके गांव भेलवाटोला छोड़ने के लिए बुलेरो में ड्राइवर सुनील मडचुले और भृत्य विशाल ताराम जा रहे थे। भेलवाटोला तिराहा सरईटोला रोड किनारे अंडे की दुकान में रुके थे। राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो बुलेरो से नीचे उतरे तभी बुलेरो के पास दो लड़के भोजलाल राऊत और वंश बंजारा आये। उस समय दोनों युवक शराब के नशे में थे और दोनों युवक राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो से बोलने लगे कि तुम कौन हो, यहां क्यों गाड़ी खड़ी किये हो, यह कह कर दोनो युवक बेवजह राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो को गालियां देने लगे,राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो ने उन्हें गाली देने से मना किये और समझा रहे थे तभी दोनों युवक आवेश राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो से धक्का बुक्की कर हाथबुक्के से मारपीट करने लगे तभी ड्राइवर सुनील मुडचुले विशाल ताराम ने बीच बचाव किये, दोनों युवक ने सुनील मुडचुलेऔर विशाल ताराम से भी हाथ बुक्के से मारपीट कर दोनों वहा से फरार हो गए। उक्त दोनों युवक भोजलाल राऊत और वंश बंजारा भेलवाटोला से लगे ग्राम करमसरा के थे। जिसके बाद राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो ने भोजलाल के घर जाकर उसकी मां को बोले कि तुम्हारा लड़का भोजलाल नशे में लग रहा है और हमसे बहस कर वंश बंजारा के साथ मारपीट किया है उसे समझा दीजिये यह कहकर राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो सुनील मुड़चुले और विशाल तारांम के साथ बुलेरो में भेलवाटोला जाने लगे थे। तभी रास्ते में भोजलाल राऊत और वंश बंजारा डंडा लेकर खड़े थे। भोजलाल ने बुलेरो के पीछे डंडे से स्टेपनी में मारा और दोनो ने इधर दिखाने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दिए। इस घटना के बाद राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचे। मलाजखंड पुलिस ने राजस्व निरीक्षक सन्नी आर्मो द्वारा की गई रिपोर्ट पर भोजलाल राऊत और वंश बंजारा दोनों ग्राम करमसरा निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधी धाराओं के तहत अपराध किया गया है। घटना के बाद दोनों युवक फरार बताए गए हैं। जिनकी तलाश की जा रही है।

## दो बाइक को टक्कर मारते हुए अनियंत्रित होकर दुकान मे घुसा ट्रेक्टर

### बाल बाल बची जान, बिना रायल्टी मिट्टी का कर रहा था परिवहन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मॉयल नगरी भरवेली के मॉयल चौक पर दोपहर ढाई बजे उस समय अफरा तफरी मच गई जब एक तेज रफ्तार से अनियंत्रित होकर ट्रेक्टर दो बाइक को रौदंते हुए दुकान मे घुस गया। गनीमत यह रही ट्रेक्टर के चपेट मे कोई नहीं आया वरना बड़ी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। घटना मे यह भी उजागर हुआ कि ट्रेक्टर बिना रायल्टी के मिट्टी परिवहन कर रहा था। बहरहाल इस मामले मे पुलिस ने ट्रेक्टर चालक के खिलाफ सम्बधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर मामले को जाँच मे लिया है।

### मोटरसाइकिल खड़ी कर चाय पी रहे थे युवक, बाइक को रौदत हुए दुकान में जाकर घुसा ट्रैक्टर

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर करीब 2.30 बजे के लगभग तेज रफ्तार से ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर मॉयल चौक भरवेली मे दीवार तोडकर एक स्टेशनरी की दुकान मे घुस गया इस दौरान नई पल्सर और हीरो पैसन दो तीन बाइक को रौदंते हुए बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना से अफरा तफरी और भगदड़ मच गई थी,बताया गया है की बाइक चालक दिवांक अपनी हीरो पैसन बाइक और अंकित उइके अपनी नई बजाज पल्सर बाइक सड़क किनारे खड़ी करके सामान खरीदी के दौरान चाय पी रहे थे कुछ सेकेण्ड के बाद अचानक अनियंत्रित होकर आये ट्रेक्टर ने उनकी बाइक को रौदंते हुए दुकान मे घुस गया। जँहा मौजूद कुछ लोगो की जान बाल बाल बच गई, लेकिन इस घटना से लाखो का नुकसान हो गया वंही मामले की शिकायत करने पर भरवेली थाने की पुलिस ने मामला जाँच मे लें लिया है। जहां भरवेली पुलिस द्वारा ट्रैक्टर चालक से घटना को लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

## 200 रुपये नहीं देने पर दो भाईयों ने कुल्हाड़ी से की मारपीट

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दुगलई निवासी एक व्यक्ति ने अपने गांव के दो सगे भाई पर मारपीट करने का आरोप लगाया। यह घटना रुपए के लेनदेन को लेकर हुई। हाथ बुक्के और कुल्हाड़ी के वार से घायल व्यक्ति जितेंद्र पिता चैनललाल अड़मे 35 वर्ष ग्राम दुगलई निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दुगलई निवासी जितेंद्र अड़मे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं । इसी ग्राम के अनिल बघारे ने अपने भाई सुनील बघारे के साथ जितेंद्र अड़मे के घर कुछ काम किए थे। जिसका 200 रुपये लेना बाकी था। गुरुवार की शाम 6ः00 बजे जितेंद्र अड़मे अपने घर में था। तभी अनिल बघारे अपने भाई सुनील बघारे के साथ जितेंद्र अड़मे के घर आए, उस समय दोनों भाई शराब के नशे में थे। दोनों भाई ने जितेंद्र अड़मे से 200 रुपये मांगे। जितेंद्र अड़मे ने उन्हें बोला कि मेरी पत्नी घर में नहीं है। वह आएगी तो हम रुपए दे देंगे। जितेंद्र अड़मे के यह कहते ही अनिल बघारे और उसका भाई सुनील बघारे आवेश में आ गए और दोनों भाई ने जितेंद्र अड़मे को अश्लील गालियां गालियां देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट किया वहीं सुनील बघारे ने कुल्हाड़ी से मारा कुल्हाड़ी गवार जितेंद्र अड़मे के सर के बाएं तरफ लगने से वह घायल हो गया। इसी दौरान किसी पड़ोसी ने डायल 112 को फोन कर दिए थे। डायल 112 से घायल जितेंद्र अड़मे को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किये जिला अस्पताल पुलिस ने जितेंद्र अड़मे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु ग्रामीण थाना नवेगांव भिजवा दी है।


**कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट,जिला-बालाघाट(म.प्र.)**

क्रमांक/एफ/ ज.प्र.वि./2025/12385, बालाघाट, दिनांक-03/01/2026

**जल जनित रोगो से बचाव हेतु आम जनता से अपील**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हाल ही में मध्यप्रदेश के इंदौर में दूषित पेयजल में घटित घटना के कारण लोगो की असायिक मृत्यु के चलते नगरपालिका परिषद बालाघाट आम जनता से यह अपील करती है कि जल जनीत बीमारियों से बचने के लिये महत्वपूर्ण बिंदुओं का नियमित प ालन करें। जिससे आम नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा हो सके।

**जल जनित बीमारियों से बचने के लिए इन सरल नियमों का पालन करें।**

**क्या करें (Do's)**

- **पानी उबालकर पिएं:-** पीने के पानी को कम से कम 10-15 मिनट तक उबालें या फिल्टर का उपयोग करें। या पानी में क्लोरीन की गोली का उपयोग करें (500mg क्लोरीन की एक गोली 20 लीटर अथवा 1 बाल्टी पानी में मिलाएं)
- **हाथ धोएं:-** खाना खाने से पहले और शौच के बाद साबुन और पानी से हाथ अच्छी तरह धोएं।
- **ताज़ा और ढका भोजन:-** हमेशा ताज़ा बना हुआ और गर्म खाना ही खाएं। भोजन को हमेशा ढककर रखें।
- **उपचार की अवधि पूर्ण करें :-** चिकित्सक की सलाह पर दी गयी दवाई का उपयोग पूर्ण उपचार अवधि तक करें

**क्या न करें (Don'ts)**

- **खुला पानी न पिएं:-** नदी, तालाब या खुले कुओं का पानी सीधे न पिएं।
- **अशुद्ध खाना न खाएं:-** बाज़ार में बिकने वाले खुले और पहले से कटे हुए फल या सब्जियां न खाएं। खुले में बिकने वाला खाना/बासी या अशुद्ध खाना खाने से बचें।
- **कूड़ा-कचरा न फेंकें:-** पीने के पानी के स्रोतों के आसपास गंदगी या कूड़ा न फैलाएं।
- **अनुचित दवा का उपयोग ना करें :-** बिना चिकित्सकीय राय के किसी भी तरह की दवाई का अनुचित उपयोग ना करें

यदि पेट दर्द, उल्टी, दस्त या बुखार हो, तो तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। ओ.आर.एस. (ORS) घोल का सेवन करें।

**नगरपालिका परिषद बालाघाट सीमा क्षेत्र के अंतर्गत गंदा / दूषित पानी आने की स्थिति में निम्नलिखित से संपर्क करें।**

1. नगरपालिका परिषद बालाघाट कार्यालय हेल्पलाईन नंबर 8349008285
2. अमित पुसाम-8989127353,
3. भूमेश्वर शिव-9981407981
4. राजकुमार कावरे-7828605590

**मुख्य नगरपालिका अधिकारी**
**नगरपालिका परिषद बालाघाट**
**जिला बालाघाट(म.प्र.)**



**पैसा ठीक होने के बाद देना**

**शादी से पहले एवं शादी के बाद**

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

**पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना**

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,

**स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट